हिन्दी दैनिक

प्रत्यूष नवबिहार

जोहार

रांची संस्करण

www.tezraftarlive.com
Email-navbiharjh@gmail.com

रांची, पटना और दिल्ली से प्रकाशित

रांची ● शनिवार ● 27.07.2024 ● वर्ष : 15 ● अंक : 08 ● पृष्ठ : 12 ● आमंत्रण मूल्य : ~~3 रुपये~~ 2 रुपये

एक नजर

कैमरून से लौटे प्रवासी मजदूरों को सरकारी योजनाओं से किया जाएगा आच्छादित

रांची : कैमरून, दक्षिण अफ्रिका से लौटे झारखण्ड के 27 प्रवासी मजदूरों को विभिन्न सरकारी योजनाओं से आच्छादित किया जाएगा। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने इस संदर्भ में निर्देश दिए हैं। योजनाओं से आच्छादित कार्यों को सफल रूप से पूर्ण करवाने हेतु राजेश प्रसाद, संयुक्त श्रमायुक्त, झारखण्ड, राँची (मोबाईल सं०- 9431344109) को नोडल पदाधिकारी के रूप में नामित करने की अनुशंसा की है। प्रसाद पत्र प्राप्ति के 72 घंटे के भीतर संबंधित जिले में जाकर उपायुक्त, जिला कौशल विकास पदाधिकारी एवं श्रम अधीक्षक से सम्पर्क स्थापित कर कार्य योजना तैयार कर इस कार्य को पूर्ण करायेंगे। श्रमायुक्त, झारखण्ड इस कार्य की प्रतिदिन समीक्षा कर अधोहस्ताक्षरी को अवगत करायेंगे। यह आदेश तत्काल प्रभाव से लागू होगा।

राजद एमएलसी सुनील सिंह की सदस्यता खत्म

पटना : लालू परिवार के करीबी राजद एमएलसी डॉ सुनील कुमार सिंह की बिहार विधान परिषद से सदस्यता समाप्त कर दी गयी है। इसके साथ ही सदन में असंसदीय और अमर्यादित व्यवहार के आरोप में सुनील सिंह के खिलाफ ये कार्रवाई की गयी है। जदयू के वरिष्ठ सदस्य और मौजूदा उप सभापति डॉ रामवचन राय की अध्यक्षता वाली आचार समिति का प्रतिवेदन सदन में गुरुवार को पेश किया गया था जिसे शुक्रवार को पारित कर दिया गया। बता दें कि सुनील सिंह पूर्व सीएम राबड़ी देवी के मुंहबोले भाई हैं। राजद एमएलसी सुनील सिंह पर बजट सत्र के दौरान मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पर मिमिक्री कर मजाक उड़ाना भारी पड़ गया। मामला बजट सत्र के दौरान राज्यपाल के अभिभाषण पर वाद-विवाद के समय नीतीश कुमार के साथ सदन में दुर्व्यवहार से जुड़ा था। इस मामले की जांच के लिए समिति बनाई गई थी। भीष्म समिति की मांग पर जांच समिति गठित की गई थी। मामले से जुड़े वीडियो की जांच में आरोप सही पाए गए थे।

सम्राट हटे, दिलीप जायसवाल बने बिहार भाजपा के अध्यक्ष

पटना : बिहार बीजेपी में बड़ा फेरबदल किया गया है। पार्टी ने सम्राट चौधरी को प्रदेश अध्यक्ष पद से हटा दिया है। उनकी जगह दिलीप जायसवाल को प्रदेश अध्यक्ष की जिम्मेदारी सौंपी गई। एनडीए में नीतीश कुमार के शामिल होने के बाद पार्टी ने सम्राट चौधरी को डिप्टी सीएम बनाया था। इसके बाद से ही ऐसी अटकलें थी कि पार्टी प्रदेश अध्यक्ष की जिम्मेदारी किसी और को दी जा सकती है। बिहार प्रदेश अध्यक्ष बदलने को लेकर शीर्ष नेतृत्व की ओर से पत्र जारी कर दिया गया है। प्रदेश अध्यक्ष बनाए जाने के बाद जायसवाल ने राष्ट्रीय नेतृत्व को धन्यवाद दिया है। उन्होंने कहा कि हमें प्रदेश अध्यक्ष का दायित्व देने के लिए प्रदेश और राष्ट्रीय नेतृत्व को धन्यवाद। दिलीप जायसवाल मूल रूप से खगड़िया जिले के रहने वाले हैं। 23 मार्च 2023 को दिलीप त्रिस्तरी पंचायत क्षेत्र से विधान परिषद के सदस्य रूप में लगातार तीसरी बार चुनकर आए हैं।

पूरी ताकत से कुचलेंगे आतंकवाद, दुश्मन को देंगे मुंहतोड़ जवाब : मोदी

एजेंसी

करगिल : प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को पाकिस्तान को चेतावनी दी कि उसकी नापाक साजिशें सफल नहीं होंगी, क्योंकि हमारे सैनिक पूरी ताकत से आतंकवाद को कुचलने का ऑपरेशन चला रहे हैं और दुश्मन को मुंहतोड़ जवाब देंगे। उन्होंने कहा कि कारगिल युद्ध में जीत के 25 साल बाद आज लद्दाख की राजसी भूमि एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। कारगिल विजय दिवस हमें याद दिलाता है कि हमारे देश के लिए किए गए बलिदान शाश्वत हैं और हमेशा याद किए जाते हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने 25वें कारगिल विजय दिवस के अवसर पर लद्दाख के द्रास में कारगिल युद्ध स्मारक पर पुष्पांजलि अर्पित की। इसके बाद लद्दाख के द्रास में कारगिल विजय दिवस श्रद्धांजलि समारोह में प्रधानमंत्री ने कहा कि कारगिल विजय दिवस हमें बताता है कि राष्ट्र के लिए किए गए बलिदान अमर हैं। जैसे-जैसे समय बीतता है, दिन महीनों में बदल जाते हैं, महीने सालों में और साल सदियों में बदल जाते हैं, राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए अपने प्राणों की आहुति देने वालों के नाम हमारी सामूहिक स्मृति में हमेशा के लिए अमर हो जाते हैं। आज जब मैं एक बार फिर कारगिल की पवित्र धरती पर खड़ा हूं तो उन यादों का फिर से ताजा होना स्वाभाविक है। मुझे याद है कि कैसे हमारे बलों ने चरम और चुनौतीपूर्ण युद्ध स्थितियों के बावजूद सफलतापूर्वक ऑपरेशन को अंजाम दिया था।

प्रधानमंत्री ने द्रास में कारगिल युद्ध स्मारक पर अर्पित की पुष्पांजलि

प्रधानमंत्री ने पाकिस्तान पर हमला बोलते हुए कहा कि पड़ोसी देश ने अपने इतिहास से कुछ नहीं सीखा है और छद्म युद्ध कर रहा है। पाकिस्तान अतीत में अपने सभी नापाक प्रयासों में विफल रहा है लेकिन वह आतंकवाद और छद्म युद्ध की मदद से खुद को प्रासंगिक बनाए रखने की कोशिश कर रहा है। प्रधानमंत्री ने कहा कि आज मैं ऐसी जगह से बोल रहा हूं, जहां आतंक के आका मेरी आवाज सीधे सुन सकते हैं। मैं आतंकवाद के इन संरक्षकों को बताना चाहता हूं कि उनके नापाक इरादे कभी कामयाब नहीं होंगे। हमारे सैनिक पूरी ताकत से आतंकवाद को कुचल देंगे और दुश्मन को मुंहतोड़ जवाब दिया जाएगा। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि कारगिल में हमने न केवल युद्ध जीता, बल्कि ह्यसत्य, संयम और शक्तिह्न का अद्भुत उदाहरण भी दिया। आप जानते हैं कि भारत उस समय शांति के लिए प्रयास कर रहा था और बदले में पाकिस्तान ने एक बार फिर अपना अविश्वसनीय चेहरा दिखाया था लेकिन सत्य के सामने असत्य और आतंक की हार हुई। उन्होंने आगे कहा कि भारत विकास की राह में आने वाली हर चुनौती को परास्त करेगा। कुछ ही दिनों बाद 5 अगस्त को अनुच्छेद 370 को समाप्त हुए 5 साल हो जाएंगे। जम्मू-कश्मीर नए भविष्य की बात कर रहा है, बड़े सपनों की बात कर रहा है। बुनियादी ढांचे के विकास के साथ-साथ लद्दाख और जम्मू-कश्मीर में पर्यटन क्षेत्र भी तेजी से बढ़ रहा है। दशकों बाद कश्मीर में कोई सिनेमा हॉल खुला है। प्रधानमंत्री ने कहा कि साढ़े 3 दशक के बाद पहली बार श्रीनगर में ताजिया जुलूस निकाला गया। धरती का हमारा स्वर्ग तेजी से शांति और सद्भाव की ओर बढ़ रहा है। उन्होंने अग्निपथ योजना पर प्रकाश डालते हुए कहा कि इसका लक्ष्य सेना को युवा बनाना और सेना को लगातार युद्ध के लिए फिट रखना है। उन्होंने कहा कि सेना में बड़े सुधारों की लंबे समय से मांग रही है। देश दशकों से रक्षा क्षेत्र में बड़े सुधारों की जरूरत महसूस कर रहा है।

पर्यावरण संतुलन के लिए हम सभी कदम से कदम मिलाकर चलें : हेमन्त सोरेन

प्रत्यूष नवबिहार सवांददाता

रांची : मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने कहा कि पर्यावरण सुरक्षित रहेगा तभी हम सुरक्षित रहेंगे। यदि पेड़-पौधे नहीं होंगे तो प्राणियों पर खतरा उत्पन्न हो जाएगा। भविष्य में ऐसी स्थिति पैदा नहीं हो, इसके लिए पर्यावरण का संरक्षण नितांत आवश्यक है। उन्होंने कहा कि पर्यावरण संतुलन के लिए सभी को कदम से कदम मिलाकर चलने की जरूरत है। इस अवसर पर मुख्यमंत्री और अन्य अतिथियों ने पौधरोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संकल्प दोहराया। मुख्यमंत्री वन, पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन विभाग के तत्वावधान में झारखंड विधानसभा परिसर में शुक्रवार को आयोजित 75वें राज्यव्यापी वन महोत्सव में बतौर मुख्य अतिथि बतौर बोल रहे थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि 75 वर्षों से हम वन

महोत्सव मनाते आ रहे हैं। आप इस बात से अंदाजा लगा सकते हैं कि शुरूआत के वन महोत्सव में जो पौधे लगे होंगे, वे वर्तमान समय में किस स्थिति में होंगे। वन महोत्सव सिर्फ एक कार्यक्रम नहीं है, बल्कि पर्यावरण को सुरक्षित करने का एक बड़ा अभियान है। ऐसे में हम सभी ज्यादा से ज्यादा पेड़ लगाने का संकल्प लें, ताकि पर्यावरण में जो असंतुलन पैदा हो रहा है उसे नियंत्रित कर सकें।

एक वक्त था जब झारखंड में पौधरोपण की कोई जरूरत नहीं थी

मुख्यमंत्री ने कहा कि जल-जंगल और जमीन झारखंड की पहचान रही है। एक ऐसा भी वक्त था, जब राज्य में चारों ओर घने जंगल थे। हर तरफ हरियाली ही हरियाली थी। उसे दौरान यहां पौधरोपण की कोई जरूरत नहीं पड़ती थी लेकिन जैसे-जैसे विकास की ओर बढ़ते गए, जंगलों पर खतरा पैदा होता गया। उद्योग-धंधे का विस्तार, बड़े पैमाने पर खनन कार्य होने और पुल-पुलिया सड़कों का जाल बिछने समेत कई अन्य कारणों से बड़े पैमाने पर पेड़ काटे गए। जहां जंगल हुआ करते थे, वहां कंक्रीट के जंगल बन गए। सोरेन ने कहा कि प्राकृतिक व्यवस्था में हस्तक्षेप का सीधा असर पर्यावरण पर पड़ा। प्रकृति का संतुलन बिगड़ने से आज हमें तरह-तरह की चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। यदि नहीं चेते तो इसके गंभीर परिणाम भुगतने को तैयार रहना होगा। ऐसे में ज्यादा से ज्यादा पेड़ लगाने के लिए सभी को आगे आना होगा, तभी पर्यावरण के साथ अपने जीवन को सुरक्षित रख पाएंगे। इस अवसर पर विधानसभा अध्यक्ष रबीन्द्र नाथ महतो, मंत्री रामेश्वर उरांव, इरफान अंसारी एवं मिथिलेश कुमार ठाकुर, कई विधायकगण, मुख्यमंत्री के अपर मुख्य सचिव अविनाश कुमार, पीसीसीएफ संजय श्रीवास्तव समेत कई वरीय पदाधिकारी मौजूद थे।

अनुराग गुप्ता बने झारखंड के नये डीजीपी, ग्रहण किया पदभार

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : डीजीपी अनुराग गुप्ता ने आज शुक्रवार को पदभार ग्रहण कर लिया है। बता दें कि 1990 बैच के आईपीएस अनुराग गुप्ता को राज्य सरकार ने झारखंड का प्रभारी डीजीपी बनाया है। इस आशय का पत्र गृह कारा एवं आपदा प्रबंधन विभाग ने शुक्रवार को ही जारी किया था। अनुराग गुप्ता अभी सीआईडी डीजी के पद पर पदस्थापित हैं। वह एंटी करप्शन ब्यूरो (एसीबी) के डीजी भी हैं। इसी तरह झारखंड डीजीपी के पद पर पदस्थापित अजय कुमार सिंह को पुलिस हाउसिंग कॉरपोरेशन का एमडी नियुक्त किया गया है। जारी पत्र के मुताबिक, पुलिस हाउसिंग कॉरपोरेशन के एमडी प्रशांत सिंह डीजी वायरलेस बनाये गये हैं। इस मौके पर अनुराग गुप्ता ने जनता के प्रति अपनी प्राथमिकताएं गिनाईं। इस बीच उन्होंने अपराध, विधि-व्यवस्था संधारण, आम जनता में पुलिस के प्रति विश्वास पैदा करना, पुलिस को पब्लिक फ्रेंडली बनाने एवं पुलिस की आंतरिक व्यवस्था सुदृढ़ करने पर जोर दिया। साथ ही पुलिस की बहाली, उनकी प्रोन्नति, समय-समय पर विशेष प्रशिक्षण कराने पर बल दिया। इसके अतिरिक्त उन्होंने संगठित अपराध, साईबर काईम, नशीले पदार्थों, महिलाओं के विरुद्ध किये जाने वाले अपराधों के विरूद्ध कठोर कार्रवाई करने को अपनी प्राथमिकता बताई।

पूर्णिया में तनिष्क शोरूम से दिनदहाड़े 20 करोड़ की लूट

एजेंसी

पटना : बिहार के पूर्णिया में बड़ी लूट हुई है। यहां तनिष्क शोरूम में करोड़ों की लूट हुई है। डीआईजी विकास कुमार ने बताया कि अब तक के आकलन के अनुसार दो से तीन करोड़ की यह लूट है। लूट के आंकड़े घट या बढ़ सकते हैं। हालांकि शोरुम के स्टाफ ने कहा था कि 20 करोड़ की लूट हुई है लेकिन डीआईजी ने इसे 2-3 करोड़ बताया है। शोरूम के स्टाफ का कहना है कि बाइक पर सवार होकर आए 6 अपराधियों ने वारदात को अंजाम दिया है। स्टाफ का कहना है कि अपराधियों ने हथियार के बल पर करोड़ों की ज्वेलरी ले गए हैं। मौके पर पुलिस की टीम पहुंच गई है।

मामले पर छानबीन शुरू कर दी गई है।

स्टाफ बोला- गहने खरीदने के बहाने अंदर घुसे 3 लोग

तनिष्क शोरूम के स्टाफ विवेक कुमार ने बताया कि पहले 3 बदमाश कस्टमर बनकर शोरूम में दाखिल हुए। गहने खरीदने के बहाने उन्होंने स्टाफ को अपनी बातों में उलझाया। इसके बाद 3 और बदमाश अंदर घुसे। सभी के पास पिस्टल थी। शोरगुल करने पर जान से मारने की धमकी देते हुए उन्होंने सभी स्टाफ को गन पॉइंट पर ले लिया और फिर लूटपाट कर बाइक से भाग निकले। एक-एक बाइक पर 3-3 अपराधी बैठकर भाग निकले। सभी 20-25 मिनट शोरूम के अंदर रहे।

पलामू के झारखंड राज्य ग्रामीण बैंक में 6 करोड़ का गबन, पूर्व शाखा प्रबंधक पर एफआईआर

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पलामू : पलामू में झारखंड राज्य ग्रामीण बैंक में 6 करोड़ का गबन का मामला सामने आया है। बैंक के पूर्व शाखा प्रबंधक पर ग्राहकों के 6 करोड़ रुपए के गबन का आरोप लगा है। इसको लेकर हुसैनाबाद थाना में प्राथमिकी दर्ज कराई गई है। झारखंड राज्य ग्रामीण बैंक की शाखा में ग्राहकों के विशेष सावधि जमा खाता, समूह के खाता के अलावा अन्य खातों से करीब छह करोड़ से अधिक की राशि गबन कर ली है।

11 महिला समूहों के ऋण खातों से किया गया ट्रांसफर

शाखा प्रबंधक आशीष रंजन ने थाना को दिए आवेदन में कहा है कि वरीय प्रबंधक लक्षण राणा ने विभागीय जांच के दौरान खुलासा किया है। जांच में पाया गया कि

तत्कालीन शाखा प्रबंधक मनोज कुमार सिंह ने 11 महिला समूहों के ऋण खातों को बिना ग्राहक की सहमति के निकासी कर उनके बचत खाते में ट्रांसफर कर दिया गया, फिर उस खाता से नकद की निकासी कर ली गई। इसी तरह विशेष सावधि जमा खातों को ग्राहकों के अनुरोध किए, बिना मूल रसीद के बंद कर उसी ग्राहक का फर्जी खाता खोला।, बाद में उसमें राशि ट्रांसफर कर फर्जी निकासी की गई है। कुछ विशेष सावधि जमा खातों को परिपक्वता के पहले ही बंद कर उस राशि को तीसरे व्यक्ति के खाते में ट्रांसफर कर दिया गया है, सभी लेन देन सिस्टम में दर्ज किया गया है, मगर मूल एसटीडीआर रसीद व राशि ट्रांसफर वाउचर नहीं है।

पूर्व शाखा प्रबधक को गिरफ्तार कर सकती है पुलिस

थाना को दिए आवेदन में कहा गया है कि अब तक प्रकाश में आए इस प्रकार के अनाधिकृत लेन देन के मामले में कुल राशि 6 करोड़ 03 लाख 34 हजार 245.27 है। यह भी जानकारी है कि निलंबन के बाद पूर्व शाखा प्रबंधक मनोज कुमार सिंह ने 65 ग्राहकों को कुल रुपया 2 करोड़ 18 लाख 07 हजार 939.00 का भुगतान किया है। साथ ही 2 करोड़ 48 लाख 81 हजार 002.81 रुपये की वसूली कर संबंधित ग्राहकों का भुगतान किया जा चुका है। इस संबंध में एसडीपीओ मुकेश कुमार महतो ने बताया कि इस मामले में प्राथमिकी दर्ज कर छानबीन की जा रही है। उन्होंने कहा कि जल्द ही इस मामले में पूर्व शाखा प्रबधक को गिरफ्तार किया जा सकता है।

एनटीए ने नीट-यूजी के अंतिम परिणाम किया घोषित

एजेंसी

नई दिल्ली : राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी ने शुक्रवार को विवादों से घिरी मेडिकल प्रवेश परीक्षा नीट-यूजी के अंतिम परिणाम घोषित किए। भौतिकी के एक प्रश्न के अंकों को ध्यान में रखते हुए सर्वोच्च न्यायालय के निर्देश के बाद परिणाम घोषित किए गए, जिसके बारे में एनटीए ने कहा था कि उसके दो सही उत्तर हैं। एनटीए के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, पुनः संशोधित स्कोर कार्ड अब लाइव हैं। पहले टॉपर घोषित किए गए 67 उम्मीदवारों

में से 44 ने उस विशेष भौतिकी प्रश्न के लिए दिए गए अंकों के कारण पूरे अंक प्राप्त किए थे। बाद में टॉपर्स की संख्या घटाकर 61 कर दी गई, क्योंकि एजेंसी ने कुछ परीक्षा केंद्रों पर समय की बबार्दी की भरपाई के लिए छह उम्मीदवारों को दिए गए ग्रेस मार्क्स वापस ले लिए। नीट-यूजी 2024 के असफल उम्मीदवारों को बड़ा झटका देते हुए, सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को विवादों से भरी इस परीक्षा को रद्द करने और दोबारा परीक्षा कराने की मांग वाली याचिकाओं को खारिज कर दिया और कहा कि रिकॉर्ड में ऐसा कोई सबूत नहीं है जिससे यह निष्कर्ष निकाला जा सके कि इसकी पवित्रता के व्यवस्थित उल्लंघन के कारण इसे दूषित किया गया था। यह फैसला एनडीए सरकार और राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी (एनटीए) के लिए एक बड़ी राहत के रूप में आया है, जो 5 मई को आयोजित प्रतिष्ठित परीक्षा में प्रश्नपत्र लीक, धोखाधड़ी और प्रतिरूपण जैसी बड़े पैमाने पर कथित गड़बड़ियों को लेकर सड़कों और संसद में कड़ी आलोचना और विरोध का सामना कर रहे थे। सीबीआई नीट-यूजी 2024 में कथित अनियमितताओं की जांच कर रही है और उसने छह प्राथमिकी दर्ज की हैं। नीट-यूजी का आयोजन राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी द्वारा सरकारी और निजी संस्थानों में एमबीबीएस, बीडीएस, आयुष और अन्य संबंधित पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए किया जाता है।

मध्य प्रदेश बीजेपी के पूर्व अध्यक्ष प्रभात झा का निधन

एजेंसी

नई दिल्ली : मध्य प्रदेश भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता पूर्व प्रदेश अध्यक्ष प्रभात झा का निधन हो गया है। बीजेपी के दिग्गज नेता ने दिल्ली के मेदांता अस्पताल में अंतिम सांस ली। वो काफी लंबे अरसे से बीमार चल रहे थे। प्रभात झा बीजेपी में कई अहम पदों पर काम कर चुके हैं। उन्होंने पत्रकारिता से अपने करियर की शुरआत की थी। बीजेपी नेता का अंतिम संस्कार बिहार के सीतामढ़ी जिले के गांव में होगा। मुख्यमंत्री मोहन यादव ने ट्वीट कर लिखा, भारतीय जनता पार्टी मध्यप्रदेश के पूर्व प्रदेशाध्यक्ष, वरिष्ठ नेता आदरणीय प्रभात झा जी के निधन का दुखद समाचार प्राप्त हुआ। बाबा महाकाल दिवंगत आत्मा को अपने श्री चरणों में स्थान दें एवं शोकाकुल परिजनों को इस भीषण वज्रपात को सहने की शक्ति दें। मध्य प्रदेश के विकास में आपकी महत्वपूर्ण भूमिका सदैव हमें प्रेरित करेगी। आपका निधन राजनीतिक जगत के लिए अपूरणीय क्षति है।

एक नजर

वन विभाग ने की कार्रवाई, लकड़ी किया जब्त

चौपारण : चौपारण वन विभाग ने बड़ी कार्रवाई करते हुए अत्यंत सुदूरवर्ती एवं उग्रवाद प्रभावित क्षेत्र सिकदा रक्षित वन में अवैध रूप से संचालित आरा मशीन पर छापामारी कर कार्रवाई करते हुए एक आरा मशीन सेट, लकड़ी का बोटा एवं भारी मात्रा मे चिरान पटरा जप्त किया गया। जानकरी देते हुए प्रभारी वनपाल अयूब अंसारी ने बताया की तस्करो ने वनकर्मियों को देख हुए जगल का लाभ उठा कर फरार हो गए। फरार तस्करों की पहचान की जा रही है एवं सुसंगत धाराओं के साथ आगे की कार्रवाई की जाएगी। वही सभी जप्त आरा मशीन लकड़ी बोटा एवं चिरान पटरा को चौपारण रेंज कार्यालय लाया गया। छापामारी टीम में हजारीबाग, सिकंदर कुमार यादव, दुर्गा प्रसाद महतो, वालटर बारला, श्रवण कुमार मेहता एवं सहित वनकर्मी शामिल थे।

वन विभाग ने की कार्रवाई , आरा मशीन के साथ चार ट्रैक्टर लकड़ी जब्त

बड़कागांव : एसीएफ एके परमार के निर्देशन में तथा बड़का गांव वन क्षेत्र पदाधिकारी कमलेश कुमार सिंह के नेतृत्व में बड़कागांव प्रखंड अंतर्गत नापोखुर्द पंचायत स्थित बरबनिया गांव में अवैध रूप से संचालित आरा मशीन को लेकर सघन छापेमारी की गई । छापेमारी में आरा मशीन को कबाड़ दिया गया दिया गया। तथा आरा मशीन में स्टोर किए गए चार ट्रैक्टर अवैध कीमती लकड़ीयां बरामद की गई। जप्त किए गए सभी सामग्री बड़कागांव वन क्षेत्र कार्यालय ले लाया गया है। कार्रवाई को लेकर ए के परमार ने कहा कि कोई भी अवैध रूप से लकड़ी चिराई या कटाई कारोबार नहीं करें।

सभी अनुमंडल पदाधिकारी निरीक्षण रिपोर्ट जिला को भेजना सुनिश्चित करें : डीसी

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

मेदिनीनगर (पलामू) : जिले में अवैध खनन पर रोकथाम को लेकर शुक्रवार को उपायुक्त शशि रंजन की अध्यक्षता में जिला खनन टास्क फोर्स की बैठक की गयी। समाहरणालय के सभागार में आयोजित इस बैठक में सर्वप्रथम बैठक में जिला खनन पदाधिकारी आनंद कुमार ने अवैध खनन पर किये गये कार्रवाई से उपायुक्त श्री रंजन को अवगत कराया। उन्होंने बताया कि 28 जून से लेकर 25 जुलाई तक अवैध खनन से जुड़े कुल 55 वाहनों को जब्त किया गया है वहीं जुमार्ने के रूप में 32.78 लाख रूपए की वसूली की गयी है साथ ही कुल 42 राजसात केस दायर किये गये हैं। जब्त 55 वाहनों में 42 वाहन अवैध बालू के परिवहन से जुड़े है जबकि 13 वाहन अवैध पत्थर से जुड़े थे।सबसे अधिक 10 वाहनों की जब्ती चैनपुर थाना क्षेत्र से की गयी है।

चेक पोस्ट बनाकर,ट्रेंच खोदकर या जो तरीका अपनाना है अपनायें लेकिन हर हाल में अवैध खनन रोकें : उपायुक्त

बैठक में डीसी श्री रंजन ने सभी अंचलाधिकारियों व थाना प्रभारियों से कहा कि आप सभी अपने क्षेत्र अंतर्गत वैसे नदी को चिन्हित करें जहां से अवैध बालू का उठाव होता है,उसके पश्चात उस रुट में चेक पोस्ट स्थापित कर वहां से आवागमन कर रहे प्रत्येक वाहनों की एंट्री रजिस्टर में सुनिश्चित करें साथ ही आवश्यकता अनुरूप नदी से निकलने वाले रास्ते के बीच ट्रेंच खोदकर रास्ता को भी अवरोध करें या अपने स्तर से कोई अन्य कार्रवाई करें लेकिन यह सुनिश्चित करें कि आपके क्षेत्र अंतर्गत कहीं भी किसी प्रकार का कोई अवैध खनन न हो पायें। उन्होंनेएनजीटी के नियमों का अक्षरशःपालन कराने के निर्देश दिये। उन्होंने सभी अनुमंडल पदाधिकारियों,अंचलाधिकारियों व थाना प्रभारियों से अपने क्षेत्र अंतर्गत अवैध खनन के प्रति पूरी गंभीरता के साथ कार्य करने की बात कही। उपायुक्त श्री रंजन ने सभी अनुमंडल पदाधिकारी को उनके क्षेत्र अंतर्गत माइनिंग या बालू घाटों का निरंतर रूप से निरीक्षण करने की बात कही साथ ही प्रत्येक 15 दिनों में निरीक्षण का समेकित रिपोर्ट यथा कितनी कार्रवाई की गयी,कितनीप्राथिमिकी दर्ज की गयी,कितने वाहन जब्त हुए ये सारे बिंदुओं पर प्रतिवेदन जिला को देने की बात कही। मौके पर पुलिस अधीक्षक रीष्मारमेशन,वन प्रमंडल पदाधिकारी, अपरसमाहर्ता, तीनोंएसडीओ,एसडीपीओ समेत सभी अंचलाधिकारी व थाना प्रभारी उपस्थित रहे।

शहीद स्मारक पार्क पोलपोल में मनाया गया कारगिल विजय दिवस

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

मेदिनीनगर (पलामू): कारगिल विजय दिवस सदर प्रखंड के पोल पोल स्थित कारगिल शहीद स्मारक पार्क में मनाया गया। कार्यक्रम की शुरूआत कारगिल शहीद स्मारक पार्क में लगे शहीद युगम्बर दीक्षित एवं शहीद हवलदार प्रबोध महतो की प्रतिमा पर माल्यार्पण व पुष्पांजलि कर किया गया। पूरा परिसर भारत माता की जय, वंदेमातरम, शहीद युगम्बर दीक्षित अमर रहे, शहीद प्रबोध महतो अमर रहे के नारों से गूंजायमान हो उठा। कार्यक्रम में मुख्य रूप से उपस्थित पूर्व सैनिक बृजेश कुमार शुक्ला ने कहा कि आज पूरा राष्ट्र कारगिल विजय दिवस की 25वीं वर्षगांठ मना रहा है। सर्वप्रथम कारगिल युद्ध में शहीद हुए भारत के वीर सपूतों की वीरता, बहादुरी, शौर्य एवं पराक्रम को नमन। आज का दिन भारत के इतिहास में स्वर्णिम अक्षरों में अंकित है। यह दिन भारत के युवाओं के लिए प्रेरणा का स्रोत है। आज के दिन भारत के वीर सैनिकों के साहस एवं बलिदान को याद किया जाता है, जिन्होंने देश की सुरक्षा एवं संप्रभुता की रक्षा की। यह दिन राष्ट्रीय गौरव एवं एकता की भावनाओं को बढ़ावा देता है। कारगिल युद्ध में शहीद हुए सैनिकों के वीरता बहादुरी, शौर्य एवं पराक्रम का प्रतीक है, यह वह दिन है जब भारत के जांबाज सैनिकों ने अपने शौर्य और पराक्रम से पाकिस्तानी सैनिकों को धूल चटाया था। आज के दिन हम कारगिल में शहीद हुए सैनिकों को नमन कर श्रद्धा सुमन अर्पित कर रहे हैं। कारगिल युद्ध बड़ा ही कठिन एवं दुर्गम था, जहां पाकिस्तानी सेना नियंत्रण रेखा पार कर भारतीय क्षेत्र में घुसपैठ कर कारगिल, बटालिक एवं द्रास सेक्टर की चोटियों पर आ पहुंची थी। इस दौरान हालत बेहद खराब थे, क्योंकि पाकिस्तान सेना ऊंची चोटियों पर थी जबकि भारतीय सेना निचले हिस्से पर थी। लेकिन भारत के जांबाज सैनिकों ने हार नहीं मानी और दुर्गम स्थिति को पार करते हुए पाकिस्तानी सेना को परास्त किया।

तमाम सुविधाओं के बाद भी क्यों नहीं बदल रही है सरकारी विद्यालयों की सूरत : सांसद

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

सरिया (गिरिडीह): प्रखंड सभागार सरिया में समग्र शिक्षा अभियान के तहत स्कूल रूवार कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसकी अध्यक्षता प्रखंड प्रमुख प्रीति कुमारी तथा संचालन वीरेंद्र कुमार पांडेय ने किया। बैठक का मुख्य उद्देश्य शिक्षा से वंचित बच्चों को शिक्षा की मुख्य धारा से जोड़ना,बच्चों का विद्यालय में ठहराव,अधिक से अधिक संख्या में नामांकन आदि विषय थे.इस अभियान की सफलता के लिए शिक्षा विभाग द्वारा कई कार्यक्रम का भी संचालन किये जाने की बात कही गई। बताया गया कि गुरुवार कार्यक्रम के तहत सरकारी विद्यालयों में अधिक से अधिक बच्चे नामांकन कर सके। इसके लिए अभिभावक जागरूक नागरिक शिक्षा प्रेमी शिक्षा विभाग एमसी सहित अन्य लोगों को प्रयास करने की आवश्यकता है जिससे कि सभी बच्चे लाभान्वित हो शिक्षित होकर राष्ट्र के विकास में अपना योगदान दें। उपस्थित लोगों ने इस प्रकार के कार्यक्रम की सराहना करते हुए रुवार कार्यक्रम को सफल करने की बात कही। बैठक को संबोधित करते हुए सांसद प्रतिनिधि हेमलाल मंडल ने कहा कि सरकार के द्वारा प्रखंड के सरकारी विद्यालयों में बच्चों के लिए तमाम सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है। जिसमें मध्या भोजन,किताब, कॉपी, पेंसिल, रबर, पोशाक, साईकिल, छात्रवृत्ति, शैक्षणिक किट आदि सुविधाएं प्रदान की जा रही है। फिर भी ग्रामीण या शहरी क्षेत्र में सैकड़ों बच्चे आज तक पढ़ाई से वंचित हैं। इसके लिए शिक्षा विभाग के अतिरिक्त माता-पिता तथा अभिभावक भी जिम्मेवार हैं। तमाम तरह की सुविधाओं के बाद भी शिक्षक पढ़ाई बेहतर माहौल नहीं बन पा रहे हैं। वह हमेशा सरकारी रिपोर्ट बनाने में ही मशगूल रहते हैं।

लोक नायक जयप्रकाश ने तीन बच्चों की आंखों का किया ऑपरेशन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

चौपारण : लोक नायक जयप्रकाश आँख अस्पताल, बहेरा आश्रम, नेत्र देखभाल में अग्रणी संस्थान, अपने बाल चिकित्सा सर्जरी प्रभाग के शुभारंभ की घोषणा करते हुए गर्व महसूस कर रहा है। ज्ञात हो कि देश की सबसे बड़ी पाइप निमार्ता कंपनी फिनोलेक्स की सीएसआर इकाई मुकुल माधव फाउंडेशन द्वारा आँख अस्पताल को एक उन्नत एवं आधुनिक सुविधाओं से युक्त एनेस्थेसिया मशीन दिया गया है। जिससे बच्चों के आँखों की सर्जरी करना अब आसान हो गया है। बुधवार को उसी मशीने के सहयोग से अस्पताल में तीन बच्चों की आंखों का सफल ऑपरेशन किया गया। जिसमे डॉ आलोक कुमार (नेत्र सर्जन) एवं डॉ सुप्रभात किरण (एनेस्थीसिया) एवं अस्पताल कर्मियों का योगदान सराहनीय रहा। उक्त लोकार्पण कार्यक्रम में संस्थान के डॉ धीरज विक्रांत, डॉ विशाखा गुप्ता, डॉ मृणाल सिंह, कार्यक्रम निदेशक गंधर्व गौरव, कार्यक्रम निदेशक आनंद अभिनव, हॉस्पिटल मैनेजर संतोष कुमार पूरी, ऑप्टोमेट्रिस्ट विकान्त कुमार सिंह, अम्बर निधि, शुबेन्द्र पांडेय एवं मुकुल माधव फॉउंडेशन की तरफ से चंद्रकांत कुमार जी, आदर्श भूषण जी उपस्थित थे।

बच्चों के आँखों की व्यापक देखभाल

लोक नायक जयप्रकाश आँख अस्पताल, बहेरा आश्रम में बाल चिकित्सा सर्जरी प्रभाग अत्याधुनिक तकनीक से सुसज्जित है और इसमें अत्यधिक कुशल बाल नेत्र रोग विशेषज्ञों और सर्जनों की एक टीम कार्यरत है।

उत्पाद विभाग और पथरा ओपी प्रभारी ने अवैध शराब के खिलाफ चलाया छापामारी अभियान

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

मेदिनीनगर (पलामू): पथरा ओपी प्रभारी मंटू कुमार सिंह और उत्पाद विभाग की संयुक्त टीम ने पथरा ओपी थाना क्षेत्र अंतर्गत अकौनी गांव में अवैध महुआ शराब के खिलाफ छापामारी अभियान चलाकर 20 क्विंटलजावा महुआ और 40 लीटरचुलाई शराब को बरामद कर उसे घटनास्थल पर ही नष्ट कर दिया।इसके बाद उत्पाद विभाग की टीम ने छापामारी में बरामद महुआ शराब के ड्रम को जप्त कर उसे अपने साथ ले गई।वही मौके पर उपस्थित उत्पाद विभाग के एसआईदेवीलालसोरेन ने कहा कि अवैध शराब निर्माण और बिक्री करने वाले लोगों को किसी भी कीमत पर बक्शा नहीं जाएगा। उन्होंने कहा कि पुलिस के आने की भनक लगते ही शराब माफिया फरार हो गए। इस कारण मौके से किसी की गिरफ्तारी नहीं हो सकी है। उन्होंने बताया की शराब निर्माण करने वाले लोगों का पता लगाया जा रहा है। उत्पाद विभाग का यह अभियान लगातार जारी रहेगा। छापामारी अभियान में उत्पाद विभाग के एएसआई अनूप प्रकाश सहित भारी संख्या में सशस्त्र के पुलिस जवान मुख्य रूप से शामिल थे।

20 क्विंटल जावा महुआ और 40 लीटर चुलाई शराब को किया गया नष्ट

कारगिल विजय दिवस पर निकाला मशाल जुलूस स्मारक पर दीप जलाकर शहीदों को किया नमन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

हजारीबाग : भारतीय जनता युवा मोर्चा हजारीबाग जिला अध्यक्ष के नेतृत्व में कारगिल विजय दिवस के पूर्व संध्या में मशाल जुलूस सह शहीद स्मारक पर दीप प्रज्वलित का कार्यक्रम आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि भारतीय जनता युवा मोर्चा झारखंड प्रदेश के प्रदेश अध्यक्ष शशांक राज और कार्यक्रम प्रभारी श दीपक सिंह थे।

इस कार्यक्रम में हजारीबाग युवा मोर्चा परिवार के सैकड़ों कार्यकर्ता पुराने समाहरणालय के समीप स्थित धरना स्थल के पास एकत्रीकरण होकर वहां से अपने हाथों में मशाल और तिरंगा झंडा लेकर जुलूस की शक्ल में शहीद स्मारक तक गए उसके बाद शहीद स्मारक पर दीप प्रज्वलित कर शहीदों को नमन करते हुए याद किए। इसके पूर्व डिस्ट्रिक्ट बोर्ड चौक स्थित अंबेडकर जी की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर उन्हें नमन किया गया। प्रदेश अध्यक्ष ने अपने संबोधन में कहा कि आज के दिन मैं माँ भारती के सभी वीर सपूतों को श्रद्धांजलि अर्पित करता हूँ जिन्होंने राष्ट्र के लिए अपना सर्वोच्च बलिदान दिया। कार्यक्रम प्रभारी श्री दीपक सिंह जी ने अपने संबोधन में कहा कि कारगिल विजय दिवस भारतीय सेना के साहस,शौर्य,पराक्रम व राष्ट्र के प्रति समर्पण का प्रतीक है। हजारीबाग युवा मोर्चा के जिला अध्यक्ष ने अपने संबोधन में कहा कि भारतीय सेना की यह विजयगाथा देशवासियों को सदैव गौरवान्वित करता रहेगा। जिला महामंत्री ने अपने संबोधन में कहा कि 26 जुलाई पूरे भारत में ह्यकारगिल विजय दिवसह्न के रूप में मनाया जाता है। यह वही दिन था जब देश के वीर सपूतों नें पाकिस्तानी सेना के जवानों को कारगिल से खदेड़कर दुर्गम चोटियों पर दोबारा तिरंगा फहराया था। यह दिन हर भारतीय नागरिक के लिए गर्व का दिन है कार्यक्रम के अंत मे असम रैफल्स के वीर योद्धा लदाख में शहीद संदीप पाल के स्मारक पर पुष्पांजलि अर्पित कर तथा उनके घर पर जा कर उनके परिजनों से मिलकर उन्हें बुके और अंगवस्त्र देकर सम्मानित किया। इस कार्यक्रम में मुख्य रूप से उदयभान नारायण सिंह, टोनी जैन, बटेश्वर मेहता, मनमीत यादव, राजेश मेहता, अरबिंद कुमार पप्पू, आशीष सोनी, अधिराज नारायण सिंह, अनूप भी वर्मा, पंकज मेहता, निशिकान्त कुमार, विक्रमादित्य कुमार, आतिश सिंह, शिवपाल यादव, अमित गुप्ता, राज कारण पांडेय,राजदीप सिंह, स्वराज सिंह, पीयूष सिन्हा, अशेष सिन्हा, शशांक सिन्हा, शिबू मेहता, उदय मेहता, नन्द किशोर मेहता, रंजीत पांडेय, शुभम तिवारी आदि सैकड़ो युवा मोर्चा के कार्यकर्ता इस कार्यक्रम में शामिल थे।

झारखंड आंदोलनकारी संघर्ष मोर्चा ने मुख्यमंत्री के नाम उपायुक्त को सौंपा ज्ञापन

मेदिनीनगर (पलामू): बिधान सभा सत्र के पहले दिन आज झारखण्डआन्दोलनकारी संघर्ष मोर्चा का प्रतिनिधि मंडल उपायुक्तपलामू के माध्यम से मुख्यमंत्री को मांग पत्र सौपा। प्रतिनिधिमंडल मे मोर्चा के केंद्रीय संयोजक सतीश कुमार, प्रमंडलीय अध्यक्ष बिकेशशुक्ला,तुलसी शुक्ला महिला नेत्रीबिलंगनाकिंडो, प्रदीप कुमार सिन्हा, महताब उल्लायज्ञनारायन कुमार शामिल थे । सतीश कुमार ने उपायुक्तपलामूशशी रंजन से 15 अगस्त स्वतंत्रता दिवस पर चिन्हितआन्दोलनकारी को सम्मानित करने का सरकारी निर्देश पर बात रखी। उपायुक्त ने स्वीकार कर लिया। बिकेश शुक्ला ने झारखंडआंदोलनकारियों को जेल जाने की बाध्यता को समाप्त कर सभी को मान-सम्मान व समान पेन्शन देने की बात रखी।

संक्षिप्त खबरें

विभिन्न मांगों को लेकर कर्मियों ने किया एक दिन का सांकेतिक हड़ताल

सरिया (गिरिडीह): सरिया इण्टर कॉलेज के सभी शिक्षक-शिक्षकेत्तर कर्मियों द्वारा विभिन्न मांगों को लेकर शुक्रवार को एक दिवसीय सांकेतिक हड़ताल किया गया। इस कलम बंद सांकेतिक हड़ताल के दौरान पठन-पाठन का कार्य स्थगित रहा। इस संबंध में सरिया इंटर कॉलेज के प्राचार्य मनोज कुमार पांडेय ने कहा कि झारखंड जैसे समृद्ध राज्य में वित्त रहित शिक्षा नीति एक अभिशाप है। झारखंड सरकार वित्त रहित शिक्षण संस्थानों के साथ सौतेला व्यवहार कर रही है। इस इंटर कॉलेज के समस्त शिक्षक-शिक्षकेत्तर कर्मियों ने एक स्वर से सरकार की दमनकारी नीति का विरोध किया है। लोगों ने सरकार से मांग किया है कि कर्मचारियों को सरकारी कर्मी का दर्जा दिया जाए, अनुदान में वृद्धि तथा नामांकन सीट संख्या में वृद्धि करने की मांग शामिल है .इंटर महाविद्यालय के लोगों ने सरकार से अपेक्षा किया है कि वे जल्द ही उनकी मांगों को पूरा करेंगे .अन्यथा सड़क से सदन तक उग्र आंदोलन किया जाएगा। मौके पर दशरथ प्रसाद माली, टहल मंडल,दीपू, मुन्ना लाल मंडल,दिनेश कुमार राणा,रेनू बाला,पूनम,सुरेंद्र काली प्रसाद साहित्य अन्य लोग हड़ताल में शामिल थे।

जंगल में पेड़ से झूलता हुआ मिला युवक की शव

सरिया (गिरिडीह): सरिया थाना क्षेत्र के मंदरामो पश्चिमी पंचायत अंतर्गत बड़की लुतियानो जंगल में शुक्रवार की सुबह पलाश के एक पेड़ में फंदे से झूलता हुआ एक युवक का शव देखा गया। जानकारी मिलते ही काफी संख्या में पास पड़ोस के लोग पहुंचे। सूचना पर सरिया पुलिस भी घटनास्थल पर पहुंची तथा मृतक के शव को पेड़ से उतारा गया। उसकी पहचान लालचंद महतो(21),पिता गणेश महतो,गांव-जामताड़ा,थाना डुमरी,जिला गिरीडीह के रूप में की गई। सरिया पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर अन्त्य परीक्षण के लिए सदर अस्पताल गिरिडीह भेज दिया। घटना के संबंध में मिली जानकारी के अनुसार लालचंद महतो बीते 20 जुलाई को अपने घर जामताड़ा (डुमरी) से अपना ससुराल सरिया स्थित लुतियानो गांव आया था। बीते गुरुवार की सुबह अपने ससुराल से स्नान करने को कह कर घर से निकला था। लेकिन वापस नहीं लौटा। घटना को लेकर मृतक के पिता गणेश महतो ने सरिया थाना में आवेदन देकर घटना की जांच की मांग की है। घटना की पुष्टि सरिया एसडीपीओ धनंजय कुमार राम ने किया है।

जिला योजना शाखा एवं तकनीकी पदाधिकारी के संग डीसी ने की बैठक

सिमडेगा : सिमडेगा उपायुक्त अजय कुमार सिंह की अध्यक्षता में जिला योजना शाखा एवं तकनीकी पदाधिकारी के संग बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में उपायुक्त ने जिला योजना अनाबद्ध निधि अंतर्गत संचालित विभिन्न योजनाओं की क्रियान्वयन संबंध कार्य की विस्तृत समीक्षा कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिये। बैठक विभिन्न इंजीनियरिंग विभाग अंतर्गत किये जा रहे कार्यें की जानकारी ली। उन्होंने जिला योजना से अनाबद्ध निधि द्वारा पूर्ण व अपूर्ण योजनाओं की समीक्षा कर आवश्यक दिशा निर्देश दिया गया। उन्होंने पूर्ण योजनाओं से संबंधित अधियाचना भेजने की बात कहीं। उन्होंने विभिन्न विशेष योजना अंतर्गत आधारभूत संरचना के निर्माण के साथ- साथ पीसीसी सड़क, पुल पुलिया, भवन इत्यादि का निर्माण कार्य समेत शिक्षा के क्षेत्र, स्वास्थ्य के क्षेत्र, कृषि के क्षेत्र आदि महत्वपूर्ण योजनाओं में चल रहे कार्यों की समीक्षा करते हुए लंबित कार्यों की जानकारी लेते हुए आपस में समन्वय स्थापित कर कार्य पूर्ण कराने का निर्देश दिया। साथ ही उपायुक्त महोदय ने सभी कार्यपालक अभियंता को निर्देश देते हुए कहा कि जिला योजना शाखा अंतर्गत संचालित सभी योजनाओं का धरातल पर बेहतर क्रियान्वयन करने एवं गुणवत्तापूर्ण कार्य सुनिश्चित करने का निर्देश दिया।

चौकीदारों की नियुक्ति को लेकर बैठक का हुआ आयोजन

सिमडेगा : सिमडेगा उपायुक्त अजय कुमार सिंह की अध्यक्षता में जिले में चौकीदारों के पद पर नियुक्ति को लेकर बैठक का आयोजन किया गया। बैठक के दौरान उपायुक्त ने चौकीदार के पद पर नियुक्ति प्रक्रिया का आगे की आवश्यक कार्रवाई हेतु समिति के पदाधिकारियों से विचार विमर्श कर कई महत्वपूर्ण दिशा-निर्देश दिए। बैठक में सामान्य शाखा प्रभारी ने बताया कि जिले में चौकीदार के 104 पदों पर नियुक्ति के लिए विज्ञापन निकाला गया था जिसके आलोक में 3 हजार से अधिक अभ्यर्थियों के द्वारा आवेदन किया गया है। उपायुक्त ने सभी आवेदनों का गठित स्क्रूटनी समिति द्वारा दो दिनों में स्क्रूटनी कार्य को पूर्ण कर सूची तैयार करते हुए ससमय विज्ञापन प्रकाशन करने का निर्देश दिया। साथ ही उन्होंने शारीरिक क्षमता, लिखित परीक्षा आदि का आयोजन करने से संबंधित समिति के पदाधिकारियों से विचार विमर्श कर तिथि का निर्धारण किया गया। इसके अलावा उपायुक्त ने लिखित परीक्षा का आयोजन करने हेतु परीक्षा सेंटर बनाने हेतु विद्यालय का चयन करने का निर्देश दिया। बैठक में पुलिस अधीक्षक सौरभ कुमार, उप विकास आयुक्त संदीप कुमार दोराईबुरु, अपर समाहर्ता ज्ञानेन्द्र, अनुमंडल पदाधिकारी सुमन्त तिर्की, जिला आपूर्ति पदाधिकारी, समान्य शाखा प्रभारी सहित जिला स्तरीय कई अधिकारी उपस्थित थे।

नए अंचलाधिकारी दिनेश गुप्ता ने ग्रहण किया प्रभार

चैनपुर : शुक्रवार को चैनपुर के नए अंचलाधिकारी के रूप में दिनेश गुप्ता ने प्रभार ग्रहण किया। इस दौरान चैनपुर प्रखंड विकास पदाधिकारी सह पूर्व अंचलाधिकारी यादव बैठा ने कार्यालय कक्ष में गुलदस्ता देकर नए अंचलाधिकारी को स्वागत के साथ प्रभार दिया। प्रभार ग्रहण करने के बाद समाजसेवी, ब्लॉक कर्मी, अंचलकर्मी के द्वारा गुलदस्ता भेंट कर उनका स्वागत किया तथा अपना परिचय दियां नये पदस्थापित सी ओ ने कहा कि सभी के सहयोग की अपेक्षा रहेगी ताकि कोई भी ग्रामीण किसी भी लाभ से वंचित न हो सरकार की योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाने के लिए मैं हमेशा तात्पर रहूंगो वही मौके पर निवर्तमान सी ओ ने कहा की यहाँ के ग्रामीण जो सहयोग आप ने हमें दिए हैं वही सहयोग अपने नए अंचलाधिकारी को भी दें मौके पर मुख्य रूप से सी आई मुनेश्वर सिंह, परमेश्वर भगत के साथ अंचल कर्मी, प्रखंड कर्मी उपस्थित थे।

एक नजर

झारखंड डे बोर्डिंग के प्रशिक्षकों का बढ़ा मानदेय

रांची : झारखंड में संचालित सभी डे बोर्डिंग के प्रशिक्षकों के लिए खुशखबरी है। प्रशिक्षकों का मानदेय बढ़ा दिया गया है। खेल निदेशक संदीप कुमार ने इससे संबंधित आदेश 25 जुलाई को जारी कर दिया है। जारी आदेश के अनुसार, प्रशिक्षकों का मानदेय 14038 रुपये से बढ़ाकर 19467 रुपये प्रतिमाह कर दिया गया है। बता दें कि बीते एक साल में डे बोर्डिंग कोच मानदेय बढ़ाने को लेकर कई बार खेल निदेशक को आवेदन दे चुके हैं।

आर्किटेक्ट विनोद सिंह की अग्रिम बेल पर अब 5 अगस्त को सुनवाई

रांची: लैंड स्कैम केस के आरोपी और मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के सहयोगी आर्किटेक्ट विनोद सिंह की अग्रिम जमानत पर अब 5 अगस्त को सुनवाई होगी। शुक्रवार की सुनवाई के दौरान एऊकी ओर से जवाब दाखिल करने के लिए फिर समय देने का आग्रह किया गया, जिसे स्वीकार करते हुए कोर्ट ने अगली सुनवाई के लिए 5 अगस्त की तारीख मुकर्रर की है। विनोद सिंह ने अपने अधिवक्ता के माध्यम से रांची प्रीवेन्शन ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट की विशेष कोर्ट में जमानत याचिका दाखिल की है। दरअसल एऊने हेमंत सोरेन से जुड़े लैंड स्कैम केस में प्रॉसिक्यूशन कम्प्लेन (पीसी) दायर की है, जिसपर कोर्ट ने संज्ञान भी ले लिया है। इस केस के प्रमुख आरोपी मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन हाईकोर्ट से बेल मिलने के बाद जमानत पर बाहर हैं और बड़गाई अंचल के हल्का कर्मचारी भानु प्रताप फिलहाल बिरसा मुंडा केंद्रीय कारागार में न्यायिक हिरासत में बंद हैं।

यदुवंशी संकल्प महासम्मेलन 28 को

रांची : श्रीकृष्ण विकास परिषद के अध्यक्ष रामकुमार यादव ने कहा कि 28 अगस्त को यदुवंशी संकल्प महासम्मेलन का आयोजन किया जाएगा। यादव ने शुक्रवार को प्रेस विज्ञप्ति जारी कर बताया कि यह कार्यक्रम पुराना विधायक क्लब सेक्टर 2 धुर्वा में आयोजित होगा। इस कार्यक्रम में प्रदेशभर से यादव प्रतिनिधि शामिल होंगे । कार्यक्रम में विशेष रूप से श्रीकृष्ण विकास परिषद के मुख्य संरक्षक कैलाश यादव उपस्थित रहेंगे। इस कार्यक्रम में राजनीतिक दलों एवं सामाजिक संगठन के कई गणमान्य लोग भी उपस्थित रहेंगे। इस दौरान सामाजिक एकता और सामाजिक विकास के लिए चर्चा कर संकल्प लिया जाएगा । साथ ही बुद्धिजीवि एवं अतिथियों को सम्मानित भी किया जायेगा।

मेहनत का विकल्प नहीं, यही प्रतिभावान और सफल बनाता है : सुदेश महतो

सिल्ली/रांची : सिल्ली के विधायक सह आजसू अध्यक्ष सुदेश महतो ने कहा कि मेहनत का कोई विकल्प नहीं है, यही आपको प्रतिभावान बनाता है। सिल्ली विधानसभा के सभी बच्चों के सपनों को उड़ान देना हमारा संकल्प और दायित्व भी है। महतो शुक्रवार को राहे प्रखंड अंतर्गत डोमनडीह मैदान में आयोजित मेधा प्रतिभा सम्मान समारोह में बोल रहे थे। मौके पर प्रखंड के इस वर्ष 10वीं और 12वीं की परीक्षा में उत्तीर्ण हुए छात्र-छात्राओं को सम्मानित कर उनका मनोबल बढ़ाया गया। उन्होंने कहा कि स्टूडेंट एक्सप्रेस, उड़ान कोचिंग, स्मार्ट क्लास, वीआर लैब जैसी सुविधाओं से क्षेत्र के विद्यार्थियों को सहूलियत हुई है। आगे ऐसी और कई योजनाओं को धरातल पर उतारने और बच्चों को कौशल पूर्ण बनाने की तैयारी है। सभी छात्र-छात्राएं जीवन में उच्च लक्ष्य निर्धारित कर उसे पाने के लिए निरंतर प्रयास करें। आपके लक्ष्य प्राप्ति में आने वाले हर अड़चन को हम दूर करेंगे।

विस मॉनसून सत्र : सदन के बाहर विपक्ष का धरना, सीएम के खिलाफ लगाये नारे

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : झारखंड विधानसभा का मॉनसून सत्र का आज पहला दिन है। सत्र शुरू होने से पहले विपक्ष ने सदन के बाहर धरना दिया। भाजपा नेता सदन के बाहर बैनर लेकर बैठे हैं और सीएम हेमंत सोरेन के खिलाफ नारे लगा रहे हैं। बैनर पर लिखा है कि पत्थर, कोयला, बालू, जमीन लूटवा हेमंत हाय हाय, पांच लाख नौकरी का क्या हुआ?, युवाओं के सपनों का हत्यारा हाय हाय, स्नातक को 5000 और स्नातकोत्तर को 7000 बेरोजगारी भर्ता का क्या हुआ?

विधानसभा की कार्यवाही 29 जुलाई पूर्वाह्न 11 बजे तक के लिए स्थगित

रांची : झारखंड विधानसभा का मानसून सत्र शुक्रवार से शुरू हो गया। विधानसभा स्पीकर रवींद्रनाथ महतो ने सदन को संबोधित किया। शोक प्रकाश शुरू हुआ, जिसमें राज्य समेत देश में बीते सत्र से अब तक दिवंगत हुए राजनेताओं, सामाजिक कार्यकर्ताओं, खिलाड़ीयों और कलाकारों समेत अन्य गणमान्यों के प्रति सदन में शोक व्यक्त किया गया। विधानसभा स्पीकर, मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन और नेता प्रतिपक्ष अमर बाउरी समेत कई विधायकों ने शोक प्रकाश पेश किया। इसके बाद सदन को सोमवार पूर्वाह्न 11 बजे तक के लिए स्थगित कर दिया गया। यह सत्र आठ दिनों का है। इसमें छह कार्यदिवस होंगे। हेमंत सोरेन सरकार के कार्यकाल यह अंतिम सत्र होगा। इसके बाद विधानसभा चुनाव होने वाले हैं। इस छह दिवसीय सत्र में सरकार सदन में अनुपूरक बजट पेश करेगी। दो अगस्त तक चलने वाले इस सत्र में 27 और 28 जुलाई को शनिवार और रविवार होने की वजह से कार्यवाही नहीं चलेगी।

संक्षिप्त खबरें

झारखण्ड विधानसभा के मॉनसून सत्र के पहले दिन विधानसभा अध्यक्ष के कक्ष में विधानसभा अध्यक्ष रबीन्द्र नाथ महतो से मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने भेंट कर उनका अभिवादन किया।

हेमन्त सोरेन ने लक्ष्मण छेत्री के घर जाकर दी श्रद्धांजलि, कल्पना भी रहीं साथ

रांची : मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन आज अपनी धर्मपत्नी विधायक कल्पना सोरेन संग दिवंगत लक्ष्मण छेत्री के डोरंडा स्थित आवास पर पहुंचकर शोक- संतप्त परिजनों से मुलाकात कर उनका ढाढ़स बंधाया। मुख्यमंत्री ने कहा कि दु:ख की इस घड़ी में वे उनके साथ हैं। उन्होंने ईश्वर से दिवंगत आत्मा को शांति प्रदान करने की कामना की। ज्ञात हो कि मुख्यमंत्री आवास में रसोईया के पद पर कार्यरत लक्ष्मण छेत्री जी की सड़क हादसे में मृत्यु हो गई थी।

कांग्रेस के जन सहायता शिविर में 3672 लोगों ने दिया आवेदन

रांची : रांची जिला ग्रामीण कांग्रेस की ओर से शुक्रवार को राहे प्रखंड परिसर में एक दिवसीय जन सहायता शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर में प्रखंड के सभी नौ पंचायतों से जरूरतमंद लोग अपनी समस्याओं के समाधान के लिए और सरकार की ओर से संचालित जनकल्याणकारी योजनाओं से संबंधित आवेदन जमा किये। अधिकांश लोगों ने सरकार की कल्याणकारी योजनाओं का लाभ लेने के लिए आवेदन दिया। मौके पर रांची जिला ग्रामीण कांग्रेस कमिटी के अध्यक्ष डॉ राकेश किरण महतो ने बताया कि सहायता शिविर में 3672 आवेदन पत्र प्राप्त हुए है, जिसमें भूमि सम्बधी, राशन कार्ड, आय, जाति, आवासीय, विकलांगता प्रमाण-पत्र, पेंशन, कृषि ऋण, छात्रवृत्ति, बिजली, पेयजल, चिकित्सा सहित अन्य शामिल हैं। शिविर में कानूनी सलाह देने के लिए विशेषज्ञ अधिवक्ता विनोद सिंह, सोनी नायक, दिनेश वर्मा एवं दिगपाल कुमार विशेष रूप से उपस्थित थे। शिविर को सफल बनाने में जगदीश चन्द्र महतो, नागेश्वर महतो, राजकिशोर मुंडा, त्रिलोचन महतो सहित अन्य लोगों का योगदान रहा।

हाई कोर्ट ने हिमांशु को राज्य खाद्य आयोग के अध्यक्ष पद से हटाने के आदेश पर लगाई रोक

रांची : झारखंड हाई कोर्ट ने हिमांशु शेखर चौधरी को राज्य खाद्य आयोग के अध्यक्ष पद से हटाए जाने के राज्य सरकार के आदेश पर रोक लगा दी है। कोर्ट ने शुक्रवार को सुनवाई के दौरान राज्य सरकार को आदेश दिया कि इस पद पर अगले आदेश तक किसी की नियुक्ति न की जाए। सुनवाई के दौरान कोर्ट को बताया गया कि हिमांशु शेखर चौधरी की नियुक्ति राज्य खाद्य आयोग के अध्यक्ष के रूप में फरवरी 2021 में पांच वर्षों के लिए हुई थी लेकिन जुलाई 2024 में उन्हें बिना किसी शोकाज और कार्रवाई के बर्खास्त कर दिया गया था। राज्य सरकार की ओर से उनको हटाने का कारण विभाग को आय-व्यय की विवरणी समर्पित नहीं करना बताया गया था। सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ता की ओर से कोर्ट को बताया गया कि हिमांशु शेखर चौधरी केंद्र और राज्य सरकार के कानून में जो भी योग्यता की शर्तें हैं उसमें से कोई बिंदु इनके मामले में लागू नहीं होता है। वे इस पद के योग्य हैं। उन्हें बिना शोकाज नोटिस के हटाया जाना नैसर्गिक न्याय के विरुद्ध है। इस पर कोर्ट ने उनके बर्खास्त किए जाने के आदेश पर स्थगन आदेश पारित करते हुए राज्य सरकार को निर्देश दिया है कि अगले आदेश तक राज्य खाद्य आयोग के अध्यक्ष पद पर किसी की नियुक्ति नहीं की जाए। मामले में राज्य सरकार की ओर से कोर्ट से समय की मांग की गई।

मेडिका हॉस्पिटल को जिला कंज्यूमर फोरम से नोटिस

रांची : सुप्रीम कोर्ट के अधिवक्ता अनिल कुमार साहू की ओर से जिला कंज्यूमर फोरम में दाखिल वाद पर सुनवाई करते हुए कंज्यूमर फोरम ने रांची के महावीर मेडिका हॉस्पिटल को नोटिस जारी किया है। फोरम ने मेडिका अस्पताल प्रबंधन को अपना पक्ष रखने के लिए 31 जुलाई का समय दिया है। दरअसल अधिवक्ता अनिल कुमार साहू ने मेडिका अस्पताल पर अपने 14 वर्षीय पुत्र के इलाज में चिकित्सीय लापरवाही का आरोप पर लगाया है। उन्होंने अस्पताल प्रबंधन को पिछले वर्ष लीगल नोटिस भी भेजा था, जिसमें यह यह आरोप लगाया गया था कि उनके पुत्र को अस्पताल प्रबंधन, डॉक्टर अंजना गांधी की लापरवाही और गलत दवा देने के कारण तीन-तीन सर्जरी से गुजरना पड़ा, जिसके कारण मरीज को अत्यधिक शारीरिक पीड़ा और परिवार को मानसिक, आर्थिक क्षति हुई है। जारी नोटिस में चिकित्सा लापरवाही की जवाबदेही लेने और मुआवजा की मांग की गई है। अनिल कुमार साहू ने कंज्यूमर फोरम में अस्पताल प्रबंधन और डॉक्टर अंजना गांधी के खिलाफ कानूनी कार्रवाई और मुआवजे के लिए वाद दायर किया है।

हाई कोर्ट ने रामगढ़ डीसी और डीडीसी की कार्यशैली पर पूछा, क्यों न अवमानना वाद शुरू करें

रांची : झारखंड हाई कोर्ट ने रामगढ़ जिले के डीसी और डीडीसी की कार्यशैली पर नाराजगी जाहिर की। कोर्ट ने शुक्रवार को रामगढ़ डीसी और डीडीसी से पूछा है कि क्यों न उनके खिलाफ अवमानना वाद शुरू किया जाए। हाई कोर्ट के जस्टिस दीपक रौशन की कोर्ट ने आदेश की अवहेलना करने के कारण उक्त दोनों अधिकारियों से अवमानना वाद शुरू करने को लेकर सवाल किया है। याचिकाकर्ता रंजीत साव एवं अन्य की याचिका पर सुनवाई करते हुए हाई कोर्ट ने पिछले महीने रामगढ़ जिले में पेयजल एवं स्वच्छता विभाग में विभिन्न पदों पर संविदा के आधार पर नियुक्ति के लिए जारी विज्ञापन पर रोक लगा दी थी। हाई कोर्ट से रोक के बाद भी जिला प्रशासन ने एक जुलाई को नियुक्ति कर दी, जिसपर अदालत ने नाराजगी जाहिर करते हुए कहा कि हाई कोर्ट के आदेश में हल्के में नहीं ले सकते।

अबुआ आवास योजना पर श्वेत पत्र जारी करे सरकार : अमर बाउरी

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : नेता प्रतिपक्ष अमर बाउरी ने सरकार से अबुआ आवास योजना को लेकर सरकार को कटघरे में खड़ा किया है। उन्होंने सरकार से श्वेत पत्र जारी करते हुए योजना की स्थिति को सार्वजनिक करने की मांग की है। अमर बाउरी ने इस बाबत एक पत्र मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को लिखा है। जिसमें उन्होंने कहा कि वर्ष 2019 में विधानसभा चुनाव के दौरान आपने राज्य के गरीबों और जरूरतमंदों से वादे किए थे कि तीन कमरों वाला सुविधायुक्त पक्का मकान देंगे। चार साल बीत जाने के बाद सरकार ने अबुआ आवास योजना की शुरूआत की है। सरकार इसे महत्वाकांक्षी योजना बता रही है।आपने 23 जनवरी को खूंटी जिला के तोरपा से इस योजना की शुरूआत करते हुए कहा था, यह पहला ऐसा ऐतिहासिक अवसर है, जब झारखंड सरकार अपने दम पर अपने राज्य के बीस लाख लोगों को सम्मानजनक जिंदगी जीने के लिए तीन कमरों का आवास देने जा रही है। बाद में अलग-अलग जगहों पर बड़े बड़े सरकारी समारोह में बताया कि चार साल में बीस लाख लोगों को इस योजना का लाभ मिलेगा। जाहिर है राज्य के लाखों लोगों की नजरें इस योजना पर टिकी है। अमर बाउरी ने कहा कि अबुआ आवास योजना के लाभुकों के चयन से लेकर स्वीकृति, राशि आवंटन आदि प्रक्रियाओं को लेकर सवाल भी उठते रहे हैं। पंचायत के प्रतिनिधियों की भी ढेर सारी शिकायतें रही है और इस संबंध में लगातार अधिकारियों को ज्ञापन देकर गड़बड़ी रोकने की मांग की जाती रही है। अबुआ आवास योजना को लेकर बड़ी आबादी के बीच आम धारणा है कि इसमें सरकारी अधिकारियों और बाबुओं की मर्जी चल रही है। मेरा आग्रह है कि अबुआ आवास योजना को लेकर सरकार एक श्वेत पत्र जारी करें। जिसमें यह बताया जाए, वित्तीय वर्ष 2023 में राज्य के किन जिलों और यहां के प्रखंडों में कितने आवास की स्वीकृति दी गई है।

जमीन घोटाले के आरोपी अंतू तिर्की की जमानत याचिका खारिज

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : धन-शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के विशेष न्यायाधीश राजीव रंजन की अदालत ने शुक्रवार को जमीन घोटाले के आरोपित झामुमो नेता अंतु तिर्की की जमानत याचिका खारिज कर दी। अदालत ने 12 जुलाई को याचिका पर सुनवाई पूरी होने के बाद आदेश सुरक्षित रख लिया था। अंतू तिर्की ने गिरफ्तारी के 76 दिनों बाद दो जुलाई को जमानत की गुहार लगाते हुए याचिका दाखिल की थी। ईडी ने जमीन घोटाले को लेकर बीते 16 अप्रैल को की गई छापेमारी के बाद अंतू तिर्की को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया था। ईडी ने अंतु तिर्की को पुलिस रिमांड पर लेकर 12 दिनों तक गहन पूछताछ की थी। इसके बाद जेल भेज दिया गया था। तब से वह जेल में है। छापेमारी में ईडी ने आरोपित के आवास से काफी संख्या में फर्जी दस्तावेज बरामद किया है। मामले में चार्जशीट दाखिल हो चुकी है। यह मामला मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से जुड़े बड़गाई अंचल के 8.86 एकड़ जमीन घोटाले से जुड़ा है।

आजसू ने की रोजगार और पलायन पर मानसून सत्र में विशेष चर्चा की मांग

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : आजसू पार्टी के केंद्रीय महासचिव सह गोमिया विधायक लंबोदर महतो ने शुक्रवार विधानसभा अध्यक्ष को पत्र लिखकर 17वें मानसून सत्र में युवाओं के विकास कल्याण तथा रोजगार एवं पलायन रोकने पर विशेष चर्चा की मांग की है। उन्होंने मानसून सत्र में इस अतिमहत्वपूर्ण विषय पर चर्चा के लिए विधानसभा अध्यक्ष से समय निर्धारित करने की भी मांग की है। विधानसभा अध्यक्ष को लिखे पत्र में उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में रोजगार के अभाव में युवाओं के बीच निराशाजनक स्थिति है। राज्य में रोजगार न मिलने की वजह से राज्य के बाहर देश के अन्य राज्यों एवं विदेश में युवाओं एवं श्रमिकों का पलायन लगातार जारी है, जिस पर राज्यहित में रोजगार उपलब्ध कराकर रोक लगाना आवश्यक है। विधानसभा के आगामी प्रस्तावित मानसून सत्र में परिचर्चा करना राज्यहित में श्रेयस्कर होगा। महतो ने कहा कि राज्य में जीविकोपार्जन के साधन में निरंतर गिरावट के कारण पलायन और बेरोजगारी में बढ़ोतरी हुई है। सरकार युवाओं को रोजगार देने में पूरी तरह से विफल है। खाली पड़े पदों को न भर पाने वाली सरकार ने रोजगार के अन्य साधनों को विकसित करने की दिशा में भी कोई ध्यान नहीं दिया है। सरकार की गलत नीतियों के चलते कई छोटे-बड़े उद्योग बंद हो गए हैं जबकि कई बंद होने की कगार पर हैं जिससे पलायन बढ़ा है। झारखंड के कई गांव आज पलायन का दंश खेल रहे हैं। लाखों की संख्या में आदिवासी-मूलवासी युवक-युवती अपनी पेट की आग बुझाने के लिए राज्य के बाहर जाने के लिए मजबूर हैं। खनिज संपदा से परिपूर्ण हमारे राज्य की पहचान बदल गई है। आज हमारे राज्य की पहचान लेबर स्टेट के रूप में हो रही है।

अभ्यर्थी दलालों के चक्कर में न पड़ें, मेरिट के आधार पर ही होगा चयन : कर्नल विकास

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : रांची के होटवार स्थित खेलगांव के स्पोर्ट्स कोम्प्लेक्स में 27 जुलाई से 10 अगस्त तक सेना भर्ती रैली का आयोजन किया जायेगा। इस सेना भर्ती रैली में झारखंड राज्य के सभी जिलों के शार्ट लिस्ट किए गए अग्निवीर उम्मीदवारों के लिए और जूनियर कमीशन अफसर (धार्मिक शिक्षक) के लिए बिहार एवं झारखंड राज्य के शार्ट लिस्ट किए गए पुरुष उम्मीदवारों के लिए आयोजित किया गया है। ये बातें कर्नल विकास भोला ने शुक्रवार को खेलगांव में संवाददाता सम्मेलन में कहीं। उन्होंने कहा कि पूरे देश में 22 अप्रैल से तीन मई तक ऑनलाइन सामान्य प्रवेश परीक्षा (सीईई) के आयोजन के बाद शॉर्ट लिस्ट किए गए उम्मीदवारों के लिए क्षेत्रीय भर्ती मुख्यालय (बिहार एवं झारखंड) के तत्वावधान में सेना भर्ती कार्यालय रांची के जरिये रिक्रूटमेंट रैली खेलगांव स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में आयोजित की जा रही है। खेलगांव की गेट रात 12 बजे से छह बजे तक खुली रहेगी। कर्नल ने कहा कि कोई भी अभ्यर्थी दलालों को अपना डॉक्यूमेंट ना दे और उनके चक्कर में ना पड़े। 70 से ज्यादा सीसीटीवी की निगरानी में भर्ती प्रक्रिया होगी। कोई भी अभ्यर्थी दलाल के कहने पर पास और फेल नहीं होता है। वह अपने मेरिट पर ही पास होता है। तभी उसका सलेक्शन होता है। कर्नल ने कहा कि किसी अभ्यर्थी का एडमिट कार्ड नहीं आया है वह खेलगांव स्थित स्टेडियम पहुंचे। उनका एडमिट कार्ड निकाल कर यहां से दिया जाएगा। सेना का प्रयास है कि कोई भी अभ्यर्थी भर्ती प्रक्रिया में शामिल होने से वंचित ना रहे। इस ग्राउंड के मिलने से हम अच्छे तरीके से अभ्यर्थियों का टेस्ट ले पाएंगे। उन्होंने कहा कि इसमें जिला प्रशासन सहित अन्य वरीय अधिकारियों का विशेष सहयोग मिल रहा है। कर्नल ने कहा कि बिहार और झारखंड राज्य के शार्टलिस्ट किये गये उम्मीदवारों को रांची के खेलगांव स्पोर्ट्स कोम्प्लेक्स में आयोजित होने वाली सेना भर्ती रैली के द्वितीय चरण में अनुशासित जीवन, चुनौतीपूर्ण करियर और देश की निःस्वार्थ सेवा करने तथा राष्ट्र निर्माण में योगदान देने के लिए इस अनूठे अवसर का लाभ उठाने के लिये प्रोत्साहित करता है।

डेमोग्राफी में बड़ा परिवर्तन डेमोक्रेसी के लिए खतरा : बाबूलाल मरांडी

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : भाजपा प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने फिर एकबार संथाल परगना की बदलती डेमोग्राफी पर राज्य सरकार को घेरा। मरांडी शुक्रवार को मानसून सत्र के पहले दिन विधानसभा परिसर में मीडिया को संबोधित कर रहे थे। मरांडी ने कहा कि पूरे प्रदेश में आदिवासियों की आबादी लगातार घट रही। संथाल परगना क्षेत्र की डेमोग्राफी में अप्रत्याशित बदलाव आए हैं। डेमोग्राफी का यह परिवर्तन डेमोक्रेसी केलिए खतरा है, जो सबके लिए चिंता का विषय है। मरांडी ने कहा कि इस परिवर्तन में सबसे ज्यादा यदि कोई समुदाय प्रभावित हुआ है वह है जनजाति समाज। उन्होंने 1951 और 201 1के जनगणना रिपोर्ट के आधार पर प्रकाशित आंकड़ों का हवाला देते हुए कहा कि झारखंड में वर्ष 1951 में आदिवासियों की आबादी 36 प्रतिशत, सनातनी हिंदू 87.9 प्रतिशत और मुस्लिम आबादी 8.9 प्रतिशत थी जबकि 2011 में आदिवासी 26 प्रतिशत हो गए और मुस्लिम 14.5 प्रतिशत और सनातनी 81.17 प्रतिशत हो गए यानी आदिवासी घटे, सनातनी घटे और मुस्लिम बढ़े। मरांडी ने संथाल परगना का आंकड़ा बताते हुए कहा कि यहां की स्थिति तो खतरे की घंटी तक पहुंच गया। यहां अलार्मिंग स्थिति है।

आकड़े बताते हुए उन्होंने कहा कि 1951 में संथाल परगना में आदिवासियों की जनसंख्या 44.67 प्रतिशत, मुस्लिम 9.44 प्रतिशत और अन्य 45.9 प्रतिशत थी जबकि 2011 में आदिवासियों की जनसंख्या घटकर 28.11 प्रतिशत हो गई और मुस्लिम आबादी बढ़कर 22.73 प्रतिशत पहुंच गई। अन्य की आबादी बढ़कर 49.2 प्रतिशत ही हुई।

मरांडी ने कहा कि ये आंकड़े डेमोग्राफी में हुए बड़े बदलाव की ओर स्पष्ट संकेत कर रहे। उन्होंने कहा कि इतना ही नहीं, बल्कि विगत दिनों भाजपा द्वारा किए गए मतदाता सर्वे के आंकड़ों पर विचार करेंगे तो संथाल परगना के 10 विधानसभा क्षेत्रों में 2019 से 2024 की मतदाता सूची में एक एक बूथ पर 20 से लेकर 123 प्रतिशत तक मतदाताओं की संख्या में वृद्धि हुई है। उन्होंने कहा कि भाजपा ने इसे लेकर चुनाव आयोग भी गई है। ज्ञापन सौंपा है और जांच कराने की मांग की है। मरांडी ने कहा कि देश की संवैधानिक व्यवस्था में जनसंख्या के समानुपातिक अनुपात के अनुसार एसटी एससी के लिए लोकसभा, विधानसभा चुनावों और नौकरियों में आरक्षण की व्यवस्था की गई है। इसलिए आदिवासियों की जनसंख्या घटने से न केवल डेमोग्राफी बदल रही, बल्कि आरक्षण प्रतिशत भी घटने की नौबत आएगी। सर्वाधिक नुकसान आदिवासी समाज को होगा। उन्होंने मुख्यमंत्री को पत्र लिखकर घटती आबादी के कारणों की जांच एसआईटी गठित कर कराने की मांग की है। मुख्यमंत्री को शीघ्र पहल करते हुए कार्रवाई करनी चाहिए।

एक नजर

ट्रैक्टर द्वारा पत्थर चुराकर ले जा रहे थे ग्रामीणों ने पड़कर पुलिस के हवाले किया

बरहरवा : थाना क्षेत्र के जलालपुर बेवा रोड से होकर रात के अंधेरे में फिर से पत्थरों का चोरी का धंधा प्रारंभ हो गया है। इस बात का खुलासा तब हुआ जब शुक्रवार की रात को पत्थर चुरा कर ले जा रहे दर्जन भर ट्रैक्टर तथा छोटे वाहन को ग्रामीणों ने रोक कर उसे बरहरवा थाना पुलिस के हवाले कर दिया। जलालपुर तथा रूपसपुर के ग्रामीण अख्तरुल शेख, आरिफ अल शेख, ससटी सिंह, मोना रावत अजीजुर शेख, कालू दास,ने बताया कि रात के अंधेरे में इस बाईपास सड़क से होकर दर्जनों छोटे बड़े बाहन पतना तथा कोटालपोखर थाना क्षेत्र के पहाड़ियों से पत्थर चुराकर बंगाल ले जाता है, जिस कारण से सरकारी राजस्व को तो नुकसान पहुंचता ही है साथ ही हाल ही में बने बाईपास सड़क भारी वाहनों का परिचालन होने की वजह से बर्बाद होने के कगार पर पहुंच गया है। पत्थर चोरी तथा सड़क का खस्ता हाल होते देख ग्रामीणों ने एकजुटता दिखाते हुए करीब पांच से छह ट्रैक्टर और दो छोटे ट्रक रोक कर उसे बरहरवा थाना पुलिस के हवाले कर दिया है। समाचार लिखे जाने तक बरहरवा थाना के अवर निरीक्षक रामप्रवेश रविदास पुलिस बल के साथ ग्रामीणों के द्वारा रोके गए ट्रैक्टर तथा छोटे वाहनों को थाना ले जाने की तैयारी में जुटे हुए थे।

उधार के भवन में बोरियो हाई स्कूल के बच्चे कर रहे पढ़ाई

बोरियो : प्रखंड मुख्यालय के चारदीवारी से सटे राजकीयकृत उच्च विद्यालय, बोरियो कई समस्याओं से एकसाथ जूझ रहा है। लेकिन शिक्षकों के संघर्ष और तमाम कोशिशों से इस विद्यालय को पटरी पर लाया जा रहा है। फिर भी सरकारी सहायता और विभाग के फंडिंग बिना इस विद्यालय को नियमानुरूप संचालित करना बेहद मुश्किल है। तीन वर्ष पहले विद्यालय की एकमात्र भवन धंस चुकी थी, इस भवन में पांच कमरे थे, जहां नौवीं और दसवीं कक्षा के बच्चों को पढ़ाया जाता था। लेकिन विद्यालय के स्थापना काल की यह भवन कमजोर हो चुकी थी, और फिर एकाएक धंस गई। हालांकि भवन की हालात को देखते हुए बच्चों को विद्यालय के बगल में संचालित प्लस टू विद्यालय में पठन पाठन के लिए शिफ्ट कर दिया गया था। बाद में विभाग द्वारा दो कमरों का एक अलग भवन निर्माण करवाया गया, लेकिन सिर्फ दो कमरों में बच्चों का पठन पाठन और कार्यालय आदि संभव नहीं था।

मिलन समारोह में सैकड़ों महिला, पुरुष बुजुर्गों ने आजसू पार्टी का थामा दामन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

नीमडीह : नीमडीह प्रखंड के लुपुंगडीह - पहाड़धार गांव में आयोजित आजसू पार्टी के मिलन समारोह में सैकड़ों महिला, पुरूष, बुजुर्ग ने आजसू पार्टी का दामन थामा। भगीरथ गोप, सुभाष तंतुबाई, कार्तिक गोप,निरंजन गोप, रघुनाथ गोप, प्रफुल्ल गोप आदि के नेतृत्व में सैकड़ों लोगों ने आजसू पार्टी का सदस्यता ग्रहण किया। आजसू पार्टी की सदस्यता ग्रहण करने वालों का केंद्रीय महासचिव हरेलाल महतो ने स्वागत किया तथा संगठन के विचारों को जन जन तक पहुंचाने का अपील किया। इस मौके पर ग्रामीणों ने कहा कि अब हमें केवल अपने स्थानीय नेता हरेलाल महतो पर ही भरोसा है। ग्रामीणों ने कहा जिस तरह से हरेलाल महतो ने पांच साल तक लगातार जनता की सेवा की है, इससे हम सभी उनके समर्थक बन गए हैं। मौके पर मिलन समारोह को संबोधित करते हुए हरेलाल महतो ने कहा ईचागढ़ की दिशा और दशा अब यहां के लोग तय करेंगे। उन्होंने कहा कि 35 साल बाद ईचागढ़ की जनता इतिहास रचने जा रही हैं। हरेलाल महतो ने कहा कि हमने हेमंत सरकार से आसपास मांगा था लेकिन सरकार ने अस्पताल का भवन दे दिया, उस भवन में डॉक्टर, कर्मचारी, दवा, जांच मशीन इत्यादि की व्यवस्था नहीं है। ऐसे में गरीबों को इलाज की सुविधा कैसे मिलेगी। इस मौके पर नीमडीह प्रखंड अध्यक्ष दिगंबर सिंह सरदार, दुर्योधन गोप, एसटी महासभा के नेपाल सिंह, आजसू बुद्धिजीवी मंच के प्रखंड अध्यक्ष भगीरथ दास, राजा राम महतो, लुपुंगडीह पंचायत प्रभारी सुनील गोप, लुपुंगडीह पंचायत अध्यक्ष हराधान गोप, महिला प्रखंड अध्यक्ष सुलोचना प्रमाणिक, लुपुंगडीह पंचायत महिला प्रभारी गुरुवारी देवी, टेंगाडीह पंचायत प्रभारी बेबी गोप, प्रशांत सिंहदेव आदि उपस्थिति थे।

विधायक की पहल पर मिला नाला पर पुल निर्माण की प्रशासनिक स्वीकृति

चांडिल : ईचागढ़ विधायक सविता महतो के पहल पर ग्रामीण कार्य विभाग द्वारा चांडिल प्रखंड क्षेत्र के हेंसाकोचा में रांगाडीह से पारसीडीह के बिच रांगाडीह नाला पर 3 करोड़ 49 लाख 85 हाजार 2 सौ रुपये की लागत से होने वाले पुल निर्माण का प्रशासनिक स्वीकृति मिल गई है। वही हेंसाकोचा पंचायत के ग्रामीणों के बहु प्रतीक्षित मांग का प्रशासनिक स्वीकृति मिलने से लोगों में हर्ष का माहौल है। उक्त बात की जानकारी विधायक के आप्त सचिव सह झामुमो केंद्रीय सदस्य काबलु महतो ने दी।

सरकार और कर्मचारियों के बीच टकराव पैदा करना चाहते हैं अधिकारी : अध्यक्ष

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पाकुड़ : झारखण्ड शिक्षा परियोजना परिषद के निदेशक, आदित्य रंजन के द्वारा शिक्षकों के यूनिफॉर्म को लेकर की गई अशिष्ट एवं अमर्यादित टिप्पणी (शिक्षकों की चप्पल से पिटाई) के विरोध में आज दिनांक 26 जुलाई 2024 को राज्य के सभी शिक्षक अपने विद्यालय में खाली पैर (नंगे पांव) रहकर अपने दायित्वों का निर्वहन कर रहे है। इसी क्रम में आज आर के +२ उच्च विद्यालय अमड़ापाड़ा के सभी शिक्षक शिक्षिकाओं ने खाली पैर (नंगे पांव) रहकर अपने दायित्वों का निर्वहन किया। ज्ञात हो कि अभी कुछ दिनों पूर्व आदित्य रंजन अपने तुगलकी फरमान के कारण चर्चा में थे, उन्होंने आई सी टी इंस्ट्रक्टरों को छुट्टियों (रक्षा बंधन, रविवार, मिलाद उन नवी) में ट्रेनिंग पूर्ण करने का निर्देश जारी किया है। वहीं संघ ने कहा कि हम सभी माननीय मुख्यमंत्री जी से यह मांग करते है की आदित्य रंजन अपने अशिष्ट टिप्पणी के लिए सार्वजनिक तौर पर माफी मांगे तथा शिक्षा विभाग के सभी जिम्मेदारियों से इन्हें मुक्त किया जाए। वहीं संघ के तरफ से कहा गया है कि यथोचित/संतोषप्रद कार्रवाई होने तक आंदोलन को और तीव्र किया जाएगा। जहां शिक्षक का सम्मान नहीं उस राज्य का उत्थान होना संभव नहीं। अगर आदित्य रंजन अपने अशिष्ट टिप्पणी के लिए सार्वजनिक तौर पर माफी नहीं मांगेते है तो हम चरणबद्ध आंदोलन के लिए बाध्य होंगे।

अवैध लॉटरी बेचते एसडीएम ने चार को पकड़ा

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

चांडिल : चांडिल अनुमंडल क्षेत्र में अवैध लॉटरी का गोरखधंधा चरम पर है। बाजार क्षेत्र हो या ग्रामीण सुबह होते ही चौक-चौराहे पर स्थित चाय की दुकान व होटल-ढाबों में लॉटरी की खरीद-बिक्री शुरू हो जाती है। बताया जा रहा है कि चांडिल बाजार में तो खुलेआम हर गली-मोहल्लों में अवैध लॉटरी की खरीद-बिक्री की जाती है। कही-कहीं तो ऑनलाइन भी लॉटरी की बिक्री की जाने लगी है। बार-बार सूचना मिलने के बाद चांडिल की अनुमंडल पदाधिकारी शुभ्रा रानी ने शुक्रवार को अवैध लॉटरी के खिलाफ छापामारी अभियान चलाया। एसडीएम शुभ्रा रानी ने चांडिल बाजार स्थित हाई स्कूल और अस्पताल के बीच एक मकान पर धावा बोला।चांडिल थाना प्रभारी वरूण यादव व पुलिस बल के साथ मकान में छापामारी कर उन्होंने लॉटरी का गैर कानूनी धंधा करने वाले चार लोगों को रंगेहाथ पकड़ लिया। उन्होंने अवैध लॉटरी, कारोबार का हिसाब रखने वाले रजिस्टर, कैशमेमो और नकद राशि बरामद की. सभी सामान को जब्त कर चांडिल थाना की पुलिस को सौंप दिया।

भाड़े पर मकान लेकर चला रहा था गोरखधंधा

चांडिल अनुमंडल क्षेत्र में लॉटरी का अवैध कारोबार चांडिल के रिहायसी इलाके में स्थित एक मकान से संचालित किया जाता था। लॉटरी का कारोबार करने वाले मकान को भाड़े में लेकर अपना गोरखधंधा चलाते थे। चांडिल की अनुमंडल पदाधिकारी ने बताया कि उन्हें बार-बार सूचना मिल रही थी कि चांडिल अनुमंडल क्षेत्र में लॉटरी का अवैध धंधा चरम पर चल रहा है। सूचना की पुष्टि करने के बाद उन्होंने छापामारी अभियान चलाया।इस धंधे में लिप्त चार लोग पकड़े गए हैं। लॉटरी के अवैध संचालन से जुड़ी कुछ सामग्री भी जब्त की गई है। पूछताछ के दौरान पकड़े गए अभियुक्तों ने अपने संचालकों के नाम भी बताए हैं। चांडिल थाना की पुलिस को मामले की तफ्तीश के लिए जिम्मेदारी सौंपी गई है। चांडिल थाना प्रभारी मामले की जांच करते हुए लॉटरी संचालकों को गिरफ्तार करने के लिए अभियान चलाएंगे।

राहे प्रखंड के जन सहायता शिविर में उमड़ी भीड़

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

अनगड़ा : राहे में रांची जिला ग्रामीण कांग्रेस कमिटी के अध्यक्ष डॉ राकेश किरण महतो के निर्देश पर राहे प्रखंड परिसर में एक दिवसीय जन सहायता शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर में प्रखण्ड के सभी नौ पंचायतों से जरूरतमंद लोग अपनी समस्याओं के समाधान के लिए तथा सरकार द्वारा संचालित जनकल्याणकारी योजनाओं से संबंधित आवेदन जमा किये। अधिकांश लोगों ने सरकार की कल्याणकारी योजनाओं का लाभ लेने हेतु आवेदन दिया। डॉ राकेश किरण महतो ने जन सहायता शिविर के आयोजन के उद्देश्य की जानकारी देते हुए बताया कि झारखंड में लोकसभा चुनाव के उपरांत पुनः श्री हेमंत सोरेन के नेतृत्व में इंडिया गठबंधन की सरकार बनी है। पिछले साढ़े चार वर्षो से में राज्य सरकार द्वारा जनहित में सभी वर्गों के लिए कई जन कल्याणकारी योजनाएं लागू की गई हैं। इसके बावजूद रांची जिला कांग्रेस कमिटी ऐसा महसूस करती है कि राज्य सरकार द्वारा किये जा रहे कार्यों का अपेक्षित प्रचार-प्रसार नहीं हो पाने के कारण जनता को इनका पुरा-पुरा लाभ नहीं मिल पा रहा है। गठबंधन सरकार का प्रमुख सहयोगी दल होने के कारण ये हमारी जिम्मेदारी है की हमारी पार्टी जनता और सरकार बीच सेतु का काम करे। डॉ राकेश किरण महतो ने बताया कि इस सहायता शिविर में जनता निम्न प्रकार के समस्याओं के समाधान हेतु एवं सरकार की जन कल्यांकारी योजनाओं से संबोधित 3672 आवेदन पत्र प्राप्त हुए है,जिसमें भूमि सम्बधी, राशन कार्ड, आय, जाति, आवासीय , विकलांगता प्रमाण-पत्र, पेंशन, कृषि ऋण, छात्रवृत्ति, बिजली, पेयजल, चिकित्सा, श्रम, अबुवा आवास योजना, मुख्यमंत्री बहन-बेटी स्वालम्बन प्रोत्साहन योजना, मुख्यमंत्री रोजगार सृजन योजना, गुरुजी स्टूडेंट्स क्रेडिट कार्ड योजना, मुख्यमंत्री शिक्षा प्रोत्साहन योजना, मुख्यमंत्री सारथी योजना, झारखंड एकलव्य प्रशिक्षण योजना, सावित्री बाई किशोरी समृद्धि योजना,तालाब निर्माण, मुख्यमंत्री सुखा राहत योजना, आपदा राहत, सरना/मसना स्थल घेराबंदी इत्यादि है।

वन महोत्सव एवं कारगिल दिवस के अवसर पर किया पौधरोपण

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

देवघर : डॉक्टर जगन्नाथ मिश्रा महाविद्यालय के परिसर में राष्ट्रीय सेवा योजना यूनिट 1 की ओर से प्राचार्य प्रो हिमांशु शेखर दुबे, कार्यक्रम पदाधिकारी डॉ रामकृष्ण चौधरी के संयुक्त नेतृत्व में वन महोत्सव एवं कारगिल दिवस के अवसर पर वृक्षारोपण का आयोजन किया गया। इस अवसर पर राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवकों 24 वृक्ष का रोपण किया गया।औषधीय एवं फलदार वृक्ष पर प्रकाश डालते हुए कार्यक्रम पदाधिकारी डॉ रामकृष्ण चौधरी ने कहा कि करोना काल से लेकर मानव जाति के स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए ज्यादा से ज्यादा ऐसे वृक्ष का रोपण आवश्यक है।प्राचार्य प्रो हिमांशु शेखर दुबे ने स्वयंसेवकों को आह्वान किया कि पर्यावरण की दृष्टि से अपने अगल-बगल के लोगों को भी वृक्षारोपण के लिए जागरूक करें। राजनीतिक विज्ञान विभाग के अध्यक्ष प्रो अनन्त कुमार सिन्हा ने कहा कि वर्तमान समय में भौतिकतावादी युग के कारण कार्बन उत्सर्जन की अधिकता से पर्यावरण पर प्रतिकूल असर पड़ा है इसलिए यह आवश्यक हो जाता है कि हर नागरिक को एक-एक वृक्ष का रोपण करना चाहिए। स्वयंसेवकों में देवेंद्र कुमार अमन कुमार सूरज कुमार इत्यादि ने वृक्षारोपण के अवसर पर महत्वपूर्ण योगदान दिया। इस अवसर पर महाविद्यालय परिवार में प्रो राजेश्वर मठपति,परशुराम प्रसाद राय,अमरेंद्र पाठक,आशीष कुमार दास, बद्री पंडित,चंद्र किशोर चौधरी, महादेव पंडित एवं शिरोमणि राय उपस्थित थे।

दूसरे दिन एसीबी ने की शौचालय की जांच, 200 में हुए थे 50 के निर्माण

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बरहेट : एसीबी के पांच सदस्यीय टीम शुक्रवार को फुलभंगा पंचायत के फुलभंगा ताला टोला, वन टोला गांव दूसरे दिन पहुंचे, पहुंचने के तत्पश्चात गांव में उपस्थित आदिवासी महिला पुरुषों से पूछताछ की। इस दौरान उपस्थित ग्रामीणों ने एसीबी टीम को शौचालय के संबंध में ध्यान आकृष्ट कराया। दूसरे दिन फुलभंगा पंचायत के वन टोला एवं ताला टोला गांव में जांच की। इस दौरान वन टोला में 70 शौचालय जांच की जिसमें 15 निर्माण पाए गए, ताला टोला में 130 शौचालय की जांच हुई जिसमें 35 निर्माण पाए गए। एसीबी की टीम दोनों टोला में पूर्व में जांच की गई जांच रिपोर्ट की तुलना में काफी अंतर पाया। वहीं जांच रिपोर्ट से एसीबी की टीम जांच की गहराई तक कर रही है। एसीबी के पांच सदस्य टीम ग्रामीणों का काफी मदद मिल रहा है। वहीं मौके पर एसीबी इंस्पेक्टर उपेंद्र कुमार मंडल, एसीबी डीएसपी जितेंद्र कुमार सिंह, गोपनीय अधिकारी, एसीबी एसपी दुमका सहदेव साह अन्य मोजूद थे।

उपायुक्त का निर्देश सभी जरूरतमंद लाभुकों को योजनाओं का लाभ मिले

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : उपायुक्त हेमंत सती की अध्यक्षता में कार्यालय प्रकोष्ठ में कृषि विभाग, सहकारिता विभाग, पशुपालन विभाग, मत्स्य विभाग, उधान विभाग, भूमि संरक्षण, लघु सिंचाई, जेएसएलपी, मनरेगा की अभिसरण की समीक्षात्मक बैठक की गई। बैठक में विभागों द्वारा दिए गए टारगेट एवं उनके अनुसरण किये जा रहे विषय की जानकारी प्राप्त की एवं आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए। उपायुक्त द्वारा जिला में नोडल लैंपस की जानकारी एवं निर्देशित करते हुए कहा कि प्रत्येक प्रखण्ड में नोडल लैंपस को एक महीने में स्थापित करना सुनिश्चित करें। पशुपालन एवं गव्य विभाग को दिए गए टारगेट के विषय में जानकारी लेते हुए ससमय दिए गए कार्य को पूर्ण करने को कहा गया एवं कहा गया कि योजनाओं का लाभ उन लाभुकों को देना है जिनके पास सेड निमार्ण हुए हैं। वहीं मौके पर उप विकास आयुक्त सतीश चंद्रा, परियोजना निदेशक आईटीडीए मंजू रानी स्वांसी, जिला कल्याण पदाधिकारी प्रमोद आनंद , जिला कृषि पदाधिकारी प्रमोद एक्का, जिला सहकारिता पदाधिकारी राम कुमार प्रसाद, जिला पशुपालन पदाधिकारी डॉ हरिशंकर झा, भूमि संरक्षण पदाधिकारी राहुल कुमार गुप्ता, जिला मत्स्य पदाधिकारी वीरेंद्र कुमार विन्हा एवं अन्य उपस्थित थे।

संक्षिप्त खबरें

कारगील दिवस पर शहीदों को दी गई श्रद्धांजलि

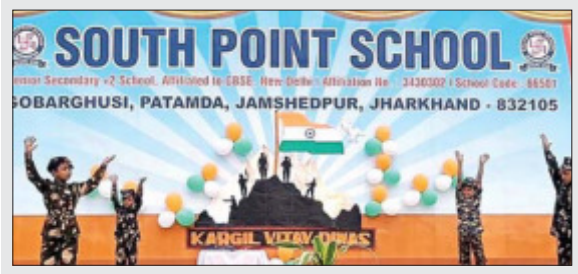

पटमदा : साउथ प्वाइंट स्कूल पटमदा में कारगिल युद्ध में शहीद हुए वीरों को याद करते हुए एक कार्यक्रम आयोजित की गई।विधालय के प्राचार्य अरुण कुमार सिंह , शिक्षक शिक्षिकाएं एवं बच्चों द्वारा शहीदों की चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी गई। बच्चों ने नाटक के द्वारा कारगिल युद्ध की झलकियों को दिखाकर सभी को भाव विभोर कर दिया। विधालय के छात्राओं द्वारा एक नृत्य की प्रस्तुति दी गई ।छोटे-छोटे नौनिहालों ने भी एक नृत्य कर सभी का ध्यान अपनी ओर आकर्षित कर लिया। प्राचार्य ने बच्चों को संबोधित करते हुए कहा कि शहीदों की वार्षिक उत्सव को मनाने का उद्देश्य भारतीय सैनिकों की बहादुरी और बलिदान का सम्मान करना है और इस वर्ष यानि 2024 में इसकी 25वीं वर्षगांठ है जो कारगिल विजय दिवस की जीत का प्रतीक है। मौके पर विद्यालय के सभी शिक्षक शिक्षिकाएं उपस्थित थी।

मां के नाम एक पेड़ लगाएं कार्यक्रम का उद्देश्य हरियाली लाना : सुदीप

पटमदा : पटमदा के बांगुडदा पंचायत के माकुला में वन पर्यावरण एवम जलवायु परिवर्तन विभाग के द्वारा एक पेड़ मां के नाम कार्यक्रम आयोजित किया गया।कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य हरियाली को बढ़ावा देने के साथ ग्रामीणों को एक पेड़ का महत्व को बताना है।कार्यक्रम में मुख्य अतिथि समाजसेवी सुदीप कुमार महतो ने ग्रामीणों के बीच पेड़ के महत्व के विषय में विस्तृत जानकारी देते हुए सभी को एक एक पेड़ लगाने का अपील किया। इस दौरान मुख्य रूप से समाजसेवी सुदीप कुमार महतो,सभी ग्राम प्रधान,इको क्लब के सदस्य,शिक्षक,ग्रामीण सहित काफी संख्या में ग्रामीण उपस्थित थे।

संत अन्ना विद्यालय में पौष्टिक भोजन का किया गया वितरण

चैनपुर : संत अंन्ना बालिका मध्य विधालय चैनपुर में शुक्रवार को भारत सरकार के मध्यान भोजन कार्यक्रम अंतर्गत तिथि भोजन का आयोजन विद्यालय के प्रचार्या सिस्टर ललिता सोरेंग के द्वारा 502 विधार्थियों शिक्षकों व अधिकारियों के लिए पौष्टिक भोजन का आयोजन किया गया। मौके पर प्रखंड शिक्षा प्रसार पदाधिकारी प्रिती कुजुर चैनपुर प्रखंड शिक्षा प्रसार पदाधिकारी किरण कुमारी गुमला ने विधार्थियों को अपने हांथो से खाना खिलाया। इस दौरान बीईओ प्रिती कुजुर ने कहा कि बच्चों को समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारी की जानकारी के लिए शिक्षा मंत्रालय भारत सरकार के द्वारा यह बहुत ही रोचक एवं लाभकारी योजना है जो और अधिक व्यापक एवं इसका सीधा लाभ विधार्थियों को मिलेगा। इस कार्यक्रम का मुख्य उदेश्य बच्चों को मध्यान भोजन उपलब्ध कराने से समाज की भागीदारी को बढावा देना है। इसमें समाज के कोई भी व्यक्ति इस योजना के तहत मध्यान भोजन में योगदान दे सकता है।

मॉडर्न पब्लिक स्कूल की शिक्षिका ने लगाई फांसी

सिल्ली : सिल्ली प्रखंड अंतर्गत मॉडर्न पब्लिक स्कूल की शिक्षिका भेनीषा हेंब्रम, 30 वर्ष ने अपने कमरे के अंदर साड़ी को फंदा बनाकर फांसी लगा ली। मृतिका स्थायी रूप से लोवाडीह चौक रांची की रहने वाली थी। मृतिका लगभग 3 वर्षों से मॉडर्न पब्लिक स्कूल में शिक्षक के रूप में सेवा दे रही थी और वर्तमान में स्कूल प्रबंधन के द्वारा उपलब्ध कराए गए कमरे में रह रही थी। घटना की जानकारी उस समय मिली जब उनके सहयोगी शिक्षिका ममता सिंह जो मृतिका के बगल कमरे में रहती है ने विद्यालय चलने के लिए आवाज लगाई परंतु कमरे के अंदर से कोई आवाज नहीं आने पर तथा दरवाजा अंदर से बंद होने की सूचना विद्यालय प्रबंधन को दी। तत्पश्चात घटना की सूचना मृतिका के परिजनों एवं सिल्ली पुलिस को दिया गया। पुलिस मौके पर पहुंचकर शव को फंदे से उतार कर एवं पंचनामा कर पोस्टमार्टम हेतु रिम्स रांची भेज दिया। फिलहाल आत्महत्या के कारणों का पता नहीं चल पाया है। पुलिस मामले को लेकर छानबीन में जुट गई है।

राशन गबन को लेकर गोदाम का बीडीओ ने किया भौतिक सत्यापन

मंडरो : वरिय अधिकारी के प्राप्त निर्देश पर मंडरो बीडीओ मेघनाथ उरांव प्रखंड सह अंचल कार्यालय परिसर स्थित आपूर्ति राशन गोदाम में उपलब्ध खाद्यान्न, चावल, गेहूं, चीनी का भौतिक सत्यापन किया। सत्यापन के दौरान बीडीओ ने राशन गोदाम में उपलब्ध बोरा का गिनती करा रहे थे। बोरी को गोदाम में बेहतर ढंग से नही रखने के कारण बेहतर परेशानियों का भी सामना करना पड़ा। डाकिया योजना का उपलब्ध राशन भी मिलान किया। वही वर्षो से गोदाम में चीनी रखा रहने के कारण बर्बाद हो रहा है जिसे देखकर बीडीओ बेहद नाराज हुए और उन्होंने निवर्तमान एजीएम बबलू टुडू से इसकी जानकारी ली। तो उन्होंने बताया कि लगभग एक वर्ष पूर्व से चीनी गोदाम में रखा हुआ है। बताते चले की संबंधित विभाग के पदाधिकारी की मनमानी और राशन डीलर की लापरवाही के कारण गरीबों का चीनी गोदाम में बर्बाद हो रहा है। और पीला राशन कार्डधारियों का चीनी नहीं मिल पा रहा है। आखिर दोषी और जिम्मेवार कौन है यह जांच का विषय है। इधर भौतिक सत्यापन के दौरान बीडीओ ने मीडिया को बताया कि गोदाम में उपलब्ध कुल खाद्यान्न का मिलान नहीं किया जा सका है। एक से दो दोनों के अंदर रिपोर्ट तैयार कर संबंधित पदाधिकारी को भेज दिया जाएगा। हालांकि जिले के सभी एजीएम, निवर्तमान एजीएम का अगले आदेश तक वेतन पर रोक लगा दिया गया है।

पेट्रोल पंप पर बिना हेलमेट पेट्रोल दिए जाने पर की जाएगी कार्रवाई : उपायुक्त

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

गुमला : गुमला उपायुक्त कर्ण सत्यार्थी की अध्यक्षता में आज ठउडफ्क समिति, कारा, खनन, एवं सड़क सुरक्षा से संबंधित संयुक्त समीक्षात्मक बैठक का आयोजन किया गया। NCORD समिति की समीक्षा के क्रम में उपायुक्त ने जिले में अवैध रूप से नशीले पदार्थों पर रोक लगाने के निर्देश दिए। इस दौरान पुलिस अधीक्षक शंभू कुमार सिंह ने कहा कि जिले में लगातार गांजा,

ड्रग्स जैसे अवैध रूप से नशीले पदार्थों के बिक्री करने वालो पर पुलिस प्रशासन द्वारा लगातार छापेमारी की जा रही है। साथ ही कुछ संदेह जनक लोगों को रडार में रखा गया एवं औचक छापेमारी भी की जा रही है। सड़क सुरक्षा से संबंधित समीक्षा के क्रम में उपायुक्त ने सड़क दुर्घटना से हुए मृतकों के परिवारजनों को जल्द ही मुआवजा राशि उपलब्ध कराने की बात कही। इसके आलावा सड़क दुर्घटना से मृतकों के परिवार जनों को अन्य इंश्योरेंस की राशि, एवं आपदा प्रबंधन समिति से मिलने वाली मुआवजा राशि भी दिलाने हेतु सहयोग करने की बात कही। उन्होंने कहा सड़क दुर्घटना से हुए मृतकों के परिवारजनों को सड़क सुरक्षा के तहग 2लाख रुपए की मुआवजा राशि दी जाती है वहीं इसके अलावा आपदा प्रबंधन से भी परिवारजनों को 1 लाख रुपए की मुआवजा राशि प्रदान की जाती है। इसके अलावा यदि मृतक ने प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना लिया हो तो वहां से भी उन्हें सहायता राशि मिलती है। साथ ही यदि मृतक के द्वारा श्रम कार्ड बनाया गया हो तो उसपर भी सहायता राशि सरकार के द्वारा दी जाती है। उपायुक्त ने सभी लाभुकों को योजनाओं का लाभ सही समय पर देने का निर्देश दिया।

पेड़ हमारे जीवन का स्रोत हैं : विपिन अग्रवाल

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : पर्यावरण संतुलन बनाए रखने के उद्देश्य से रोटरी क्लब चास ने आज चास धनबाद रोड पर पौधारोपण अभियान चलाया। चास धनबाद रोड पर एक निजी परिसर में 80 फलदार एवं छायादार वृक्ष लगाए गए। रोटरी क्लब चास के अध्यक्ष बिनोद चोपड़ा ने कहा कि पर्यावरण एवं प्राण वायु प्रदान करने वाले वृक्ष की सुरक्षा एवं संपोषण हम सभी का कर्तव्य है। कार्यक्रम के संयोजक विपिन अग्रवाल ने कहा की वृक्षारोपण के साथ-साथ उसकी सुरक्षा करना हम सभी का दायित्व एवं नैतिक जिम्मेदारी है। विपिन अग्रवाल ने कहा कि आने वाले समय में नारकीय जीवन से निदान का उपाय मात्र वृक्षारोपण है। रोटरी क्लब चास के संस्थापक अध्यक्ष संजय बैद ने कहा की वृक्षारोपण करके ही हम आने वाले पीढ़ियों को एक सुरक्षित पर्यावरण सोंपने का संकल्प ले सकते हैं। संजय बैद ने कहा की वृक्षारोपण हमारी मौलिक आवश्यकता है। रोटरी क्लब चास के सचिव मुकेश अग्रवाल ने कहा कि रोटरी का स्पष्ट संदेश है कि यदि पेड़ पौधे सुरक्षित नहीं होंगे तो मानवीय जीवन भी सुरक्षित नहीं रहेगा।

पूर्व सैनिक सेवा परिषद ने मनाई रजत जयंती

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : कारगिल विजय के 25 वर्ष पूरे होने की खुशी में पूर्व सैनिक सेवा परिषद की बोकारो ईकाई द्वारा रजत जयंती समारोह की परिकल्पना के साथ, अपने शहीद सैनिकों को श्रद्धांजलि अर्पित करने के लिए 26 जुलाई को शहीद उद्यान, सिटी पार्क, बोकारो में एक श्रद्धांजलि सह सम्मान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसमें मुख्य अतिथि के रूप में सेल के मुख्य महाप्रबंधक श्री कुंदन कुमार जी के साथ साथ श्री अश्विनी कुमार मित्तल, आंचलिक प्रबंधक बैंक ऑफ इंडिया, श्री पी के मिश्रा मंडल अधिकारी पंजाब नेशनल बैंक एवं माननीय संघचालक बोकारो महानगर श्री रंजीत वर्णवालजी की उपस्थिति रही। सर्वप्रथम मुख्य अतिथि महोदय श्री कुंदन कुमार जी के आगमन पर सरस्वती विद्या मन्दिर सेक्टर 9 के घोष की टीम ने उनका स्वागत किया और अपनी धुन के साथ उनको

कार्यक्रम स्थल तक पहुंचाया। सभी शहीद सैनिकों को श्रद्धांजलि अर्पित किया गया। घोष ने अपने वादन से शमां बान्ध दिया। इसके बाद उपस्थित सभी व्यक्तियों ने एक एक कर अपने श्रद्धा सुमन अर्पित किये। शहीदों को याद करते हुए उनके सम्मान में दो मिनट के लिये मौन रखा गया। कार्यक्रम को आगे बढ़ाते हुए, श्री अश्विनी कुमार मित्तल, आंचलिक प्रबंधक बैंक ऑफ इंडिया, ने अपने वक्तव्य में इस युद्ध के दौरान सैनिकों के योगदान की सराहना करते हुए, सैनिकों के प्रति हमेशा सम्मान का भाव रखने को कहा। उन्होंने कहा कि युद्ध मे हमारे सैनिकों ने अपने अदम्य साहस, अद्भुत पराक्रम, उत्कृष्ट रणकौशल, और अटूट कर्तब्यनिष्ठा को इतिहास के पन्नों में अपने से बेहतर पोजीशन पे, विभिन्न हथियारों से लैश और वो भी घात लगाए दुश्मन पर विजय के रुप में लिख दिया। इसके तुरंत बाद अशोक जी जी ने अपने चिर परिचित अंदाज में ?है प्रीत जहां की रीत सदा, मैं गीत वहां के गाता हुं.. गीत से भावनाओं की बारिश करते हुए अपने उद्गार ब्यक्त किए।

यूनियन बैंक ऑफ इंडिया शाखा के द्वारा पौधरोपण कार्यक्रम का हुआ आयोजन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

सिल्ली/मुरी: शुक्रवार को यूनियन बैंक ऑफ इंडिया मुरी शाखा के द्वारा संत माईकल (+ 2) स्कूल, मूरी में वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस मौके पर यूनियन बैंक ऑफ इंडिया मुरी शाखा के प्रबंधक श्री दिनेश कुमार जी ने बच्चो के साथ मिलकर विभिन्न प्रकार के पौद्यो का वृक्षारोपण किया साथ ही उन्होंने यूनियन बैंक ऑफ इंडिया के तहत चलाए गए अभियान एक पेड़ मां के नाम के बारे मे बच्चो को विस्तृत जानकारी दी। इस मौके पर स्कूल के बच्चो ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया एवम् विभिन्न प्रकार के पौधे जैसे अमरूद, आम, जामुन, पपीता इत्यादि के पौधे विद्यालय प्रांगण में लगाया । विद्यालय के निदेशक राकेश कुमार ने वृक्ष की उपयोगिता बताते हुए पर्यावरण संबंधी महत्त्वपूर्ण बातो से छात्रों को अवगत कराया।

इस मौके पर विद्यालय के प्रबंधक डॉ रुपेश कुमार ने बैंक के शाखा प्रबंधक दिनेश कुमार एवं उनके सहयोगियों को विद्यालय में इस तरह के कार्यक्रम करने के लिए धन्यवाद दिए । मौके पर विद्यालय के प्राधानाचार्य सि. एल. प्रजापति ने बच्चो को वृक्षारोपण की विशेषता को बताते हुए कहा कि प्रकृति के संतुलन को बनाए रखने मानव के जीवन को सुखी , समृद्ध एवम संतुलित बनाए रखने के लिए वृक्षारोपण का अपना विशेष महत्व है। इस मैके पर विद्यालय के शिक्षक एवं शिक्षिकाए एन. सी. साहु, अनुराग कुमार, सपना दत्ता,रमेश गोराई, संजुक्ता सिंह देव, हनी कश्यप, स्वेता, रेजिश भेंगरा एवम सभी छात्र छात्राएं उपस्थित थे।

पंचायत भवन में आगामी कार्यक्रम को लेकर हुई बैठक

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

कतरास : शनिवार को भारतीय जनता पार्टी राजगंज मंडल में नगरीकला दक्षिण पंचायत भवन में आगामी कार्यक्रम को लेकर एक महत्वपूर्ण बैठक संपन्न हुई इस बैठक की अध्यक्षता भाजपा राजगंज मंडल अध्यक्ष रंजीत सिंह ने किया संचालन संजीत सिंह धन्यवाद ज्ञापन प्रवीण चौधरी ने किया मंडल अध्यक्ष रंजीत सिंह ने कहा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी की मन की बात दिनांक 28.7.2024 को समय 11:00 बजे से राजगंज मंडल के सभी पंचायत के बूथ में कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए एवं वोटर लिस्ट में नव मतदाता को नाम जुड़वाना वोटर लिस्ट में गलत है उसका सुधार करवाना इस बैठक में सभी सम्मानित नेता पदाधिकारी पंचायत के संयोजक सहसंयोजक एवं सभी बूथ अध्यक्ष को अपने अपने बूथ में दोनों कार्यक्रम को लेकर सभी लोग को विशेष रूप से जिम्मेवारी दी गई आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर विशेष रूप से चर्चा हुई एवं सभी लोग पार्टी के अपने शीर्ष नेता से मांग है कि टुंडी विधानसभा में भाजपा का ही प्रत्याशी हो कमल फूल हो इसी संकल्प के साथ आने वाले विधानसभा चुनाव में कमल फूल को खिलाना है और संगठन को मजबूती प्रदान करने के लिए सभी लोग को अभी से लग जाना है इस बैठक में मुख्य रूप से उपस्थित राम प्रसाद महतो, मुखिया अशोक ठाकुर, नीलकंठ रवानी, प्रदीप वर्मा, अमरेश कुमार, झरी महतो, शंकर महतो, अजय साहनी, यशवंत सिंह, राजू रजक, मनजीत तिवारी, गणेश रवानी,सपन पंडित, असीम दत्ता, संजय निषाद,मनोज वर्मा,पप्पू सोनी,नरेंद्र कुमार सिंह,शंकर निषाद, जितेंद्र मल्लाह,अशोक कुमार,अशोक झा,भोला चौहान,राजू वर्मा जी, डब्लू कुमार,उदय कुमार मल्लाह, विश्वनाथ रवानी, सिंकु पांडे, हराधन रवानी, मटुक धारी रवानी, राजा कुमार सिंह, राजाराम चौहान, सूरज कुमार, नेपाल कुमार महतो, संजय चौधरी, विकास कुमार रवानी, आदि उपस्थित थे।

सड़क दुर्घटना में एक युवक घायल

गुमला : जिला अंतर्गत स्थित घाघरा थाना क्षेत्र के देवाकी खपरा टोली के समीप सड़क दुर्घटना में एक अज्ञात युवक गंभीर रूप से घायल हो गया है , जानकारी के अनुसार आदर से घाघरा की ओर से टीवीएस मोपेड में सवार होकर और नशे की हालत में आ रहा व्यक्ति खपराटोली के समीप सड़क के किनारे एक पेड़ से जा टकराया और गंभीर रूप से घायल हो, बाद में स्थानीय लोगों की मदद से उसे घाघरा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया गया। जहां प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज के लिए गुमला सदर अस्पताल रेफर कर दिया गया है , जहां डॉक्टरों की देखरेख में उसका इलाज चल रहा है, खबर लिखे जाने तक उक्त घायल अज्ञात व्यक्ति की पहचान नहीं हो पायी है ।

लाभुकों के बीच 1 करोड़ 45 लाख का ऋण स्वीकृति पत्र वितरित

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

धनबाद : बैंक ऑफ इंडिया धनबाद जोन द्वारा तेतुलमारी के राजा मैरेज हाल में मेगा डिस्बर्समेंट डे के मौके पर विभिन्न लाभुकों को रांची जोन के महाप्रबंधक सहित अन्य ले लौन की स्वीकृति पत्र का वितरण किया, बैंक ऑफ इंडिया के द्वारा किसान माह 1 से 31 जुलाई के अवसर पर बैंक ऑफ इंडिया तेतुलमारी शाखा द्वारा 5 महिला समूह,6 लोगों को पर्सनल लोन का स्वीकृति पत्र दिया गया। आज कुल 1 करोड़ 44 लाख 77 हजार रुपये

लोन के लिये स्वीकार पत्र का वितरण किया गया। बैंक ऑफ इंडिया महाप्रबंधक एफ जी एम ओ मनोज कुमार ने कहा कि परिवारिक उन्नति के लिये किसान आगे आये,तभी परिवार व बच्चे के उज्वल भविष्य होगा,उन्होंने सेल्फ महिला ग्रुप ,किसान,मछली पालन, गौ पालन व अन्य योजनाओं के बारे में विस्तार से बताया की जो केंद्रीय व राज्य सरकार की योजनाओं के बारे में भी बताया,उन्होंने कुल 220 स्वयं सहायता समूह की संगठित महिलाओ के सभी महिलाओं की तारीफ की। उन्होंने कहा कि तेतुलमारी शाखा से 220 महिला समूह के लगभग 3 हजार से अधिक महिला लाभ ले रही है,यह अच्छी बात है। अग्रणी जिला प्रबंधक अमित कुमार ने कहा कि राज्य में सभी बैंक ऑफ इंडिया जिले में अपनी अहम भूमिका निभा रही है।

कार्यपालक अभियंता का कार्यालय
भवन निर्माण विभाग, भवन प्रमंडल, गुमला

आवश्यक सूचना

मो० जलालुद्दीन अंसारी (कोषरक्षक) भवन निर्माण विभाग, भवन प्रमंडल, गुमला आपको सूचित किया जाता है कि आप दिनांक 21.06.2024 से आज तक बिना कोई सूचना के कार्यालय/मुख्यालय से अनुपस्थित है। इस संबंध में आपको इस कार्यालय के पत्रांक 415 दिनांक 01.07.2024 के द्वारा कार्यालय में उपस्थित होने हेतु सूचित किया गया था। परंतु आज तक कार्यालय में उपस्थित नहीं हुए है। अखबार के माध्यम से आपको पुनः सूचित किया जाता है कि आप यथाशीघ्र अपना स्पष्टीकरण के साथ कार्यालय/मुख्यालय में उपस्थित होना सुनिश्चित करें। अन्यथा इसकी सूचना उच्चाधिकारी को कर दी जायेगी।

कार्यपालक अभियन्ता
भवन निर्माण विभाग, भवन प्रमंडल,गुमला

PR 330885 Building(24-25)#D

कार्यपालक अभियंता का कार्यालय,
ग्रामीण विकास विशेष प्रमण्डल, चतरा

पत्रांक 886/ग्रा.वि.वि.प्र., चतरा, दिनांक–26.07.2024

शुद्धि–पत्र

ग्रामीण विकास विशेष प्रमण्डल, चतरा द्वारा प्रकाशित ई–निविदा आमंत्रण सूचना संख्या–RDD/SD/CHATRA/32/2023-24/RE-3 के ग्रुप संख्या 01 में वर्णित PM-Ayushman Bharat Health Infrastructure Mission Scheme (PM-ABHIM), Block-Shaligram Narayanpur (Hunterganj) कार्य जिसका PR 329324 (Rural Development) 24-25(D) द्वारा निविदा में भाग लेने हेतु कंडिका क्रमांक 03 में ई–निविदा प्राप्ति की तिथि एवं समय–दिनांक–19.07.2024 से दिनांक–26.07.2024 के अपराह्न 05:00 बजे तक के स्थान पर दिनांक–19.07.2024 से दिनांक–31.07.2024 के अपराह्न 05:00 बजे तक तथा कंडिका क्रमांक 5 में ई–निविदा खोलने की तिथि एवं समय 29.07.2024 के अपराह्न 02:00 बजे के स्थान पर 03.08.2024 के अपराह्न 02:00 बजे पढ़ा जाय तथा निविदा में भाग लेने हेतु RDD(RWA), Govt. of Jharkhand in Class-II के निबंधित श्रेणी के अलावे BCD, Govt. of Jharkhand in Class-II श्रेणी का निबंधन भी मान्य होगा।

निविदा की शेष शर्तें पूर्ववत रहेगी।

कार्यपालक अभियंता,
ग्रामीण विकास विशेष प्रमण्डल, चतरा

PR 330816 Rural Development(24-25)#D

OFFICE OF THE EXECUTIVE ENGINEER
BUILDING CONSTRUCTION DEPARTMENT
BUILDING DIVISION NO. -02, RANCHI

NOTICE INVITING QUOTATION NO-04/2024-25

Sealed quotations are invited for the work

1	**Annual Maintenance and Operation Contract of Fire Alarm System, Fire D etection System and Fire Fighting System Installation in New High Court Building of Jharkhand at Dhurwa, Ranchi.**

by the Executive Engineer, Building Construction Department, Building Division No.-02, Ranchi on 07-08-2024 upto 3.00 pm and will be opened on 08-08-2024 at 3.30 pm at B.C.D. Division No.-02, Ranchi by Executive Engineer or his authorized representative in the presence of Quotationers or their authorized representative, whosoever desire may remain present at the time of opening. Cost of Bid for work of S.No- 1. Rs. 10000.00, in shape of Demand draft (non refundable) on any State Bank Payable at SBI Main Branch, Ranchi (Code-0167) /any Schedule Bank, Payable at Ranchi in favour of The Executive Engineer, Building Construction Department, Building Division No.-02, Ranchi.

One Year

The quotation should be accompanied with (1) Initial security deposit which will be *2%* of the quoted amount in shape of Bank Guarantee or 5 Years/3 Years Post Office Term Deposit or N.S.C. (8th issue)/fixed deposits of a scheduled Bank duly pledged in favour of Executive Engineer, Building Division No.-02, Ranchi. (2) Updated Income Tax Return and GST Return (3) Similar nature works experience

In the case of Gazetted holiday the quotation will be received/opened on the next working day.

Executive Engineer
Building Construction Department
Building Division No-02, Ranchi

PR 330792 Building(24-25)D

झारखण्ड सरकार
कार्यपालक अभियंता का कार्यालय
ग्रामीण विकास विशेष प्रमण्डल, हजारीबाग

ई– निविदा आमंत्रण सूचना

ई–निविदा सं0 :– **RDD/SD/HZB/11/2024-25**

1. कार्य की विस्तृत विवरणी :

ग्रुप सं0	आईडेन्टीफिकेशन संख्या/पैकेज संख्या	प्रखण्ड	योजना का नाम	प्राक्कलित राशि	अग्रधन की राशि	परिमाण विपत्र का मूल्य	कार्य पूर्ण करने की अवधि
1.	RDD/SD/HZB/ 11/2024-25	चौपारण	हजारीबाग जिलान्तर्गत प्रखण्ड–चौपारण, पंचायत–ताजपुर, ग्राम–पिपराकोनी में पिपराकोनी नदी पर पुल निर्माण।	32068000.00	642000.00	10000.00	18 माह

2. वेबसाइट में निविदा प्रकाशन की तिथि – 06.08.2024
3. ई–निविदा प्राप्ति की तिथि एवं समय – दिनांक 06.08.2024 से दिनांक 14.08.2024 को अपराह्न 5:00 बजे तक
4. ई–निविदा खोलने का स्थान – कार्यपालक अभियंता का कार्यालय, ग्रामीण विकास विशेष प्रमण्डल, हजारीबाग
5. ई–निविदा खोलने की तिथि एवं समय –16.08.2024 अपराह्न 2:00 बजे
6. ई–निविदा आमंत्रित करने वाले पदाधिकारी का नाम एवं पता :– कार्यपालक अभियंता, ग्रामीण विकास विशेष प्रमंडल, हजारीबाग
7. ई–निविदा प्रकोष्ठ का दूरभाष सं० – 9430154806
8. परिमाण विपत्र की राशि घट–बढ़ सकती है तद्नुसार अग्रधन की राशि देय होगी।
9. निविदा शुल्क एवं अग्रधन की राशि केवल Online Mode द्वारा स्वीकार्य होगी।
10. निविदा शुल्क एवं अग्रधन की राशि का ई–भुगतान जिस खाता से किया जायेगा, उसी खाते में अग्रधन की राशि वापस होगी।

विस्तृत जानकारी के लिये वेबसाईट www.jharkhandtenders.gov.in एवं कार्यालय की सूचना पट्ट पर देखा जा सकता है।

कार्यपालक अभियंता
ग्रामीण विकास विशेष प्रमंडल, हजारीबाग

PR 330790 Rural Development(24-25)#D

कार्यपालक अभियंता का कार्यालय,
राष्ट्रीय ग्रामीण नियोजन कार्यक्रम, राँची
Un-Tied मद अन्तर्गत
अतिअल्पकालीन निविदा आमंत्रण सूचना सं0 – 15/2024–25

1. विज्ञापनदाता का नाम :– कार्यपालक अभियंता, राष्ट्रीय ग्रामीण नियोजन कार्यक्रम,राँची।
2. परिमाण विपत्र, बिक्री की तिथि/स्थान :– दिनांक 01.08.24 को 2.00 बजे तक। विकास भवन, राँची।
3. निविदा प्राप्त करने की तिथि/स्थान :– दिनांक 02.08.24 को 3.00 बजे अपराह्न तक जिला नियंत्रण कक्ष, राँची।
4. निविदा खोलने की तिथि :– दिनांक 02.08.24 को 3.30 बजे अपराह्न ।
5. कार्य का विवरण।

क्र0 सं0/ग्रुप सं0	प्रखण्ड	योजना का नाम	प्राक्कलित राशि/प्रशासनिक स्वीकृति की राशि	अग्रधन की राशि	परिमाण विपत्र का मूल्य	कार्य समाप्ति की अवधि	यंत्र संयंत्र का स्वामित्व
1	2	2	4	5	6	7	8
1	शहरी क्षेत्र	शहरी क्षेत्र अन्तर्गत वार्ड नं0–17 गुदरी चौक मो0 इम्तियाज के घर से सहीद सीमेंट शॉप तक एवं टुक–टुक गेराज से जाहिद अंडा दुकान तक आर0सी0सी0 नाली निर्माण।	10,81,200.00	21,700/-	2500/-	तीन माह	कार्य के अनुरूप
2	शहरी क्षेत्र	शहरी क्षेत्र अन्तर्गत वार्ड नं0–23 में तिवारी टैंक रोड मल्लाह टोली से बंशी चौक तक रोड एवं नाली निर्माण कार्य।	41,78,000.00	53,700/-	5000/-	तीन माह	कार्य के अनुरूप
3	शहरी क्षेत्र	शहरी क्षेत्र अन्तर्गत वार्ड नं0–22 में मुजाहिद नगर पक्का पुल से लेकर खुर्शीद बैण्ड वाला के घर तक 200 फीट आर0सी0सी0 नाली एवं 400 फीट पी0सी0सी0 पथ का निर्माण कार्य।	12,86,200.00	26,000/-	2500/-	तीन माह	कार्य के अनुरूप
4	शहरी क्षेत्र	शहरी क्षेत्र अन्तर्गत वार्ड नं0–46 में कृष्णापुरी रोड नं0 05 (बी) के विभिन्न गलियों में पी0सी0सी0 पथ का निर्माण कार्य।	49,31,200.00	99,000/-	5000/-	तीन माह	कार्य के अनुरूप
5	शहरी क्षेत्र	शहरी क्षेत्र अन्तर्गत वार्ड नं0–28 में बंगाली मोहल्ला कब्रिस्तान साहू रोड हेमंत श्रीवास्तव के घर से किशोर साहू रिक्शा गेराज तक पथ एवं नाली निर्माण।	38,39,500.00	77,000/-	5000/-	तीन माह	कार्य के अनुरूप
6	शहरी क्षेत्र	शहरी क्षेत्र अन्तर्गत वार्ड नं0–17 अभिनन्दन अपार्टमेन्ट से एस0के0 घोष के घर तक पेवर ब्लॉक बिछाने का कार्य।	10,01,700.00	20,500/-	2500/-	तीन माह	कार्य के अनुरूप
7	शहरी क्षेत्र	शहरी क्षेत्र अन्तर्गत वार्ड नं0–17 में दीपशिखा के घर से हेमनीला कुंज स्वपन कुमार घोष के घर तक दोनों साईड आर0सी0सी0 नाली एवं पी0सी0सी0 पथ का निर्माण ।	20,16,300.00	40,500/-	5000/-	तीन माह	कार्य के अनुरूप
8	शहरी क्षेत्र	शहरी क्षेत्र अन्तर्गत वार्ड नं0–15 में मो0 जैनुल के घर से अशफाकउल्लाह चौक तक डाली मुहल्ला में दोनों तरफ आर0सी0सी0 नाली का निर्माण कार्य।	31,18,800.00	62,500/-	5000/-	तीन माह	कार्य के अनुरूप
9	लापुंग	लापुंग प्रखण्ड के ग्राम–कच्चकुआरी झोरा टोली के खिजूर मोड़ से लेकर कारो नदी के पुल तक पी0सी0सी0 पथ निर्माण।	36,54,300.00	73,500/-	5000/-	तीन माह	कार्य के अनुरूप

नोट :

1. Tender Fee, अग्रधन की राशि 2 प्रतिशत, पैन, GST Certificate, Up To date GST Return Certificate तथा निबंधन प्रमाण पत्र को स्वअभि प्रमाणित छाया प्रति अनिवार्य रूप से जमा करने के पश्चात ही निविदा पत्र (BOQ) निर्गत किया जायेगा।
2. निविदा डालते समय पथ निर्माण विभाग झारखण्ड राँची के संचिका सं0 प0नि0वि0/विविध 06–33/2007 (अंश – 1) 2146 (5) दिनांक 09.09.2020 के अनुसार Performance Security उपलब्ध करायें।

कार्यपालक अभियंता
एन0आर0ई0पी0 – 1, राँची

PR 330791 NREP(24-25)D

कार्यालय जिला परिषद, हजारीबाग

पुनः अति अल्पकालीन ई–निविदा आमंत्रण सूचना संख्या :– 12/2024–25

दिनांक 26/07/2024

मद का नाम :– 15वें वित्त आयोग मद।

क्र0	प्रखण्ड	योजना का नाम	प्राक्कलित राशि	परिमाण विपत्र का मूल्य	अग्रधन की राशि	योजना पूर्ण करने की तिथि	टेंडर कॉल संख्या
1	2	3	4	5	6	7	8
1	चौपारण	स्वास्थ्य उपकेन्द्र, पाण्डेबारा का निर्माण।	5550000.00	10000.00	111000.00	नौ माह	द्वितीय कॉल
2	विष्णुगढ़	स्वास्थ्य उपकेन्द्र, चलकरी का निर्माण।	5550000.00	10000.00	111000.00	नौ माह	द्वितीय कॉल
3	बरकट्ठा	स्वास्थ्य उपकेन्द्र, सूर्यकुण्ड का निर्माण।	5550000.00	10000.00	111000.00	नौ माह	द्वितीय कॉल
4	विष्णुगढ़	स्वास्थ्य उपकेन्द्र, चौथा का निर्माण।	5550000.00	10000.00	111000.00	नौ माह	द्वितीय कॉल
5	चौपारण	स्वास्थ्य उपकेन्द्र, हजारीधमना का निर्माण।	5550000.00	10000.00	111000.00	नौ माह	द्वितीय कॉल
6	चौपारण	स्वास्थ्य उपकेन्द्र, रामपुर का निर्माण।	5550000.00	10000.00	111000.00	नौ माह	द्वितीय कॉल
7	चुरचू	स्वास्थ्य उपकेन्द्र, चिचिकला का निर्माण।	5550000.00	10000.00	111000.00	नौ माह	द्वितीय कॉल

1. वेबसाईट में निविदा प्रकाशन की तिथि 30.07.2024
2. ई–निविदा प्राप्ति की तिथि एवं समय 31.07.24 से 08.08.2024 अपराहन् 5:00 बजे तक।
3. निविदा खोलने का स्थान– जिला परिषद, हजारीबाग।
4. निविदा खोलने की तिथि एवं समय 10.08.2024 पूर्वाहन् 10:00 बजे।
5. निविदा आमंत्रित करने वाले पदाधिकारी का नाम एवं पता – जिला अभियंता, जिला परिषद, हजारीबाग।
6. निविदा शुल्क एवं अग्रधन की राशि केवल Online Mode द्वारा स्वीकार्य होगी।
7. ई–निविदा प्रकोष्ठ का दूरभाष सं0–06546 261406 ई–मेल – districtboardhazaribag@gmail.com
8. निविदा शुल्क एवं अग्रधन की राशि का ई–भुगतान जिस खाता से किया जायेगा, उसी खाते में अग्रधन की राशि वापस होगी। अगर खाता बंद कर दिया जाता है तो उसकी सारी जवाबदेही आपकी होगी।
9. निविदा की शर्तें कार्यालय के सूचना पट्ट या www.jharkhandtenders.gov.in पर देखा जा सकता है।

जिला अभियंता,
जिला परिषद, हजारीबाग

PR 330878 District(24-25)#D

कारगिल विजय दिवस के शहीदों को नमन

प्रेम कुमार धूमल

उस ऐतिहासिक क्षण में श्रद्धेय अटल बिहारी वाजपेयी का यह कथन 'जब तक एक भी घुसपैठिया कारगिल में है, तब तक न युद्ध विराम होगा और न मैं देश छोड़कर कहीं जाऊंगा' इतिहास के स्वर्ण अक्षरों में लिखा जायेगा । प्रधानमन्त्री के इस दृढ़संकल्प को देखते हुये सारे राष्ट्र में एक नई ऊर्जा आ गई और सैनिकों में यह संकल्प और दृढ़ हो गया और भारत की वीर सेना ने निर्णायक विजय प्राप्त की ।

देश में राष्ट्रभक्ति का गजब का माहौल था ऐसा लगता था सारा भारत एक है, देश की एकता, अखण्डता, सर्वभौमिकता बचाये रखने के लिये कुछ भी कर गुजरने को तैयार था । कारगिल का संघर्ष क्या शुरू हुआ ऐसा लगा जैसे सारा राष्ट्र और राष्ट्र का प्रत्येक नागरिक देष के लिये कोई भी कुबार्नी देने को तैयार था । विश्व के इतिहास में पहली बार हुआ जब देशाभक्ति से ओत-प्रोत विश्व के सबसे बड़े लोकतन्त्र के प्रधानमन्त्री, अटल जी सभी चुनौतियों, चेतावनियों और व्यक्तिगत सुरक्षा के खतरों को नजर अन्दाज करते हुये 2 जुलाई 1999 को सीमा पर तैनात युद्धरत सैनिकों की पीठ थपथपाने के लिये स्वयं सीमा पर जा पहुंचे । आप अनुमान लगा सकते हैं कि प्रधानमन्त्री को अपने साथ सीमा पर खड़ा देखकर सैनिकों का साहस तो सातवें आसमान पर पहुंचना स्वभाविक था । 5 जुलाई 1999 को कारगिल के युद्ध क्षेत्र में जाने के बाद श्रीनगर के सैनिक अस्पताल में उपचाराधीन घायल सैनिकों को दैनिक उपयोग का आवश्यक सामान दे रहे थे, एक जवान चादर ओढ़े हुये लेटा था उसने सामान पकड़ा नहीं, हमने विस्तर के साईड टेबल पर सामान रखा और आगे बढ़ने लगे तभी डॉक्टर ने कहा कि माईन ब्लास्ट में इस वीर सैनिक के दोनों हाथ और दोनों पैर चले गये थे । हम फिर मुड़े और पूछा, 'बहुत दर्द होता होगा', सैनिक ने उतर दिया, 'कल शाम से नहीं हो रहा है' । हमने पूछा क्या कोई (पेन किलर) दर्द निवारक दवाई ली या टीका लगा ? उसने उतर दिया ह्यहानहीं, कल शाम (4 जुलाई को) टाईगर हिल वापस ले लिया और तिरंगा फहरा दिया, मेरा दर्द चला गया । राष्टभक्ति और मातृभूमि के प्रति समर्पण की भावना को शत शत नमन ।

आजकल एक और विवाद मीडिया में देखने को मिला यहां शहीद की नौजवान विधवा ने मरणोपरान्त मिलने वाले सम्मान को शहीद के मॉ-बाप के साथ सांझा करना उचित नहीं समझा। ऐसी समस्यायें आप्रेशन विजय के बाद भी आई थीं, अधिकतर विधवायें नवविवाहिता थीं और उनका पुनर्विवाह होना स्वभाविक और न्यायोचित भी था परन्तु बजुर्ग मॉ-बाप का सहारा भी तो शहीद जवान ही होता था इसलिये पुनर्विवाह के समय प्रदेश और केन्द्र सरकार की ओर से मिली सारी की सारी अनुदान राषि, पैट्रोल पम्प या गैस एजैन्सी आदि सभी को साथ ले जाना मॉ-बाप के साथ अन्याय था क्योंकि अधिकतर मामलों में गरीब मॉ-बाप ने अपना पेट काट कर बेटे को पाला पोसा होता था और बुढ़ापे में नौजवान बेटे की शहादत और बहु का सब कुछ

अपने साथ ले जाना उनके लिये दोहरा अघात होता था। इसलिये हमने प्रदेश कैबिनेट की बैठक में सारी परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुये निर्णय लिया कि अगर तो पुनर्विवाह उसी परिवार में होता है तो सभी कुछ वैसे ही रहेगा लेकिन यदि वीर नारी कहीं दूसरी जगह शादी करती है तो सरकार की ओर से मिली राषि दो हिस्सों बांट दी जायेगी । आधी राषि उस युद्ध विधवा को और आधी राषि बूढ़े मॉ-बाप को दी जायेगी और यदि शहीद के बच्चे शिक्षा ग्रहण कर रहे हों और मॉ तथा दादा-दादी से अलग रहते हों तो राषि तीन भागों में बांटी जायेगी और एक तिहाई बच्चों को दी जायेगी। इस निर्णय से सभी की समस्या का समाधान हो गया ।

राष्ट्रभक्ति के साथ साथ एक दूसरे के प्रति सम्बेदनशीलता के भी कई उदाहरण देखने को मिले, शामिला जिले का एक अनुसूचित जाति से सम्बन्ध रखने वाला जवान शहीद हुआ था, घर की अर्थिक स्थिति भी कमजोर थी । जब हमने अनुग्रह राषि उन्हें दी तो उस गरीब परिवार ने कहा हमें आधी राषि ही दीजिए, अभी युद्ध चल रहा है और शहीद हो रहे हैं और आपको कई और परिवारों की सहायता करनी है, हमें आधी राशाि दे दो बाकि किसी और परिवार के काम आ जायेगी । शहीद की शहादत को तो नमन था ही पर गरीब परिवार की सम्बेदनशीलता और दूसरों के प्रति समर्पण की भावना से हम सभी द्रवित हो गये और उन्हें धन्यवाद देते हुये हमने कहा कि राषि आपके लिये ही है और आवश्यकता होगी तो लोग योगदान दे ही रहे हैं ।

पालमपुर में तो जहां एक ओर प्रथम परमवीर चक्र विजेता, मेजर सोमनाथ शर्मा वहीं कारगिल युद्ध के नायक कै. विक्रम बतरा, परमवीर चक्र विजेता का भी घर है, उस दिन हम कै. विक्रम बतरा के पार्थिव शरीर का इन्तजार कर रहे थे वहीं पर कारगिल युद्ध के प्रथम शहीद कै. सौरभ कालिया की माता जी, विजय कालिया और कै. विक्रम बतरा की माता जी साथ साथ बैठी थीं । विजय कालिया श्रीमति बतरा को ढांढस बंधा रही थीं, एक महान मां दूसरी महान माता को साहस बंधा रही थी, शायद यही जीवन है।

इसी प्रकार जिला बिलासपुर की एक बहादुर मां, कौषल्या देवी जी जब मिली तो अन्होंने कहा, 'धूमल जी कल मंगल सिंह की अर्थी को डेढ किलो मीटर मैंने कंधा दिया'। मैंने पहली बार सुना कि शहीद की मॉ ने अपने शहीद सुपुत्र की अर्थी को कंधा दिया हो । शहीद की शहादत और मॉ की हिम्मत को सलाम ।

सोलन जिला मुख्यालय में चपरासी के पद पर नियुक्त एक व्यक्ति का सैनिक बेटा शहीद हो गया, अन्तिम संस्कार में भाग लेने के बाद हम उसके घर ढांढस बंधाने के लिये गये। शहीद की मॉ ने कहा मेरा बेटा देश के काम आ गया, दूसरा बेटा दसवीं कक्षा में पढ़ रहा है यह भी पढ़कर फौज में भर्ती होगा और देश की सेवा करेगा।

जिला हमीरपुर के बमसन क्षेत्र में पहाड़ी के ऊपर एक बगलू गांव है यहां से राज कुमार सुपुत्र खजान सिंह शहीद हुये थे। चढ़ाई चढ़ते मैं सोच रहा था कि शहीद के बजुर्ग पिता जी से कैसे बात करूंगा । मैं उनके आंगन में पहुंच गया और इससे पहले कि मैं कुछ बोलता, खजान सिंह बोले, 'धूमल साहब, बेटे तो पैदा ही इसलिये किये जाते हैं कि पढ़ें, लिखें और बड़े होकर फौज में भर्ती हों और देश की रक्षा करें । उन्होंने अपने दोनो पोते मुझे मिलाये और कहा ये भी पढ़कर फौज में भर्ती होंगे और देश की सेवा करेंगे । उन्होंने मुझे कहा आप दिल्ली जावेंगे तो प्रधानमन्त्री, वाजपेयी जी को कहना कि जवानों की यदि कमी हो तो 82 वर्ष का हबलदार खजान सिंह आज भी हथियार उठाकर देष की रक्षा करने के लिये तैयार है ।

शहीदों का आदम्य साहस, परिवारों का सम्पूर्ण समर्पण, अटल जी का दृढ़निष्चयी नेतृत्व सदियों तक देष के लिये प्रेरणा रहेगा ।

5 जुलाई को जब अमेरिका के राष्ट्रपति बिल क्लिंटन ने आदरणीय अटल जी को फोन करके कहा कि पाकिस्तान के प्रधानमन्त्री नवाज शरीफ इनके पास पहुंच गये हैं और अटल जी से आग्रह किया कि वे भी युद्ध विराम की घोषणा कर दें और अमेरिका आ जायें ताकि समस्या का सर्वमान्य हल निकाला जा सके ।

उस ऐतिहासिक क्षण में श्रद्धेय अटल बिहारी वाजपेयी का यह कथन 'जब तक एक भी घुसपैठिया कारगिल में है, तब तक न युद्ध विराम होगा और न मैं देश छोड़कर कहीं जाऊंगा' इतिहास के स्वर्ण अक्षरों में लिखा जायेगा ।

प्रधानमन्त्री के इस दृढ़संकल्प को देखते हुये सारे राष्ट्र में एक नई ऊर्जा आ गई और सैनिकों में यह संकल्प और दृढ़ हो गया और भारत की वीर सेना ने निर्णायक विजय प्राप्त की ।

कारगिल से वापसी पर हम प्रभु अमरनाथ की पवित्र गुफा के पास उतरे, दर्षन किये और संयोग से टाईगर हिल विजय प्राप्त करने वाले जवान भी उसी समय गुफा में दर्षन करने के लिये आये हमने उन से चर्चा की और नरेन्द्र मोदी जी ने तो उनके हथियार लेकर उन हथियारों के बारे में जानकारी भी ली ।

यह उचित ही है कि 26 जुलाई को प्रतिवर्ष हम कारगिल विजय दिवस मनाते हैं और उन शहीदों को श्रद्धासुमन अर्पित करते हैं । ठीक ही कहा है 'शहीदों की चिताओं पर लगेंगे हर वर्ष मेले, वतन पर मिटने वालों का यही निशां होगा'।

-(लेखक हिमाचल के पूर्व मुख्यमन्त्री रहे हैं व कारगिल युद्ध के समय मुख्यमन्त्री थे।)

संपादकीय

अनावश्यक फैसला

भारतीय राजनीति में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) किसी न किसी कारण से हमेशा चर्चा और विवादों के केंद्र में रहा है। अभी पिछले दिनों केंद्र सरकार ने सरकारी कर्मचारियों पर आरएसएस की गतिविधियों में हिस्सा लेने पर लगे करीब छह दशक पुराने प्रतिबंध को हटाने का फैसला लिया है जिसे बुद्धिमत्तापूर्ण नहीं कहा जा सकता। जाहिर है कि राजनीतिक क्षेत्रों में इस फैसले की कड़ी आलोचना हो रही है। आरोप लगाया जा रहा है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी कर्मचारियों को वैचारिक आधार पर विभाजित करना चाहते हैं। वस्तुतः आरएसएस की चाहे जितनी आलोचना या निंदा की जाए लेकिन राष्ट्र के उत्थान में इस संगठन की सार्थक भूमिका को नजरंदाज नहीं किया जा सकता। ब्रिटिश सरकार में भी 1932 में सरकारी कर्मचारियों की आरएसएस की गतिविधियों में भाग लेने पर प्रतिबंध लगाया था लेकिन इस प्रतिबंध के कारण आरएसएस के विस्तार में रुकावट नहीं आई। यह संगठन अपने ध्येय को लेकर आगे बढ़स्ता गया। आरएसएस अपनी स्थापना के शताब्दी वर्ष में प्रवेश करने जा रहा है और अब यह संगठन समाज की मुख्यधारा में है। आरएसएस पर महात्मा गांधी की हत्या, आपातकाल और बाबरी मस्जिद विध्वंस के बाद प्रतिबंध लगाया गया। लेकिन क्या यह हैरानी की बात नहीं है कि इतने प्रतिबंधों के बावजूद इस संगठन से जुड़े.हुए लोग आज देश के शीर्ष पदों पर आसीन हैं। कुछ लोग संघ और सरकार के बीच संबंधों की तुलना चर्च और राज्य के रिश्ते से करते हैं। उनका विश्वास है कि धर्मनिरपेक्ष और लोकतांत्रिक देश में चर्च और राज्य के बीच विभाजन रेखा का सम्मान किया जाता है लेकिन आरएसएस दावा करता है कि वह सामाजिक-सांस्कृतिक संगठन है और राजनीति एवं धर्म से इसका दूर-दूर तक रिश्ता नहीं है। आरएसएस पर ब्रिटिश सरकार से लेकर आज तक हमले होते रहे हैं लेकिन अपनी स्थापना के सौ वर्षों में यह संगठन बरगद का रूप ले चुका है। पूर्वोत्तर भारत यदि देश की मुख्यधारा में शामिल हुआ है तो इसका श्रेय आरएसएस को ही दिया जाना चाहिए। सरकारी कर्मचारियों के लिए आरएसएस का द्वार खोलने का केंद्र सरकार का फैसला एक नये विवाद को जन्म देने वाला है। संघ को इसकी कोई आवश्यकता नहीं थी।

चिंतन-मनन

सत्ता-संपदा का उन्माद

मनुष्य विचारशील प्राणी है, विवेकशील प्राणी है। उसके पास बुद्धि है, शक्ति है। वह अपनी बुद्धि का उपयोग करता है, चिंतन के हर कोण पर रुकता है, विवेक को जगाता है, शक्ति का नियोजन करता है और संसार के अन्य प्राणियों से बेहतर जीवन जीता है। जीने के लिए वह अनेक प्रकार की सुविधाओं को जुटाता है। सत्ता और संपदा ये तो ऐसे तत्व हैं, जिनका आकर्षण अधिकांश लोगों को बना रहता है। सत्ता के मूल में सेवा की भावना है और संपदा के मूल में जीवनयापन की। न सत्ता के बल पर कोई व्यक्ति बड़ा बनता है और न संपदा ही किसी को शिखर पर बिठा सकती है। जो लोग सेवा की पवित्र भावना से सत्ता के गलियारे में पांव रखते हैं और जीवनयापन के साधन के रूप में अर्थ का उपयोग करते हैं, वे सत्ता और संपदा प्राप्त करके भी कुछ अतिरिक्त अनुभव नहीं करते। सहज सादगीमय जीवन जीते हुए वे सत्ता और संपदा के द्वारा हितकारी प्रवृत्तियों में संलग्न हो जाते हैं।

कुछ लोगों की अवधारणा है कि व्यक्ति का अस्तित्व और व्यक्तित्व सत्ता और संपदा पर ही निर्भर है। इसलिए वे जैसे-तैसे इन्हें हथियाने का प्रयास करते हैं और वे हस्तगत हो जाएं तो इनका उचित-अनुचित लाभ भी उठा लेते हैं। ऐसे लोगों में न तो सेवा की भावना होती है और न ही वे उपयोगितावादी दृष्टि से अर्थ का अंकन करते हैं। इनके द्वारा अहंकार बढ़ता है और वे स्वयं को आम आदमी से बहुत बड़ा मानने लगते हैं। यहीं से एक भेद-रेखा बनने लगती है, जो सत्ताधीश और संपत्तिशाली को दूसरे नजरिए से देखने का धरातल तैयार करती है। जिस व्यक्ति के पास सत्ता हो और संपदा हो, फिर भी उन्माद न हो; बहुत कठिन बात है। इन दोनों में से एक पर अधिकार पाने वाला व्यक्ति भी मूढ़ हो सकता है। जहां दोनों का योग हो जाए, वहां मूढ़ता न आए, यह तो संभव ही नहीं है। इस बात को सब लोग जानते हैं, फिर भी सत्ता और संपदा पाने की आकांक्षा का संवरण नहीं होता। जिनकी आकांक्षा पूरी हो जाती है, वे सौभाग्य से ही मूढ़ता से बच पाते हैं। किंतु जिनकी आकांक्षा पूरी नहीं होती, वे एक दूसरे प्रकार के उन्माद का शिकार हो जाते हैं।

किसान आन्दोलन की समाधान राहें बातचीत से ही खुलेगी

ललित गर्ग

मोदी सरकार 3.0 के पहले बजट में वित्त मंत्री ने सरकार की जिन 9 प्राथमिक्ताओं का जिक्र किया उसमें विकसित भारत लिये रोजगार, महंगाई नियंत्रण, कृषि, महिला-युवा विकास के साथ-साथ मध्यम वर्ग के लिये पहली बार सकारात्मक सोच सामने आयी है। बावजूद इसके विपक्षी दल किसी न किसी बहाने उसका विरोध करते हुए संसद में हंगामा बरपा रहे हैं। सभी क्षेत्रों के लिये न्यायसंगत एवं विकास योजनाओं के बावजूद विरोध होना अतिश्योक्तिपूर्ण है। विपक्षी दल इस आरोप के सहारे बजट का विरोध कर रहे हैं कि उसमें अन्य राज्यों के साथ भेदभाव किया गया है। इस विरोध का आधार बिहार और आंध्र प्रदेश की विभिन्न विकास योजनाओं के लिए विशेष घोषणाएं के साथ न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) की वैधानिक गारंटी और अन्य मांगों को लेकर किसी तरह की घोषणा न करने के मुद्दे हैं। विपक्षी दल किसान आन्दोलन को उग्र करने के प्रयास करेंगे। ऐसा इसलिये भी लग रहा है कि बुधवार को ही नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी से नई दिल्ली में मुलाकात करने के बाद किसान नेताओं ने साफ भी कर दिया है कि दिल्ली मार्च का उनका कार्यक्रम जारी रहेगा। संसद सत्र जारी है, ऐसे में किसान आंदोलन को लेकर प्रतिपक्ष सरकार पर हमलावर होगा, एक बार फिर किसान आन्दोलन के उग्र से उग्रतर होने की संभावनाएं हैं, जिससे आम जनता को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है।

सुप्रीम कोर्ट ने किसान-आन्दोलन से जुड़े मामले की सुनवाई करते हुए पंजाब-हरियाणा से सटे शंभू बॉर्डर पर यथास्थिति बनाए रखने का औचित्यपूर्ण आदेश दिया है। सुप्रीम कोर्ट की यह टिप्पणी अहम है कि एक 'तटस्थ मध्यस्थ' की आवश्यकता है जो सरकार और किसानों के बीच विश्वास कायम कर सके। सुप्रीम कोर्ट ने इसके लिए स्वतंत्र विशेषज्ञों की एक कमेटी बनाने का प्रस्ताव भी दिया है। प्रश्न है कि कांग्रेस एवं अन्य विपक्षी दल न्यायालय के इस महत्वपूर्ण सुझाव को आकार देने की बजाय किसान-आन्दोलन को उग्र करने की मंशा रखते हुए अराजक माहौल ही क्यों बनाना चाहते है? क्यों अव्यवस्था फैलाने चाहते हैं? निश्चित ही शंभू बॉर्डर खोले जाने पर कानून-व्यवस्था को लेकर संकट की स्थिति उत्पन्न हो सकती है। यह बात सही है कि शंभू बॉर्डर खोले जाने से आंदोलनरत किसानों के दिल्ली कूच की राह खुल सकती है। आंदोलनरत किसान संगठन पहले ही ऐलान कर चुके हैं कि जब भी सीमाएं खुलेंगी, किसान ट्रैक्टर ट्रोलियों के साथ दिल्ली की ओर बढ़ेंगे। शीर्ष अदालत हरियाणा सरकार की उस याचिका पर सुनवाई कर रही थी जिसमें उच्च न्यायालय के उस आदेश को चुनौती दी गई है जिसमें उसे एक सप्ताह के भीतर अंबाला के पास शंभू सीमा पर बैरिकेड्स हटाने के लिए कहा गया था जहां किसान 13 फरवरी से डेरा डाले हुए हैं।

केन्द्र सरकार एवं विपक्षी दलों को मिलकर इस विकट समस्या का समाधान निकालने के लिये कोई सार्थक प्रयास करने चाहिए। किसानों के भरोसे को जीतने की कोशिश होनी चाहिए। लेकिन नेशनल हाई-वे पर जेसीबी और बख्तरबंद ट्रैक्टर ट्रॉली की इजाजत तो इस समस्या का समाधान नहीं है। सुप्रीम कोर्ट ने विशेषज्ञों की समिति के जरिए बातचीत का जो प्रस्ताव दिया है उस पर सरकार की प्रतिक्रिया आनी बाकी है। लेकिन दोनों पक्षों को ही आंदोलन खत्म करने के लिए बातचीत के माध्यम से समाधान का रास्ता निकालने की पहल करनी होगी। किसान आंदोलन के उग्र रूप को भी यह देश देख चुका है, भारी नुकसान भी हुआ है। किसानों की समस्याएं अपनी जगह हैं और इनकी आड़ में होने वाली राजनीति अपनी जगह। वैसे भी स्वामीनाथन आयोग की सिफारिशें लागू करने, न्यूनतम समर्थन मूल्य की कानूनी गारंटी और कर्ज माफी जैसे मुद्दों पर समिति के गठन का प्रस्ताव केन्द्र सरकार पहले ही दे चुकी है। यह बड़ा सच है कि बात करने से ही बात बनती है। बातचीत की हर संभावना का स्वागत किया जाना चाहिए। किसी भी आंदोलन का लंबे वक्त तक जारी रहना सचमुच चिंताजनक है। ऐसे आन्दोलन को उग्र करने की विपक्षी दलों की मानसिकता भी संदेहों एवं अविश्वासों से घिरी है। अच्छा हो कि विपक्षी दल एवं नेता प्रचार पाने के लिए विरोध की बेतुकी रस्म निभाने के बजाय बजट में कृषि क्षेत्र के लिये किये गये बड़े ऐलानों पर गौर करें। सरकार ने एग्रीकल्चर सेक्टर के लिए कई बड़े ऐलान किए हैं। इनमें कृषि उत्पादकता को बढ़ाने और जलवायु परिवर्तन को ध्यान में रखते हुए मौसम में बदलाव को बरदाश्त कर सकने वाली फसलों की प्रजातियों को विकसित करने पर जोर दिया गया है। इसके लिए एग्रीकल्चर रिसर्च के बजट को भी बढ़ाया गया है।

विपक्षी पार्टियां लगातार किसानों एवं कृषि को लेकर सरकार को घेरने का प्रयास कर रही हैं। कोई न कोई बहाना चाहिए विरोध का, अब किसान-आन्दोलन के सहारे अपनी राजनीति चमकाने की जुगत में देश का कितना नुकसान होगा, कहा नहीं जा सकता। जबकि भाजपा सरकार द्वारा भारतीय अर्थ-व्यवस्था की वृद्धि और विकास में कृषि की भूमिका को ध्यान में रखते हुए, इस बजट में कृषि क्षेत्र पर अधिक ध्यान दिया गया है। कृषि में उत्पादकता, किसानों के हितों एवं कृषि की सुदृढ़ता को बढ़ाना बजट द्वारा निर्धारित शीर्ष प्राथमिकताओं में से एक है। उल्लेखनीय है कि बजट में जो नौ प्राथमिकताएं शामिल है, उनमें कृषि एवं संबंधित क्षेत्रों के लिए करीब 1.52 लाख करोड़ रुपये के आवंटन से खेती-किसानी की दशा-दिशा सुधरने की आस बढ़ी है। विभिन्न फसलों की प्रस्तावित 109 किस्मों से भी उत्पादकता में बढ़ोतरी की उम्मीद है। ये किस्में जलवायु परिवर्तन के चलते बढ़ रही प्रतिकूल मौसमी परिघटनाओं के विरुद्ध कवच का काम करेंगी। दलहन-तिलहन को प्राथमिकता, डिजिटल क्राप सर्वे के अतिरिक्त किसान उत्पादक संघों यानी एफपीओ एवं भंडारण और आपूर्ति श्रृंखला पर ध्यान देने जैसे उपाय उपज को पहुंचने वाले नुकसान को घटाने एवं कीमतों में स्थायित्व सुनिश्चित करेंगे। ग्रामीण विकास के लिए 2.66 लाख करोड़ की बड़ी राशि आवंटित की गई है। भले ही सरकार ने सीधे तौर पर बजट में किसानों की आय बढ़ाने और एमएसपी पर खरीद सुनिश्चित न किए जाने से किसानों को निराशा हुई हो लेकिन बजट में तिलहन में आत्मनिर्भरता, सब्जी उत्पादन केन्द्र विकसित करने और खेती के लिए डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर के विकास की बात कही गई है। विशेषज्ञों के मुताबिक इस बजट से आने वाले समय में एग्रीकल्चर सेक्टर की विकास की रफ्तार बढ़ाने में मदद मिलेगी जो सीधे तौर पर किसानों की आय भी बढ़ायेगा एवं उन्नत कृषि को प्रोत्साहन भी देगा।

असल में न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) की वैधानिक गारंटी और अन्य मांगें राजनीतिक मुद्दे बन गये हैं, जिनके चलते हो रहा आन्दोलन न केवल किसानों के बल्कि आम जनता के लिये भी परेशानी का सबब है। जबकि सरकार ने धान का उत्पादन करने वाले किसानों के लिए एमएसपी को बढ़ा कर 2300 कर दिया है जो स्वागत योग्य कदम है। उम्मीद थी की सरकार एमएसपी पर खरीद को सुनिश्चित करने के लिए कोई कदम उठाएगी। लेकिन बजट में इस तरह का कोई प्रावधान न होने से काफी निराशा हुई है। दुनिया भर के विकसित देश अनिवार्य रूप से किसानों की उपज को एमएसपी पर खरीदते हैं। लेकिन भारत में किसानों को उनकी उपज का सही मूल्य नहीं मिल पाता। विपक्षी दल किसानों के हित में आन्दोलन की बजाय बातचीत के रास्ते पर आगे बढ़े। स्तरीय विरोध हो, किसानों को गुमराह करने एवं उनका मनोबल कमजोर करने के लिये विपक्षी दल उजालों पर कालिख न पोते, इससे उन्हीं के हाथ काले होने की संभावनाएं है।

सावन में होने वाली वर्षा से खिल उठती है प्रकृति

गुरुदेव श्री श्री रवि शंकर

यदि श्रावण के महीने में वर्षा नहीं होती है तो धरती सूख जाती है; फिर न पानी मिलता है न भोजन। इसलिए बहुत आवश्यक है कि श्रावण-भाद्रपद में बारिश हो। अगर देखा जाए तो साल भर की बारिश श्रावण-भाद्रपद में हो जाती है। बारिश से प्रकृति खिल उठती है। जैसे प्रकृति खिल उठती है वैसे ही भगवान शंकर की आराधना करके हम भी खिल उठते हैं और प्रसन्न हो जाते हैं।

हमारे पुराणों में कहा गया है अलंकार प्रियो विष्णु अभिषेक प्रियः शिवः। आप देखेंगे कि मंदिरों में भगवान विष्णु हमेशा सजे-धजे रहते हैं, भगवान विष्णु को सजाने में आनन्द आता है। मगर शंकर जी अभिषेक से प्रसन्न होते हैं। इसीलिए लोग शंकर जी पर ही जल चढ़ाते हैं, लोग विष्णु भगवान के मंदिर में जल नहीं चढ़ाते । शंकर जी सारी प्रकृति में निहित हैं। कहते हैं, ब्रह्माण्ड व्याप्त देहायह्व माने उनका शरीर इस सारे ब्रह्माण्ड में व्याप्त है। इसलिए उनके ऊपर जल की वर्षा भी ब्रह्माण्ड ही करता है। सावन के महीने में इस सारी पृथ्वी का अभिषेक होता है। सब-कुछ धुल जाता है और पृथ्वी खिल उठती है। ये भूमि भगवान के पैर हैं और आकाश, नक्षत्र, तारे सब शंकर जी के गले के हार हैं। शंकर जी स्वयं ही अपना अभिषेक कर रहें हैं। सावन के महीने में सारी प्रकृति ईश्वर के रस में डूब जाती है। जब प्रकृति परमात्मा के रस में डूबती है तब मनुष्य को भी उसमें डूबना आवश्यक है। इसीलिए सावन के महीने में शंकर जी की आराधना की जाती है ।

ऐसी कथा प्रचलित है कि एक बार पार्वती जी भगवान शंकर से पूछती हैं कि हम परब्रह्म की गति कैसे प्राप्त करें? तब भगवान शंकर एक बहुत सुन्दर बात कहते हैं कि अपने दिल में एक सुर चल रहा है। आपके भीतर एक अनहद नाद हो रहा है, मौन में बैठकर उस नाद को सुनें । मान लीजिये यदि आपमें उसकी क्षमता नहीं है और आप वह नहीं सुन पा रहे हैं तो जरा चुप रह कर देखें आप पाएंगे कि अपने भीतर ही एक नाद, एक अभग्न-अटूट शब्द चल रहा है । उस आवाज को सुनते-सुनते आप ध्यानस्थ हो सकते हैं ।

आज के युग में तो एयर कंडीशन या पंखा चलता है, उसकी आवाज सुनते-सुनते भी आप ध्यान में जा सकते हैं । कभी किसी भी झरने के पास बैठ कर आँखें बंद करके उस झरने की आवाज सुनें । आज कल तो आप ये घर पर भी कर सकते हैं। घर में ही एक छोटा सा पानी का झरना लगा लीजिये और उसको सुनते-सुनते थोड़ी देर ध्यान में बैठ जाइए । कहते हैं जो इस शब्द में स्नान कर लेता है वह परमब्रह्म की ओर चल पड़ता है। जो इस अभग्न नाद को सुनने में निपुण हो जाते हैं, उनके अन्दर की बाकी सारी आवाजें शांत हो जाती हैं और वे आनंदमयी परब्रह्म की अपनी चेतना में लौट जाता है।

पुराणों में कहते हैं कि प्रकृति श्रावण मास में होने वाली रिमझिम वर्षा से शंकर जी का अभिषेक करती है। शंकर माने जो सबको शुभ करने वाले हैं, जो सबका मंगल करने वाले हैं। इसलिए सबका मंगल हो ऐसी कामना से श्रावण मास में रुद्रपूजा करते हैं।

सावन में मथुरा की इन जगहों पर भूलकर भी न जाएं, छूट जाएगा घूमने का शौक

मथुरा। विष्णु के अवतार प्रभु श्रीकृष्ण की जन्मभूमि और उनका बाल जीवन मथुरा-वृंदावन से जुड़ा हुआ है। उत्तर प्रदेश में स्थित ये शहर देश विदेशों तक मशहूर हैं। यहां भारतीय और विदेशी सैलानी घूमने के लिए आते हैं। मथुरा वृंदावन में कई प्रसिद्ध मंदिर, ऐतिहासिक स्थल और यमुना घाट है, जहां आप पूजा पाठ के साथ ही शांत और सुकून माहौल पा सकते हैं।मथुरा वृंदावन की सैर कभी भी कर सकते हैं लेकिन सावन के महीने में यहां की कुछ जगहों पर जाना आपके लिए मुसीबत का सबब बमन सकता है। अगर आप भी सावन में मथुरा वृंदावन जाने की योजना बना रहे हैं तो यहां कि कुछ जगहों पर जाने से साथ

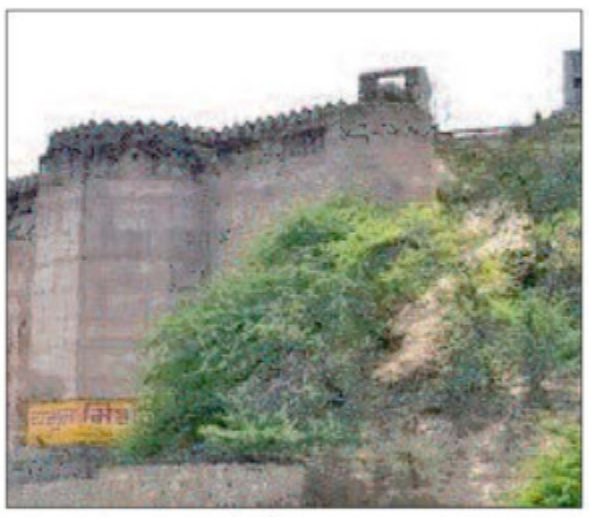

मना कर दें। आइए जानते हैं मथुरा-वृंदावन के उन स्थानों के बारे में जहां सावन में भूल से भी नहीं जाना चाहिए।

कंस टीला

मथुरा में स्थित कंस टीला यमुना नदी के किनारे से सटा हुआ है। इसके अलाना वृंदावन का चीर

घाट, कैसी घाट आदि कई घाट भी हैं जो यमुना के किनारे बसे हैं, जहां सावन के महीने में बरसात के कारण यमुना का जल स्तर काफी बढ़ जाता है। ऐसे में यहां आने वाले यात्रियों से प्रशासन सावधानियां बरतने की अपील कर रहा है।

विश्राम घाट

मथुरा के विश्राम घाट पर भी बारिश के मौसम में जलस्तर बढ़ने के कारण यमुना में वाम की सवारी करना मुसीबत बन सकता है। इसलिए इस मौसम में यहां आना व्यर्थ हो सकता है।

किन बातों का ध्यान रखें

सावन का महीना धार्मिक दृष्टि से विशेष महत्व रखता है। इस महीने पर्यटकों के साथ ही आसपास के भक्त मंदिर में दर्शन के लिए आते हैं। सावन में अधिक भीड़ का दबाव वृंदावन और मथुरा में बढ़ जाने के कारण सही से दर्शन नहीं हो पाते हैं। सावन में मथुरा जाएं तो यमुना के किराने किसी घाट या मंदिर पर ज्यादा समय नहीं रुकना चाहिए।

संक्षिप्त डायरी

छात्राओं को भूकंप और हवाई हमलों से बचाव का दिया प्रशिक्षण

मथुरा। नागरिक सुरक्षा विभाग मथुरा के उप नियंत्रक जसवंत सिंह सहायक उप नियंत्रक जितेन्द्र देव सिंह के निर्देशन में नागरिक सुरक्षा मथुरा की वार्डन पोस्ट संख्या एक के पोस्ट वार्डन अशोक यादव के द्वारा 25 जुलाई आर 26 जुलाई 2024 को दो दिवसीय प्रशिक्षण रामवती नरेश इन्टर कॉलेज औरंगाबाद मथुरा में छात्र,छात्राओं को भूकंप से बचाव और हवाई हमलों से बचाव के बारे मे विस्तार से जानकारी दी । एक दिवसीय प्रशिक्षण में हवाई हमले में खतरे के होने पर बजने वाले सायरन की भी जानकारी दी गई। साथ ही आग के प्रकार, और उनसे बचाव की महत्वपूर्ण जानकारी दी गई। अध्यापकों के अतिरिक्त, उप नियंत्रक जसवंत सिंह,सहायक उप नियंत्रक जितेन्द्र देव सिंह, डिविजनल वार्डन भारत भूषण तिवारी, डिप्टी डिविजनल वार्डन राजेश कुमार मित्तल,सीनियर स्टाफ ऑफीसर टू चीफ वार्डन दीपक चतुवेर्दी बैंकर, पोस्ट वार्डन अशोक यादव, शुभम कुमार, राजेश कुमार, राम सैनी, नरेश अग्रवाल, राहुल कुमार, विजेन्द्र, रोहित, ऋषभ प्रताप, मुकेश शर्मा, आदि वार्डन और फायर फाइटर उपस्थित रहे।

बाइक पर सवार चार व्यक्तियों का एक्सीडेंट

मथुरा। थाना बलदेव में माइलस्टोन 124 किलोमीटर यमुना एक्सप्रेसवे पर दुर्घटना की सूचना मिली . बाइक पर सवार चार व्यक्तियों का एक्सीडेंट हो गया है जिनकी जानकारी करने पर एक आकाश शर्मा पुत्र संजीव शर्मा निवासी नगला पदी दयालबाग आगरा दूसरा अनु पुत्र फूल सिंह निवासी नगला पदी दयालबाग आगरा की मृत्यु हो गई है जबकि कालू पुत्र सुनील निवासी नागलपदी आगरा और रोहित पुत्र खेतपाल निवासी ग्राम मादौर थाना बलदेवमथुरा घायल है रोहित द्वारा बताया गया की बाइक पर चारों लोग सवार थे और आगरा से हरिद्वार जा रहे थे माट टोल तक गए, पैसे ना होने के कारण वापस आ रहे थे हल्की बूंदाबांदी के कारण बाइक फिसल गई और जाकर साइट की डिवाइडर से टकरा गई है रोहित की हालत स्थिर है उसके सिर में चोट लगी है जबकि कालू को उसके परिजन इलाज के लिए आगरा ले गए हैं आकाश और अनु के शव का पंचायतनामा भरा जा रहा है मौके से एक्सीडेंटल गाड़ी और घटनास्थल का निरीक्षण करने से दुर्घटना की बात सामने प्रतीत हो रही है।

भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा मनाएगा भारत रत्न डॉ एपीजे अब्दुल कलाम जी की पुण्यतिथि

मथुरा। डॉ एपीजे अब्दुल कलाम को की नौवीं पुण्यतिथि (वरसी) मनाएगा भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा पूर्व राष्ट्रपति भारत रत्न से भारत रत्न सम्मान से नमाजे जा चुके मिसाइल मैन के नाम से मशहूर डॉ एपीजे अब्दुल कलाम की पुण्यतिथि पर देश में के साथ-साथ उत्तर प्रदेश में कार्यक्रम आयोजित किए जाने को लेकर भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चे के प्रदेश पदाधिकारी, क्षेत्रीय पदाधिकारी एवं प्रदेश के सभी जिला /माहानगर अध्यक्षों की एक वर्चुअल बैठक आयोजित की गई बैठक की अध्यक्षता प्रदेश अध्यक्ष कुंवर बासित अली ने की बैठक के मुख्य वक्ता चौधरी जाकिर हुसैन राष्ट्रीय उपाध्यक्ष एवं उत्तर प्रदेश प्रभारी ने 27 जुलाई 2024 को कार्यक्रमों के बारे में जानकारी दी कार्यक्रम में प्रदेश संयोजक उत्तर प्रदेश महामंत्री जहीर अब्बास जैदी ने बैठक का संचालन किया।

कार्यक्रम के संयोजक अनस उस्मानी एवं प्रदेश के सभी पदाधिकारी, अवध क्षेत्र के अध्यक्ष मोहम्मद नईम ब्रज क्षेत्र के अध्यक्ष गुरप्रीत सिंह, गोरखपुर क्षेत्र के अध्यक्ष नसरुद्दीन अंसारी, कानपुर क्षेत्र के अध्यक्ष अजीत सिंह छाबड़ा, एवं काशी और पश्चिम के पदाधिकारी और प्रदेश के सभी जिला अध्यक्ष प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

उपज ने मुख्यमंत्री के नाम सौंपा ज्ञापन ,पीड़ित पत्रकार को न्याय दिलाने की मांग

मथुरा। उत्तर प्रदेश एसोसिएशन ऑफ जर्नलिस्ट(उपज) के जिला अध्यक्ष अतुल कुमार जिंदल एवम जिला महासचिव/ प्रवक्ता ठाकुर विष्णु पहलवान के नेतृत्व में जिलाधिकारी के माध्यम से मुख्यमंत्री के नाम जिलाधिकारी प्रतिनिधि एसडीएम प्रीति जैन को ज्ञापन सौंपा` जिला महासचिव / प्रवक्ता ठाकुर विष्णु पहलवान ने कहा कि 10 जुलाई को कस्बा राया में दो पक्षों के मध्य बवाल हो गया था इस घटना की कवरेज के लिए एक निजी चैनल का पत्रकार प्रिंस सोनी घटना स्थल पर गया जहां

घटना स्थल पर मौजूद उपनिरीक्षक मनोज कुमार ने अभद्रता और मारपीट की जिसकी शिकायत पीड़ित पत्रकार ने थाना प्रभारी निरीक्षक राया और क्षेत्रकाधिकारी महावन से की लेकिन कोई कार्यवाही नहीं हुई इसके बाद उत्तर प्रदेश एसोसिएशन ऑफ जर्नलिस्ट (उपाज) पत्रकार संगठन मथुरा को अपने साथ हुई मारपीट की घटना से अवगत करायो जिस पर संज्ञान लेते हुए जिलाध्यक्ष अतुल कुमार जिंदल एवम जिला महासचिव ठाकुर विष्णु पहलवान ने संगठन के साथ जिला मुख्यालय पर मुख्यमंत्री को आईपीएस अधिकारी से जांच कराकर दोषी के विरुद्ध कड़ी कार्यवाही की मांग की जिलाध्यक्ष अतुल कुमार जिंदल ने कहा कि सरकार से पत्रकार सुरक्षा कानून की मांग करता हैं इस दौरान उपज के जिलाध्यक्ष अतुल कुमार जिंदल,जिला महा सचिव ठाकुर विष्णु पहलवान,जिला संगठन मंत्री राज कुमार गुप्ता,जिला उप सचिव वेद प्रकाश सारस्वत, जिला उपाध्यक्ष वीरेंद्र सिंह छौंकर, वरिष्ठ पत्रकार विजय सिंघल,मोइनुद्दीन, प्रिंस सोनी गुलाब सिंह पत्रकार फैजल कुरैशी एवं अन्य पत्रकार मौजूद रहे

डीएम के निर्देशन में चलाया गया बाल श्रम उन्मूलन अभियान

मथुरा । शासन तथा जिलाधिकारी एवं मुख्य विकास अधिकारी के निर्देशन में सहायक श्रमायुक्त एम एल पाल के निर्देश पर भैंस बहोर्रा, डींग गेट, मसानी व छटीकरा पर दिनांक 26/07/2024 को बाल श्रम उन्मूलन अभियान चलाया गया, जिसमें विभिन्न प्रतिष्ठानों का निरीक्षण किया गया। 04 बालश्रमिक खतरनाक प्रक्रिया में काम करते हुए तथा 01 किशोर गैर खतरनाक प्रक्रिया में काम करते पाए गए है। इनके सेवायोजको के विरुद्ध मौके पर नोटिस जारी किया गया। मौके पर बच्चो का वैध आयु प्रमाण पत्र न होने पर आयु निर्धारण हेतु सीएमओ के सामने प्रस्तुत किया गया। आयु निर्धारण के उपरांत उन्हें सुरक्षा व संरक्षा हेतु सी डबल्यू सी के अध्यक्ष श्री राजेश दीक्षित जी के समक्ष प्रस्तुत किया गया। टीम में प्रमुख रूप से श्रम प्रवर्तन अधिकारी एस पी पांडेय, श्रीमती नीलम , प्रकाश चंद, प्रभारी एएचटीयू कर्मवीर सिंह, चाइल्ड लाइन से विरेंद्र, कृष्णा कांस्टेबल अमित एवं महिला कांस्टेबल सुधा उपस्थिति रही। 14 वर्ष से कम उम्र के बच्चो से कार्य करने पर कानून रुपया 50000 तक जुमानें अथवा 3 साल तक जेल अथवा दोनो सजा का प्राविधान है।

केएम विवि में जिला पंचायत अध्यक्ष ने छात्रों को वितरित किए टेबलेट एवं स्मार्ट फोन

मथुरा। छात्रों को तकनीकी रूप से सशक्त बनाने के लिए आज स्वामी विवेकानंद युवा तकनिकी सशक्तिकरण योजना के अंतर्गत केएम विश्वविद्यालय में आईटीआई, नर्सिंग एवं फार्मेसी के विद्यार्थियों को टेबलेट स्मार्ट फोन वितरण किए गए।

केएम विश्वविद्यालय के लैक्चर थियरेटर में टैबलेट वितरण कार्यक्रम में आईटीआई फार्मेसी नर्सिंग के 125 छात्रों को टैबलेट जिला पंचायत अध्यक्ष एवं विवि के कुलाधिपति किशन चौधरी, मुख्य विकास अधिकारी मनीष मीना, तहसीलदार रवेन्द्र कुमार, केएम के वाइस चासंलर डा. डीडी गुप्ता, रजिस्टार पूरन सिंह, राजकीय आईटीआई नंदगांव के प्राचार्य ध्रुव मग्गू ने छात्रों को वितरण किए। टैबलेट पाकर छात्रों के चेहरे खुशी से खिल उठे।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जिला

पंचायत अध्यक्ष किशन चौधरी ने कहा सरकार की मंशा है कि छात्र-छात्राओं को टेबलेट के जरिए अपनी शिक्षा को आगे कामयाब करने के लिए कोई दिक्कत न हो, इसलिए छात्र-छात्राओं के भविष्य को देखते हुए मुख्यमंत्रीजी अपनी घोषणा के आधार पर पूरे प्रदेश में वितरण करवा रहे हैं। सरकार द्वारा दिए गए टेबलेट का सदुपयोग करें फेसबुक, इंट्राग्राम, आदि से दुरापयोग न करें। अच्छी शिक्षा के साथ दीक्षा और संस्कार भी जरूरी है। आप गुरूओं को आदर्श मानते हुए तकनीकी रूप से समृद्ध होकर देश के विकास में सहायक हों, उन्होंने कहा कि विज्ञान व तकनीकी में आप जैसे दक्ष युवा ही भारत के भविष्य का नव निर्माण करेंगे।

मुख्य अतिथि किशन चौधरी ने 125 छात्रों को टैबलेट का वितरण किया।

पेट्रोल पंप से 23 हजार का डीजल भरवाकर भागा कार चालक

कोसीकलां। आगरा-दिल्ली राजमार्ग पर स्थित पेट्रोल पंप से बृहस्पतिवार को कार सवार 23 हजार रुपये कीमत का डीजल भरवाकर भाग निकला। सूचना पर थाना पुलिस व पीआरवी खोजबीन को पहुंची, लेकिन कोई सुराग नहीं लगा। चालक कोटवन-करमन टोल प्लाजा से भी कार को भगा ले गया। पंप मालिक ने घटना की तहरीर थाने में दी है। अग्रसेन नगर निवासी भाजपा नेता तरुण सेठ का रवि फिलिंग स्टेशन पंप है। सेल्समैन गोविंद ने बताया कि पेट्रोल पंप पर एक कार सवार पहुंचा और कार के अंदर रखे 5 डिब्बों में 260 लीटर डीजल भराया। इसके बाद कार में पेट्रोल भराया। करीब 23 हजार का भुगतान करने के लिए कार सवार को बोला। कार सवार को सेल्समैन कार्ड से भुगतान कराने के लिए ऑफिस ले गया।कार सवार ने कहा कि कार्ड कार में रह गया है। वह कार्ड लेकर आ रहा है। कार्ड लेने के बहाने युवक गाड़ी स्टार्ट कर भाग निकला। प्रभारी निरीक्षक अजीत सिंह ने बताया कि कार पर लगी नंबर प्लेट फर्जी भी हो सकती है। राजमार्ग पर विभिन्न प्रतिष्ठानों पर लगे सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं।

वेटनरी विवि में टेबलेट वितरण समारोह का आयोजन

मथुरा। उत्तर प्रदेश पंडित दीन दयाल उपाध्याय पशु चिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय एवं गौ-अनुसंधान संस्थान के दीन दयाल उपाध्याय सभागार में टेबलेट वितरण समारोह का आयोजन हुआ । यह कार्यक्रम उत्तर प्रदेश में अध्यनरत युवाओं के तकनीकी सशक्तिकरण हेतु, उत्तर प्रदेश सरकार की स्मार्टफोन वितरण योजना के अंतर्गत आयोजित किया गया ।

इस समारोह की अध्यक्षता विधायक, बलदेव, पूरन प्रकाश ने की । अपने अध्यक्षीय भाषण में विधायक ने बताया कि किस प्रकार उत्तर प्रदेश सरकार समय की मांग के अनुरूप विद्यार्थियों को तकनीकी दक्षता प्रदान करने के लिए स्मार्टफोन और टैबलेट के वितरण कर शिक्षा को उत्कृष्ट करने हेतु प्रतिबद्ध है।

इस कार्यक्रम में वेटरनरी विश्वविद्यालय के अलावा कल्याणम करोति तथा रामकली देवी प्राइवेट आईटीआई टाउनशिप के विद्यार्थियों ने भी प्रतिभागी किया ।

बांके बिहारी मंदिर की दूसरी मंजिल से कूदा युवक

मथुरा। मथुरा वृंदावन में स्थित विश्व प्रसिद्ध बांके बिहारी मंदिर की दूसरी मंजिल से एक युवक माखन सिंह उम्र 28 वर्ष निवासी दुसयात मोहल्ला वृंदावन ने कूद कर सुसाइड का प्रयास किया। युवक को शक के आधार पर मंदिर की सुरक्षा में तैनात पुलिसकर्मी और निजी सुरक्षा कर्मियों ने पकड़ लिया। युवक को मंदिर की पहली मंजिल पर बने ऑफिस में ले गए। इसी दौरान युवक सुरक्षा कर्मियों से छूट गया और मंदिर की दूसरी मंजिल से छलांग लगा दी। गनीमत रही कि युवक फूल बंगले के लिए लगाई गई तटीया पर गिरा और बच गया।

भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा मनाएगा भारत रत्न डॉ एपीजे अब्दुल कलाम जी की पुण्यतिथि

मथुरा। डॉ एपीजे अब्दुल कलाम को की नौवीं पुण्यतिथि (वरसी) मनाएगा भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा पूर्व राष्ट्रपति भारत रत्न से भारत रत्न सम्मान से नमाजे जा चुके मिसाइल मैन के नाम से मशहूर डॉ एपीजे अब्दुल कलाम की पुण्यतिथि पर देश में के साथ-साथ उत्तर प्रदेश में कार्यक्रम आयोजित किए जाने को लेकर भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चे के प्रदेश पदाधिकारी, क्षेत्रीय पदाधिकारी एवं प्रदेश के सभी जिला /माहानगर अध्यक्षों की एक वर्चुअल बैठक आयोजित की गई बैठक की अध्यक्षता प्रदेश अध्यक्ष कुंवर बासित अली ने की बैठक के मुख्य वक्ता चौधरी जाकिर हुसैन राष्ट्रीय उपाध्यक्ष एवं उत्तर

प्रदेश प्रभारी ने 27 जुलाई 2024 को कार्यक्रमों के बारे में जानकारी दी कार्यक्रम में प्रदेश संयोजक उत्तर प्रदेश महामंत्री जहीर अब्बास जैदी ने बैठक का संचालन किया।

कार्यक्रम के संयोजक अनस उस्मानी एवं प्रदेश के सभी पदाधिकारी, अवध क्षेत्र के अध्यक्ष मोहम्मद नईम ब्रज क्षेत्र के अध्यक्ष गुरप्रीत सिंह, गोरखपुर क्षेत्र के अध्यक्ष नसरुद्दीन अंसारी, कानपुर क्षेत्र के अध्यक्ष अजीत सिंह छाबड़ा, एवं काशी और पश्चिम के पदाधिकारी और प्रदेश के सभी जिला अध्यक्ष प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

कांग्रेस ने किया शहीदों की पत्नियों का सम्मान

शहीदों के घर पहुंचा प्रतिनिधिमंडल

मथुरा । कारगिल विजय दिवस के अवसर पर क जिला कांग्रेस कमेटी मथुरा के अध्यक्ष चौधरी भगवान सिंह वर्मा के नेतृत्व में कारगिल युद्ध में शहीद हुए सोरन सिंह और रवि करण सिंह के घर पहुंच कर उनके परिवारी जनों को सम्मानित किया गया। कांग्रेस जिला अध्यक्ष ने दोनों वीर नारियों का सम्मान किया है उन्होंने कहा है कि दोनों सेना के जवानों ने आतंकवादियों को अपनी सरहद में घुसने नहीं दिया और उनको मौत के घाट सुला कर खुद शहीद हो गए । दोनो ब्रज के शहीदों को वह आज नमन करते हैं और ईश्वर से प्रार्थना करते हैं कि उनके पारिवारि जनों को शक्ति और संबल प्रदान करें कांग्रेस जिला अध्यक्ष ने कहा की दोनों ही सेना के वीर शहीदों के परिजन आज उनकी स्मृति में कारगिल के उन दोनों को याद करते है।

जब वह सीमा पर युद्ध लड़ रहे थे। कांग्रेस जिला अध्यक्ष ने कहा का दोनों शहीदों के परिवारों को पर्याप्त सुविधा और सम्मान दिया गया है। शहीद सोरन सिंह के पुत्र सेना में सेवा दे रहे है।

और वह पिता के पद चिन्हों चलकर देशभक्ति की भावना से बहुत ओत प्रोत है। कांग्रेस जिला अध्यक्ष बताया कि वह अपने सभी कांग्रेसी साथियों के साथ शहीदों के घर पहुंचे और शहीदों को नमन किया है।

जिला अध्यक्ष चौधरी भगवान सिंह वर्मा ने कहा कि मोदी सरकार ने अग्नि वीर पॉलिसी लाकर भारत की सेना को कमजोर करने का काम किया है देश की जनता हमारे देश में सेवा में भर्ती होने के लिए देश के युवा तत्पर रहते थे ।

तथा देश की सेवा करना अपना धर्म समझते थे लेकिन मोदी ने युवाओं के साथ विश्वास घात किया है जिसे हमारे देश की जनता कभी माफ नहीं करेगी कांग्रेस पार्टी की सरकार आने पर अग्नि वीर योजना को खत्म किया जाएगा पूर्व की तरह सेना में सभी सुविधाओं के साथ-साथ पहले की तरह नौकरी पक्की की जाएगी।

साल 2022-23 में 10 में से 7 लोग इंट्राडे ट्रेडिंग में नुकसान में रहे

- इंट्राडे ट्रेडिंग शेयर खरीदने-बेचने वालों की संख्या में भी बहुत ज्यादा बढ़ोतरी देखी गई

नई दिल्ली ।

सेबी के एक अध्ययन में बताया गया कि साल 2022-23 में 10 में से 7 लोगों ने इक्विटी कैश सेगमेंट में इंट्राडे ट्रेडिंग से नुकसान उठाया। वहीं इसी दौरान इंट्राडे ट्रेडिंग शेयर खरीदने-बेचने वाले लोगों की संख्या में भी बहुत ज्यादा बढ़ोतरी देखी गई है। साल 2018-19 के मुकाबले ये संख्या तीन गुनी से ज्यादा हो गई है। रिपोर्ट के मुताबिक जिन लोगों को शेयर बाजार में नुकसान हो रहा है वे ज्यादा कारोबार कर रहे हैं। इसके अलावा 30 साल से कम उम्र के युवाओं की संख्या भी शेयर बाज़ार में तेज़ी से बढ़ रही है। शेयर बाज़ार का नियमन करने वाली संस्था सेबी ने यह रिपोर्ट हाल ही में जारी की। इसमें साल 2018-19, 2021-22 और 2022-23 के आंकड़ों का अध्ययन किया गया है। इसमें कोरोना काल भी शामिल है। इस रिपोर्ट के लिए देश के टॉप 10 ब्रोकरेज हाउस के ग्राहकों के आंकड़ों का उपयोग किया गया है। इन 10 ब्रोकरेज हाउस के पास देश के कुल शेयर बाज़ार ग्राहकों का लगभग 86 फीसदी हिस्सा है।

इस रिपोर्ट को कई जानकारों ने देखा और सुझाव दिए हैं। रिपोर्ट में बताया गया है कि हर तीन में से एक व्यक्ति शेयर बाज़ार में इंट्राडे ट्रेडिंग करता है। इसके अलावा, इस तरह के ट्रेड में 30 साल से कम उम्र के युवाओं की संख्या तेज़ी से बढ़ रही है। साल 2018-19 में ये संख्या 18 फीसदी थी, जो अब बढ़कर 48 फीसदी हो गई है। अगर कोई व्यक्ति बहुत ज्यादा कारोबार करता है तो उसके नुकसान होने की संभावना और भी बढ़ जाती है। ऐसे लोगों में से 80 फीसदी लोग घाटे में रहे हैं। साल 2022-23 में नुकसान उठाने वाले लोगों ने अपने नुकसान का 57 फीसदी हिस्सा कारोबार के खर्चों में लगाया, जबकि मुनाफा कमाने वालों ने अपने मुनाफे का सिर्फ 19 फीसदी हिस्सा खर्च किया। इसके अलावा कम उम्र के लोगों में नुकसान उठाने वालों की संख्या ज्यादा है।

रियलमी की 13 प्रो सीरीज 5जी जल्द होगी पेश

-कई खूबियों से भरपूर है यह स्मार्टफोन

नई दिल्ली ।

अपने 13 प्रो सीरीज 5जी के अपकमिंग लॉन्च के साथ, रियलमी एक्सीलेंस की गारंटी दे रहा है। ब्रांड का प्राइमरी फोकस सभी सेगमेंट में अपने प्रोडक्ट की क्वालिटी में सुधार करना है। 13 प्रो सीरीज 5जी के साथ, रियलमी का लक्ष्य न केवल प्रभावशाली जानकारी देना है, बल्कि क्वालिटी की नींव पर निर्मित प्रीमियम स्मार्टफोन एक्सपीरियंस प्रदान करना है, जो खास तौर से मिड-हाई सेगमेंट में कस्टमर्स की जरूरतों और डिमांड को पूरा करता है। बेहतर क्वालिटी वाले स्मार्टफोन और बेहतर एक्सपीरियंस प्रदान कर रियलमी का लक्ष्य मिड-हाई स्मार्टफोन मार्केट में अपनी स्थिति को मजबूत करना है। रियलमी एक ऐसे भविष्य की कल्पना करता है जहां बैटरी की परेशानी न हो, एक ऐसा भविष्य जो ज्यादा कैपेसिटी, स्मार्ट पावर मैनेजमेंट और ऐसी टेक्नोलॉजी से संचालित हो जो आपके लाइफ के साथ चलती रहे। यह केवल परफॉर्मेंस के बारे में नहीं है, यह मजबूती के बारे में है। रियलमी ऐसे डिवाइस बनाने का प्रयास करता है, जो टिकाऊ और पावरफुल हो, जो डेली लाइफ की परेशानियों को आसानी से हल कर सके। कल्पना कीजिए कि आप अचानक बारिश में फंस गए, आपका फ्यूचर रियलमी स्मार्टफोन, अपनी आईपी65 प्लस रेटिंग के साथ, बारिश को ऐसे झेल जाएगा जैसे कुछ भी नहीं हुआ हो। फ्यूचर रियलमी स्मार्टफोन पानी में गिरने के बाद भी पूरी तरह से काम करते रहेंगे। 13 प्रो सीरीज 5जी इस प्रतिबद्धता का प्रतीक है, जो यूजर्स के फोन गिरने और खरोंच की स्थिति में बचाव करते हुए प्रतिष्ठित एसजीएस फाइव-स्टार फॉल सर्टिफिकेशन का दावा करता है। रियलमी अपने सेल्स सर्विस को अगले लेवल पर ले जा रहा है। 13 प्रो सीरीज 5जी के साथ, रियलमी ने 30-दिन की रिप्लेसमेंट गारंटी पेश की है। रियलमी 13 प्रो सीरीज 5जी 30 जुलाई को लॉन्च होगा, जो ब्रांड की जर्नी में एक नया चैप्टर जोड़ेगा और मिड-हाई स्मार्टफोन मार्केट में क्वालिटी के लिए एक नया स्टैंडर्ड स्थापित करेगा। बता दें कि शुरू के दिनों में जब स्मार्टफोन आए थे तब उनकी टेक्नोलॉजी वैसी नहीं थी जो अब है। पहले ब्लर फोटो और सुस्त परफॉर्मेंस से लेकर कमजोर स्क्रीन और शॉर्ट बैटरी लाइफ आम बात होती थी, लेकिन अब ऐसा नहीं है।

सोना 500 रुपए बढ़कर 67,850, चांदी 81,400 रुपए

नई दिल्ली ।

सोने-चांदी के वायदा भाव में गुरुवार को बड़ी गिरावट के बाद शुक्रवार को सुधार देखने को मिल रहा है। शुक्रवार को दोनों के वायदा भाव तेजी के साथ खुले। सोने के वायदा भाव 67,850 रुपये के करीब, जबकि चांदी के वायदा भाव 81,400 रुपये के करीब कारोबार कर रहे थे। अंतरराष्ट्रीय बाजार में भी सोने व चांदी के वायदा भाव में तेजी देखी जा रही है। सोने के वायदा भाव की शुरुआत आज तेजी के साथ हुई। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का बेंचमार्क अगस्त कॉन्ट्रेक्ट 528 रुपये की तेजी के साथ 67,990 रुपये के भाव पर खुला। इस समय यह 387 रुपये की तेजी के साथ 67,849 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। चांदी के वायदा भाव की शुरुआत आज तेज रही। एमसीएक्स पर चांदी का बेंचमार्क सितंबर कॉन्ट्रेक्ट 331 रुपये की तेजी के साथ 81,662 रुपये पर खुला। इस समय यह 69 रुपये की तेजी के साथ 81,400 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। वैश्विक बाजार में सोने-चांदी के वायदा भाव की शुरुआत तेजी के साथ हुई। कॉमेक्स पर सोना 2,363.80 डॉलर प्रति औंस के भाव पर खुला। पिछला बंद भाव 2,353.50 डॉलर प्रति औंस था। फिलहाल यह 18.80 डॉलर की तेजी के साथ 2,372.30 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था। कॉमेक्स पर चांदी के वायदा भाव 27.99 डॉलर के भाव पर खुले, पिछला बंद भाव 27.97 था। फिलहाल यह 0.04 डॉलर की तेजी के साथ 28.01 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था।

बजट के बाद कई राज्यों में पेट्रोल और डीजल की कीमत घटी

नई दिल्ली ।

केंद्र सरकार के तीसरे कार्यकाल के बजट पेश होने के बाद कई चीजों के दाम में बदलाव देखने को मिला है। वहीं बजट के बाद कई राज्यों में पेट्रोल-डीजल की कीमतों में बदलाव देखने को मिल रहा है। शुक्रवार को भी कई राज्यों में पेट्रोल-डीजल के दाम कम हुए हैं। हालांकि कीमतों में बदलाव आंशिक है। जानकारी के अनुसार उत्तर प्रदेश और बिहार में पेट्रोल-डीजल के दाम में कमी आई है तो दिल्ली, मुंबई, चेन्नई और कोलकाता में आज पेट्रोल और डीजल के भाव में कोई बदलाव नहीं हुआ है। जबकि महाराष्ट्र में कीमतों में बढ़ोतरी देखने को मिली है। दिल्ली में पेट्रोल की कीमत 94.72 रुपये और डीजल की कीमत 87.62 रुपए प्रति लीटर, मुंबई में पेट्रोल की कीमत 103.44 रुपये और डीजल की कीमत 89.97 रुपए प्रति लीटर, कोलकाता में पेट्रोल की कीमत 104.95 रुपये और डीजल की कीमत 91.76 रुपए प्रति लीटर, चेन्नई में पेट्रोल की कीमत 100.75 रुपये और डीजल की कीमत 92.34 रुपए प्रति लीटर है। बिहार में पेट्रोल 3 पैसे घटकर 107.09 रुपए प्रति लीटर और डीजल 3 पैसे घटकर 93.81 रुपए प्रति लीटर मिल रहा है। यूपी में पेट्रोल 10 पैसे घटकर 94.39 रुपए प्रति लीटर और डीजल 11 पैसे घटकर 87.44 रुपए प्रति लीटर मिल रहा है। वहीं महाराष्ट्र में पेट्रोल-डीजल महंगा हो गया है। यहां पेट्रोल 1 रुपए 22 पैसे बढ़कर 105.09 रुपये प्रति लीटर और डीजल 1 रुपए 17 पैसे घटकर 91.59 रुपए प्रति लीटर मिल रहा है।

1855 करोड़ रुपये जुटाने आईपीओ ला रही ये दवा कंपनी

मुंबई ।

अनुबंध मैन्यूफैक्चरिंग के द्वारा दवा बनाने वाली देश की सबसे बड़ी कंपनी है एकम्स ड्रग्स एंड फार्मास्यूटिकल्स लिमिटेड। दिल्ली की कंपनी ने इनीशियल पब्लिक ऑफर (आईपीओ) के द्वारा प्राथमिक बाजार से 1855 करोड़ रुपये जुटाने की कवायद शुरू की है। इसके लिए बोली लगाने की प्रक्रिया आगामी 30 जुलाई को शुरू होगी। इसमें निवेशक आगामी एक अगस्त तक बोली लगा सकते है। कंपनी ने इसके लिए दो रुपये के शेयर का मूल्य दायरा 646 रुपये से 679 रुपये के बीच तय किया है। एकम्स ड्रग्स एंड फार्मास्यूटिकल्स के प्रोमोटर संजीव और संदीप जैन हैं। इस आईपीओ के द्वारा कंपनी 1866 करोड़ रुपये जुटाने वाली है। इसमें 680 करोड़ रुपये का फ्रेश इश्यू होगा जबकि इसके वर्तमान शेयरहोल्डर्स और प्रोमोटर्स ऑफर फोर सेल के जरिये 1.73 करोड़ शेयर बेच रहे है। यदि प्राइस बैंड के अपर प्राइस के हिसाब से गणना की जाए, तब ओएफएस के जरिये 1175 करोड़ रुपये जुटाये जाएंगे। ओएफएस में संजीव 15.12 लाख शेयर और संदीप जैन भी इतने ही शेयर बेच रहे है। वर्तमान में कंपनी का कुल मार्केट वैल्यू करीब 10,000 करोड़ रुपये है। कंपनी की दो सब्सिडियरी कंपनी है, जिनके नाम हैं मैक्सक्योर नेचुरावेदिक्स और प्योर एंड क्योर हेल्थकेयर। इस आईपीओ से जुटाई गई राशि का उपयोग इन कंपनियों के ऋण को चुकाने में होगा। बाजार नियामक सेबी के पास जमा रिवाइज्ड डॉक्यूमेंट्स के मुताबिक कंपनी ने इश्यू का 75 फीसदी हिस्सा के लिए आरक्षित किया है। इश्यू का 15 फीसदी हिस्सा और 10 फीसदी हिस्सा खुदरा निवेशकों के लिए आरक्षित है। इसमें 15 करोड़ रुपये के शेयर कर्मचारियों के लिए रिजर्व रखा गया है। उन्हें हर शेयर पर 64 रुपये का डिस्काउंट भी मिलेगा। इस आईपीओ में 22 शेयरों का लॉट तय किया गया है। मतलब कि निवेशकों को कम से कम 22 शेयरों के लिए बोली लगानी होगी। इससे ऊपर 22 शेयरों के गुणक में बोली लगाई जा सकती है। इसमें आवदेन करने वालों को अलॉटमेंट का बेसिस दो अगस्त को तय कर दिया जाएगा। इसके बाद असफल आवेदकों को रिफंड भी जारी कर दिया जाएगा। आगामी पांच अगस्त को शेयर अलॉटीज के डीमैट अकाउंट में क्रेडिट कर दिए जाएंगे। आगामी छह अगस्त को एकम्स ड्रग्स के शेयर बीएसई और एनएसई में लिस्ट करा दिए जाएंगे।

टेक महिंद्रा के शेयर छह प्रतिशत गिरे

नई दिल्ली । सूचना प्रौद्योगिकी सेवाप्रदाता टेक महिंद्रा के शेयर में शुक्रवार को लगभग छह प्रतिशत की गिरावट आई। कंपनी की अप्रैल-जून तिमाही की आय में 1.2 प्रतिशत की गिरावट के बाद उसके शेयर में गिरावट आई है। बीएसई पर शेयर 5.52 प्रतिशत गिरकर 1,445.50 रुपये पर आ गया। एनएसई पर यह 5.60 प्रतिशत की गिरावट के साथ 1,444.25 रुपये पर रहा। सेंसेक्स और निफ्टी में सूचीबद्ध कंपनियों में सबसे अधिक गिरावट कंपनी के शेयर में ही आई। टेक महिंद्रा ने शेयर बाजार को अप्रैल-जून तिमाही के इस वित्तीय नतीजे की सूचना दी थी। उसके अनुसार चालू वित्त वर्ष 2024-25 की पहली तिमाही में उसका मुनाफा 23 प्रतिशत बढ़कर 851 करोड़ रुपये पर पहुंच गया है। हालांकि, आलोच्य अवधि में कंपनी का राजस्व सालाना आधार पर 1.2 प्रतिशत घटकर 13,005 करोड़ रुपये रहा।

मारुति सुजुकी ने इगनिस का नया मॉडल लांच किया

नई दिल्ली । मारुति सुजुकी ने ऑल्टो से लेकर बलेनो तक कई हैचबैक कार को बाजार में उतारा है। इन हैचबैक कार के लाइनअप में इगे निस मॉडल भी शामिल है, जिसे कई लोग मारुति की यूरोपियन कार कहते हैं। इगे निस मॉडल को मारुति ने भारतीय बाजार में साल 2017 में लॉन्च किया था। पिछले कुछ सालों में इसकी सेल में गिरावट देखी गई। इसी गिरावट को रोकने के लिए अब मारुति ने इगे निस के नए रेडिएंस संस्करण को बाजार में लॉन्च किया है जो कि अपने रेगुलर मॉडल से लगभग 35 हजार रुपये सस्ता है। कार में मस्कुलर बोनट, प्रोजेक्टर हेडलैंप, रूफ रेल्स और सिल्वर स्किड प्लेट्स है, वहीं यह 15 इंच के स्पोर्टी डुअल टोन अलॉय व्हील्स के साथ आती है। वहीं कार में आपको एप्पल कारप्ले और एंड्रॉइड ऑटो के साथ 7 इंच का टचस्क्रीन इंफोटेनमेंट सिस्टम, ऑटोमेटिक क्लाइमेट कंट्रोल, ड्राइवर सीट के हाइट एडजेस्टर के साथ और भी कई फीचर्स मिलते हैं। वहीं कार की सेफ्टी के लिए इसमें डुअल फ्रंट एयरबैग, रियर पार्किंग कैमरा, इलेक्ट्रॉनिक स्टेबिलिटी कंट्रोल, इलेक्ट्रॉनिक ब्रेकफोर्स डिस्ट्रीब्यूशन के साथ एंटी लॉक ब्रेकिंग सिस्टम और रियर पार्किंग सेंसर मिलता है। कंपनी का कहना है कि ये कार 20.89 किमी प्रति लीटर तक का माइलेज देने में सक्षम है।

डीएलएफ मुनाफा बढ़कर 645.61 करोड़ हुआ

मुंबई । चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में डीएलएफ का मुनाफा 23 प्रतिशत बढ़कर 645.61 करोड़ रुपये हो गया। एक साल पहले इसी तिमाही में उसका मुनाफा 527 करोड़ रुपये था। रियल एस्टेट क्षेत्र की प्रमुख कंपनी डीएलएफ की बिक्री बुकिंग चालू वित्त वर्ष 2024-25 की पहली तिमाही में तीन गुना होकर 6,404 करोड़ रुपये हो गई। लक्जरी आवास संपत्तियों की मजबूत मांग से यह वृद्धि दर्ज की गई। कंपनी ने पिछले वित्त वर्ष 2023-24 की पहली तिमाही में 2,040 करोड़ रुपये की संपत्ति बेची थी। डीएलएफ ने समूचे वित्त वर्ष 2024-25 के लिए 17,000 करोड़ रुपये की बिक्री बुकिंग हासिल करने का लक्ष्य रखा है। पिछले वित्त वर्ष 2023-24 में उसने करीब 15,000 करोड़ रुपये की बिक्री बुकिंग हासिल की थी। कंपनी की नवीनतम निवेशक प्रस्तुति के अनुसार, अप्रैल-जून तिमाही में कंपनी की बिक्री बुकिंग में वृद्धि की मुख्य वजह गुरुग्राम के सेक्टर 76/77 में स्थित लक्जरी परियोजना डीएलएफ प्रिवाना वेस्ट रही जिसमें 5,600 करोड़ रुपये की बिक्री हुई। डीएलएफ ने बताया कि चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में उसका मुनाफा 23 प्रतिशत बढ़कर 645.61 करोड़ रुपये हो गया। एक साल पहले इसी तिमाही में उसका मुनाफा 527 करोड़ रुपये था। अप्रैल-जून अवधि में कुल आय बढ़कर 1,729.82 करोड़ रुपये हो गई। पिछले वर्ष इसी अवधि में यह 1,521.71 करोड़ रुपये थी। डीएलएफ भारत का अग्रणी रियल एस्टेट डेवलपर है और इसका सात दशकों से अधिक का सफल रिकॉर्ड है।

शेयर बाजार तेजी के साथ बंद

सेंसेक्स 1,293 , निफ्टी 428 अंक ऊपर आया

मुम्बई (ईएमएस)। घरेलू शेयर बाजार शुक्रवार को तेजी के साथ बंद हुआ। सप्ताह के अंतिम कारोबारी दिन बाजार में ये उछाल दुनिया भर से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही दिग्गज कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज के शेयरों में आये उछाल से आया है। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 1,292.92 अंक करीब 1.62 फीसदी ऊपर आकर 81,332.72 पर बंद हुआ। वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 428.75 अंक तकरीबन 1.76 फीसदी बढ़कर 24,834.85 के शीर्ष स्तर पर बंद हुआ।

आज के कारोबार में सेंसेक्स के 29 शेयर लाभ पर बंद हुए। भारती एयरटेल, अदाणी पोर्ट्स, टाटा स्टील, जेएसडब्लयू स्टील और इंफोसिस सेंसेक्स के शेयर सबसे अधिक लाभ में रहे। भारती एयरटेल 4.51 फीसदी से ज्यादा की बढ़त के साथ सबसे अधिक लाभ में रही। इसके अलावा सन फार्मा, एचसीएल टेक, एमएंडएम, आईटीसी, टाटा मोटर्स, टाइटन, कोटक बैंक, अल्ट्राटेक सीमेंट, बजाज फाइनैंस, एसबीआई, इंडसइंड, एशियन पेंट्स, टीसीएस, पावर ग्रिड, एलएंडटी, मारुति, रिलायंस, एनटीपीसी, आईसीआईसीआई बैंक, बजाज फिनसर्व, टेक महिंद्रा, एक्सिस बैंक, एचयूएल और एचडीएसफसी बैंक के शेयर भी लाभ में रहे।

वहीं, दूसरी तरफ सेंसेक्स के 30 शेयरों में से केवल एक शेयर ही नुकसान पर बंद हुआ। ये शेयर नेस्ले इंडिया का था। इसमें 0.07 फीसदी की हल्की गिरावट रही।

वहीं दुनिया भर के बाजारों की बात करें तो एशियाई बाजारों में, सियोल, शंघाई और हांगकांग ऊपर आये जबकि टोक्यो में गिरावट रही। यूरोपीय बाजार भी ऊपर आया है। गत दिवस अमेरिकी बाजार में गिरावट रही।

विदेशी संस्थागत निवेशकों ने गत दिवस 2,605.49 करोड़ रुपये के शेयर बेचे।

वहीं गत दिवस बाजार गिरावट पर बंद हुआ था।

इससे पहले आज सुबह बाजार सकारात्मक रुख के साथ खुला और सेंसेक्स 119 अंक चढ़कर 80,158 पर जबकि निफ्टी-50 भी 17 अंक की बढ़त लेकर 24,423 अंक पर पहुंच गया। बीएसई सेंसेक्स की कंपनियों में टेक महिंद्रा 2 फीसदी से ज्यादा गिर गया। साथ ही इंडसइंड बैंक, मारुति और एलएंडटी के शेयर भी गिरावट में रहे जबकि भारती एयरटेल 2 फीसदी बढ़ गया।

शोभा लिमिटेड में पांच फीसदी हिस्सेदारी बेचेगी अनामुडी

नई दिल्ली । गोदरेज परिवार की कंपनी अनामुडी रियल एस्टेट्स बेंगलुरू स्थित शोभा लिमिटेड में अपनी पांच प्रतिशत हिस्सेदारी बेचने पर विचार कर रही है। इसकी मौजूदा बाजार कीमत करीब 1,000 करोड़ रुपये बताई जा रही है। शेयरधारिता के अनुसार अनामुडी रियल एस्टेट्स की शोभा लिमिटेड में 9.99 प्रतिशत हिस्सेदारी है। शोभा लिमिटेड का कुल बाजार पूंजीकरण करीब 20,000 करोड़ रुपये है। सूत्रों के अनुसार गोदरेज परिवार ने शोभा लिमिटेड में अनामुडी रियल एस्टेट्स की कुल हिस्सेदारी का आधा हिस्सा बेचने के लिए बैंकरों की नियुक्ति की है। शेयरों की बिक्री शुक्रवार को शेयर एक्सचेंज पर ब्लॉक समझौते के जरिए किए जाने की संभावना है।

सनस्टार का शेयर 15 प्रतिशत उछाल के साथ सूचीबद्ध

नई दिल्ली । पेड़-पौधों से विशेष उत्पाद बनाने वाली कंपनी सनस्टार लिमिटेड का शेयर निर्गम मूल्य 95 रुपये से करीब 15 प्रतिशत उछाल के साथ शुक्रवार को शेयर बाजार में सूचीबद्ध हुआ। बीएसई पर शेयर ने निर्गम मूल्य से 12 प्रतिशत की बढ़त के साथ 106.40 रुपये पर कारोबार शुरू किया। इसके बाद यह 33.15 प्रतिशत की बढ़त के साथ 126.50 रुपये पर पहुंच गया। एनएसई पर इसने 14.73 प्रतिशत की बढ़त के साथ 109 रुपये पर कारोबार शुरू किया। कंपनी को निर्गम के आखिरी दिन मंगलवार को 82.99 गुना अभिदान मिला था। इसके 510 करोड़ रुपये के आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के लिए मूल्य दायरा 90 से 95 रुपये प्रति शेयर तय था।

मैनकाइंड फार्मा 13,630 करोड़ में भारत सीरम्स खरीदेगी

नई दिल्ली। मैनकाइंड फार्मा ने कहा कि वह लगभग 13,630 करोड़ रुपये में भारत सीरम्स एंड वैक्सीन्स का पूर्ण अधिग्रहण करेगी। मैनकाइंड फार्मा ने एक बयान में कहा कि कंपनी ने लगभग 13,630 करोड़ रुपये के उद्यम मूल्य पर भारत सीरम्स एंड वैक्सीन्स (बीएसवी) में 100 प्रतिशत हिस्सेदारी हासिल करने के लिए समझौता किया है। वह एडवेंट इंटरनेशनल से यह हिस्सेदारी हासिल करेगी। कंपनी ने कहा कि यह रणनीतिक कदम मैनकाइंड फार्मा को भारतीय महिला स्वास्थ्य और प्रजनन दवा बाजार में एक दिग्गज के रूप में स्थापित करने में सहायक होगा।

अदाणी एनर्जी सॉल्यूशंस लिमिटेड का परिचालन राजस्व 47 प्रतिशत बढ़ा

अहमदाबाद ।

अदाणी एनर्जी सॉल्यूशंस लिमिटेड (एईएसएल) ने अप्रैल-जून तिमाही के वित्तीय नतीजे जारी किए। साल-दर-साल आधार पर कंपनी का परिचालन राजस्व 47 प्रतिशत बढ़कर 5,379 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। वहीं, कर भुगतान के बाद का लाभ 315 करोड़ रुपये रहा जो 73 प्रतिशत की जबरदस्त वृद्धि दर्शाता है।

अदाणी समूह की कंपनी ने बताया कि उसका ऑपरेशनल ईबीटीडीए 1,628 करोड़ रहा जो पिछले वित्त वर्ष की पहली तिमाही की तुलना में 29.7 प्रतिशत अधिक है। कंपनी 2050 तक नेट जीरो का लक्ष्य हासिल करने के लिए दहानू पावर प्लांट को अलग कर रही है। अदाणी एनर्जी सॉल्यूशंस के प्रबंध निदेशक अनिल सरदाना ने कहा, एईएमएल और एमयूएल के अपने वितरण क्षेत्रों में बिजली की मांग में तेज बढ़ोतरी के साथ एईएसएल की नई लाइनों की कमीशनिंग पर लगातार फोकस कर रहा है। मुंबई में नवीकरणीय ऊर्जा की पहुंच 37 प्रतिशत हो चुकी है।

कंपनी ने बताया कि राजस्व में तेज वृद्धि के कारकों में परिचालन में शामिल नई ट्रांसमिशन परिसंपत्तियों का योगदान, निर्माणाधीन परियोजनाओं में अतिरिक्त लाइनों को जोड़ना और मुंबई तथा मुंद्रा के वितरण कारोबार में बिजली की मांग बढ़ने से बेची गई यूनिटों में बढ़ोतरी और स्मार्ट मीटरिंग कारोबार से प्राप्त आय शामिल है।

कंपनी ने बताया कि मुंबई के वितरण कारोबार में बिजली की मांग आठ प्रतिशत बढ़ी। वहीं, डिस्ट्रीब्यूशन लॉस 5.18 प्रतिशत के निचले स्तर पर रहा और विश्वसनीय तथा सस्ती बिजली आपूर्ति के कारण नये उपभोक्ताओं के जुड़ने से उपभोक्ताओं की कुल संख्या 32 लाख पर पहुंच गई। ट्रांसमिशन सेगमेंट में हाल की तिमाहियों में कंपनी की पाइपलाइन में कई परियोजनाएं शामिल हुई हैं और ट्रांसमिशन परियोजनाओं के लिए उसका ऑर्डर बुक 17 हजार करोड़ रुपये पर पहुंच गया है। कंपनी ने बताया कि पूरे देश में बढ़ती ऊर्जा मांग के अनुरूप अदाणी इलेक्ट्रिसिटी मुंबई में बिजली की मांग (बेची गई इकाई) वित्त वर्ष 2024-25 की पहली तिमाही में साल-दर-साल आधार पर आठ प्रतिशत बढ़कर 296.2 करोड़ इकाई पर पहुंच गई।

टाटा पावर ने बैंक ऑफ इंडिया के साथ की साझेदारी

नई दिल्ली । टाटा पावर सोलर सिस्टम्स लिमिटेड (टीपीएसएसएल) ने छतों पर सौर पैनल लगाने और इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) चार्जिंग स्टेशनों की स्थापना के लिए बैंक ऑफ इंडिया (बीओआई) के साथ साझेदारी की है। टीपीएसएसएल की ओर से शुक्रवार को जारी बयान के अनुसार यह साझेदारी एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है, क्योंकि टाटा पावर सोलर सौर और ईवी चार्जिंग स्टेशन वित्तपोषण दोनों के लिए बीओआई के साथ सहयोग करने वाली पहली सौर कंपनी बन गई है। कंपनी ने इसके साथ ही हरित ऊर्जा समाधान प्रदाता के रूप में अपने नेतृत्व को मजबूत किया है। यह सहयोग छतों पर सौर पैनल स्थापित करने को बढ़ावा देने के लिए सरकार की पहल का समर्थन करता है।

सदस्यता जाने पर बोले सुनील सिंह- CM के दबाव में कार्रवाई

पटना। राजद एमएलसी और राबड़ी देवी के मुंहबोले भाई सुनील सिंह को विधान परिषद से बर्खास्त कर दिया गया है। विधान परिषद की आचार समिति की अनुशंसा पर ये कार्रवाई हुई है। रामबचन राय ने सुनील सिंह की बर्खास्तगी का प्रस्ताव पेश किया, जो ध्वनि मत से पास हुआ। साथ ही राजद एमएलसी कारी सोहेब को दो दिन के लिए निलंबित किया गया है। सोहेब ने पहले ही माफी मांग ली थी। सुनील सिंह ने माफी नहीं मांगी थी। वहीं कार्रवाई को लेकर सुनील सिंह ने कहा कि सीएम के दबाव में ये कार्रवाई हुई है। मिमिक्री करना

अपराध नहीं है। एक ने लोकसभा सदस्य बनने के लिए और दूसरे ने उपसभापति बनने की लिए ऐसी रिपोर्ट दी है। सुनील सिंह का इशारा देवेश चंद्र ठाकुर और रामबचन राय की ओर था। सुनील सिंह ने कहा कि मुझे बोलने तक नहीं दिया गया। उन्होंने सीएम पर कार्रवाई की मांग भी की। इससे पहले गुरुवार को उन्हें बिस्कोमान अध्यक्ष पद से हटा दिया गया था। आचार समिति ने की थी कार्रवाई की अनुशंसा विधान परिषद की आचार समिति ने सुनील सिंह पर कार्रवाई की अनुशंसा की थी। इसमें कहा गया था कि वे लगातार सदन के अंदर 4 बैठकों में शामिल नहीं हुए हैं। 5वीं बैठक में वे आए, लेकिन अपने ऊपर लगे आरोपों पर कोई जवाब नहीं दिया। इसके साथ ही अनुशंसा पत्र में कहा गया है कि वे लगातार सदन के नेता, यानी मुख्यमंत्री के खिलाफ बयानबाजी करते आ रहे हैं। उनका व्यवहार भी असंसदीय और लोकतंत्र के खिलाफ है। ऐसे में क्यों ना विधान परिषद से उनकी सदस्यता खत्म कर दी जाए। इसके जवाब में सुनील कुमार सिंह ने कहा कि मेरे खिलाफ प्रतिवेदन तैयार करने में उन लोगों ने काफी मेहनत की है। सदन में गरीबों, किसानों, वंचितों, बेरोजगारों की आवाज नहीं उठ सके, इसलिए यह किया गया है। बर्खास्तगी के बाद राजद एमएलसी सुनील कुमार सिंह ने कहा कि लालू प्रसाद यादव और तेजस्वी यादव आगे निर्णय लेंगे कि मुझे क्या करना है। उन्होंने कहा कि कार्य संचालन का वीडियो निकाल कर देख लीजिए मैंने किसी तरह की मिमिक्री नहीं की है। मिमिक्री अपराध नहीं है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी मिमिक्री की थी। मेरे ऊपर लगाया गया आरोप फर्जी है। यह साबित नहीं हो रहा है। किसी भी तरह से किसी व्यक्ति को सदन से बाहर किया जा सकता है लेकिन सड़क से बाहर नहीं किया जा सकता। मेरी आवाज अब सड़क से उठेगी और नीतीश कुमार के कानों को भेद कर उनके दिमाग तक जाएगी।आगे कहा कि महिलाओं को कई बार नीतीश कुमार ने अपमानित करने का काम किया है। अपने आचरण के लिए माफी तो मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को मांगनी चाहिए । मैं नियमावली के विरुद्ध कभी नहीं गया। इसके बावजूद सीएम के दबाव में कार्रवाई की गई है। 19 अप्रैल को ही मुझे हटाने की पटकथा लिखी जा चुकी थी। नियमावली के विरुद्ध मेरी सदस्यता रद्द की गई है। इस पर कोई चर्चा तक नहीं कराई गई। मैंने डाक के जरिए अपना जवाब भेजा लेकिन उसे भी लौटा दिया जाता था। उन्होंने कहा कि किसी को डिप्टी स्पीकर बनने का लोभ दिया गया और किसी को लोकसभा जाने का। चौधरी ने पूछा कि रामबली चंद्रवंशी, एक अतिपिछड़ा एमएलसी की सदस्यता क्यों रद्द हुई थी।

मामी पर जानलेवा हमला करने वाले भांजे को आजीवन कारावास

बक्सर। के राजपुर थाना क्षेत्र के अकबरपुर पंचायत में ओड़वार गांव में तीन साल पहले अपनी ही मामी पर जानलेवा हमला करने वाले भांजे को बक्सर न्यायालय ने आजीवन कारावास की सजा सुनाई है।मामले में सुनवाई करते हुए अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश द्वितीय विजेन्द्र कुमार ने आरोपी युवक राजेश सिंह को उम्र कैद और 10 हजार रुपए जुर्माना की सजा सुनाई है। अपर लोक अभियोजक गोपाल राम और आनंद कुमार ने बताया कि 22 अक्टूबर 2021 को राजपुर थाना क्षेत्र के ओड़वार गांव के कमलेश सिंह ने एफआइआर दर्ज कराया था। कमलेश सिंह ने पुलिस को बताया था कि उसके पाटीदार चाचा विंध्याचल सिंह ने ग्राम देल्हुआ थाना दिनारा के रहने वाले अपने भगना राजेश सिंह की शादी अगुआ बनकर कराई थी। शादी के बाद राजेश सिंह को दो बच्चे भी हुए थे, हालांकि वह पत्नी के साथ मारपीट करता था। विवाद के कारण पत्नी अपने बच्चों को लेकर मायके चली गई। इसके बाद फिर वापस नहीं लौटी। इससे राजेश काफी नाराज रहता था। वह अपने मामा से शिकायत करता था कि उनकी ही कराई शादी है और पत्नी उसकी बात नहीं मान रही है। इसके साथ ही वह धमकी देता था कि उसकी पत्नी ससुराल नहीं लौटी तो वह मामी की हत्या कर देगा। घटना के दिन जब महिला शौच के लिए बाहर गई तभी पहले से घात लगाकर बैठे राजेश ने गड़ासे से मामी का एक हाथ काट दिया और चेहरे पर भी वार कर घायल कर दिया। तभी से मामला कोर्ट में चल रहा था।

हनी ट्रैप मामले में चार बदमाश गिरफ्तार कार सहित बाइक बरामद

जमुई। के झाझा थाना अंतर्गत मछिंद्रा जखराज बाबा मंदिर के पास से दो व्यवसायी को हनी ट्रैप मामले में फरार चल रहे चार अपहरणकर्ताओं को पुलिस ने छापेमारी अभियान चलाकर गिरफ्तार किया है। जिसके पास से पुलिस ने अपहरण में इस्तेमाल किए गए एक ऑल्टो कार, दो बाइक सहित अन्य सामान बरामद किया है। बता दे की 22 जुलाई को 1

बजे दिन में कुख्यात अपराधी धर्मा पासवान के द्वारा दो व्यवसायी को एक महिला के जरिए पहले उसे मिलने के लिए झाझा के मछिंद्रा जखराज बाबा मंदिर के पास बुलाया था। जहां हथियार के बल पर दोनों व्यवसायी को थार वाहन के साथ अगवा कर लिया था। हालांकि अपहरण कर जब अपहरणकर्ता व्यवसायी को अपहरण कर बांका की ओर भाग रहा था। तभी डुमरहार के पास थार वाहन का तेल खत्म हो जाने के बाद अपहरणकर्ता जब दोनों व्यवसायी को दो बाइक पर सवार कर उसे बांका की ओर ले जा रहा था। तभी ग्रामीणों की नजर पड़ी थी और घेराबंदी कर ग्रामीणों ने दोनों अपहरण कर्ताओं को पकड़ लिया था और उसे बंधक बनाकर उसकी जमकर पिटाई कर दी थी। जो धर्मा पासवान गिरोह के संपर्क में थी। जिसके द्वारा हथियार के बल पर अगवा कर लिया गया था।

नालंदा से मुखिया पति किडनैप नवादा में मिला शव

नालंदा। में अपराधियों ने मुखिया पति का अपहरण किया। फिर नवादा में उसका शव मिला। गाड़ी के अंदर ही अपराधियों ने पीट-पीटकर उसके हाथ-पैर तोड़े। मृतक की पहचान गिरियक प्रखंड के सतौआ पंचायत की मुखिया ललिता देवी के पति बलवीर यादव उर्फ बालो यादव के रूप में हुई। भाई किशोर यादव ने बताया कि उसके सामने ही करीब 12 अपराधियों ने किडनैप किया और गाड़ी में बैठाकर ले गए। वो महज सौ मीटर की दूरी पर ही थे। जब तक वो अपने भाई को बचाते अपराधी मुखिया पति को लेकर फरार हो गए। सूचना पर पुलिस 2 मिनट में ही पहुंचे और अपराधियों का पीछा करने लगी। 3 घंटे तक

पुलिस अपराधी के पीछे-पीछे घूमते रही। अपराधी दूसरी तरफ निकल गए थे। पुलिस ने आशंका जताई कि वे लोग झारखंड की ओर निकले होंगे, इसलिए पुलिस रजौली बॉर्डर की ओर चली गई। इस बीच अपराधियों ने उनकी हत्या कर दी। बलवीर यादव का अपहरण गिरियक प्रखंड के आदमपुर हाईस्कूल के पास हुआ। बाद में मोबाइल लोकेशन से शव नवादा के वारसलीगंज थाना क्षेत्र के टाटी मिरबिगहा गांव के पास मिला है। भाई ने बताया कि चुनावी रंजिश में हत्या की गई है। परिजनों ने 12 लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई है। अपराधी दो कार से आए थे। एक गाड़ी काली रंग की थी और दूसरी सफेद। मृतक के भाई किशोर यादव ने कहा कि गुरुवार शाम मैं अपने भाई के पीछे ही था। कुछ सामान लेने के लिए मैं रुका था। इसी दौरान मैंने देखा कि भाई के साथ कुछ लोग धक्का-मुक्की कर रहे हैं। मैं अपने भाई की मदद के लिए उनके पास जाता, इससे पहले वे लोग भाई को गाड़ी में बैठाकर कतरीसराय रोड की तरफ निकल गए। पुलिस को सूचना दी। परिजन का आरोप लगा है कि गांव के ही गोरेलाल यादव और उनके बेटे नीतीश कुमार ने अपहरण कर हत्या की घटना को अंजाम दिया है। दोनों के बीच पुराना चुनावी विवाद था। बलवीर यादव के शरीर पर जगह-जगह जख्म के निशान हैं। शव मिलने की सूचना पर मौके पर भारी संख्या में मुखिया पति के समर्थक जुट गए। नवादा पुलिस के अलावा नालंदा पुलिस भी घटनास्थल पर पहुंच जांच में जुट गई। सौंप दिया गया। राजगीर डीएसपी प्रदीप कुमार ने बताया कि कुल 12 लोगों के खिलाफ गिरियक थाना में नामजद प्राथमिकी दर्ज कराई गई है।

संक्षिप्त डायरी

सीतामढ़ी में परिवार को पुपरी रेलवे स्टेशन छोड़ने आया था युवक 2 जवान सस्पेंड

सीतामढ़ी। में जीआरपी के जवानों ने एक युवक को इतना पीटा कि उसकी आंत बाहर आ गई। गुरुवार रात मोहम्मद फुरकान अपने परिजन को छोड़ने के लिए पुपरी रेलवे स्टेशन आया था। इस दौरान मुंबई जाने वाली कर्म भूमि एक्सप्रेस में भीड़ होने कारण अफरा-तफरी का माहौल हो गया। भीड़ ज्यादा थी और सभी ट्रेन में चढ़ने की कोशिश में थे। इसी दौरान फुरकान के परिवार के लोगों का सीट को लेकर दूसरे पैसेंजर से विवाद हो गया। इसी दौरान भीड़ को कंट्रोल करने के लिए जीआरपी के जवान आए और लोगों को बाहर निकालने के लिए लाठियां बरसानी शुरू कर दी। परिजन का आरोप है कि 4 से 5 पुलिसवाले मिलकर स्टेशन पर फुरकान को बुरी तरह से पीट रहे थे। पिटाई के बाद उसकी आंत बाहर आ गई। परिजन के मुताबिक, युवक का कुछ दिन पहले ही ऑपरेशन हुआ था। इस घटना के बाद स्टेशन पर हंगामा शुरू हो गया। लोगों ने वहां तोड़-फोड़ शुरू कर दी। मामले में 4 संदिग्धों को हिरासत में लिया गया है। वहीं दो जवानों को भी सस्पेंड किया गया है। घटना जिले के पुपरी रेलवे स्टेशन की है। घायल फुरकान के परिजन मोहम्मद नासिर ने बताया कि ट्रेन की जनरल बोगी में वो अपनी फैमली को चढ़ाने गया था। इस दौरान सीट को लेकर वहां मौजूद लोगों के बीच विवाद हो गया। इसके बाद वहां 5 पुलिसवाले मौके पर पहुंच गए। उन्होंने सीधे फुरकान को मारना शुरू कर दिया। करीब 3 पुलिसकर्मी युवक को मार रहे थे। तब तक हम वहां पहुंचे और उसे छुड़ाया। कहा की उसके पेट का ऑपरेशन हुआ है, लेकिन उन्होंने नहीं छोड़ा और उसे मारते हुए रेलवे ऑफिस तक ले गए। वहां तक की लड़के ने भी बताया कि मेरा ऑपरेशन हुआ है, लेकिन पुलिस ने नहीं सुनी और लगातार मारते रहे। इसके बाद उसे ऑफिस में बंद कर दिया। इस बीच मौके पर मौजूद लोगों ने ऑफिस का शीशा तोड़ना शुरू कर दिया। तब तक पुलिस की लाठी से फुरकान का आंत बाहर आ चुका था। इसके बाद उसके पब्लिक की मदद से सीतामढ़ी में ही पहले अस्पताल में पट्टी करवाया। इसके बाद उसे मुजफ्फरपुर लेकर आए। रात को 3 बजे यहां ऑपरेशन हुआ। अभी उसकी हालत ठीक है। परिजन ने आगे बताया कि दरअसल, 1 साल पहले उसे टॉयलेट और यूरिन करने में समस्या हुई थी। इसके कारण उसका पेट से रास्ता चालू किया गया था। ऑपरेशन मुंबई में हुआ था। जिसकी वजह से पेट पर पुलिस का डंडा पड़ा और आंत बाहर आ गई। इधर, पुलिस का कहना है कि युवक की पिटाई के बाद यात्रियों ने स्टेशन मास्टर के रूम में घुसकर तोड़फोड़ की और वहां मौजूद कर्मी के साथ मारपीट की। इस क्रम में रेल कर्मी गौरव कुमार जख्मी हो गए। प्रदर्शनकारी ने मुख्य गेट के ग्रिल और शीशे को तोड़ दिए। सूचना मिलने पर स्थानीय थाना के थानाध्यक्ष चंद्रभूषण सिंह पुलिस बल के साथ स्टेशन पर पहुंचे और लोगों को शांत कराया। पुलिस ने कुछ लोगों को हिरासत में ले लिया है। इधर, रेल पुलिस ने प्रेस रिलीज जारी कर दो जीआरपी जवानों तत्काल सस्पेंड कर दिया है। वहीं, पूरे मामले की जांच का रेल डीएसपी को निर्देश दिया है। रेल एसपी गौरव मंगलम ने बताया कि 25 जुलाई को पुपरी स्टेशन पर ये घटना हुई थी। ट्रेन नंबर 10545 अप में 2 यात्रियों के बीच सीट को लेकर हिंसक झड़प हो गई थी। इसमें बीच बचाव करने गए GRP के जवानों के साथ भी एक पक्ष के लोगों ने मारपीट की। इसमें 2 पुलिसकर्मी घायल हुए हैं। वहीं एक युवक फुरकान भी घायल हुआ है। इनकी पहले एक सर्जरी हुई थी। पुलिस के साथ झड़प में इस सर्जरी का स्टिच भी खुल गया है। इस घटना के बाद कुछ व्यक्तियों द्वारा स्टेशन परिसर में भी तोड़फोड़ भी की गई है। इस घटना के संबंध में सोशल मीडिया से एक वीडियो सामने आया है। जिसमें पुलिसकर्मी फुरकान के साथ मारपीट कर रहे हैं। फुरकान का फिलहाल इलाज चल रहा है। फुरकान के बयान के अनुसार ~~उन्हें~~ के जवानों ने उनके ऊपर लाठी बरसाई थी। वीडियो में जो 2 पुलिसकर्मी पिटाई करते दिख रहे हैं, उसमें से एक का नाम प्राणी दयानंद पासवान और दूसरा सिपाही गोरेलाल चौकी को निलंबित किया गया है। इस पूरे मामले की सही से जांच के लिए DSRP समस्तीपुर को निर्देश दिया गया है। जांच के बाद कार्रवाई की जाएगी।

शूटर्स को दी गई थी 14 लाख की सुपारी पटना में 7 अपराधी गिरफ्तार

पटना। पुलिस ने शुक्रवार को जेडीयू नेता सौरभ पटेल हत्याकांड का खुलासा कर दिया है। जमीन विवाद में सौरभ की हत्या हुई थी। शूटरों को 14 लाख की सुपारी दी गई थी। पुलिस ने शूटर समेत 7 अपराधियों को हथियार के साथ गिरफ्तार किया है। सिटी एसपी पूर्वी भरत सोनी ने बताया कि पूरी तरह से ब्लाइंड मर्डर केस था। वारदात के ढाई महीने बाद 7 अपराधियों की गिरफ्तारी हुई है। जमीन को लिए पूर्व से विवाद चल रहा था। विवाद का कारण जमीन कारोबार

में घाटा होना था। इसको लेकर आरोपी ने हत्या के लिए शूटरों को हायर किया और 14 लाख की सुपारी दी। उन्होंने आगे कहा कि वारदात के बाद आरोपी पीड़ित परिवार के बीच ही रहता था। ताकि किसी को उस पर शक ना हो। पटना पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए घटनास्थल के आसपास सीसीटीवी को खंगाला। 50 से अधिक लोगों से पूछताछ की गई। उसके बाद मामले का खुलासा हुआ। बता दें, पुनपुन थाना क्षेत्र के बढ़िया कोल गांव के पास 24 अप्रैल को देर रात बदमाशों ने जेडीयू नेता सौरभ कुमार (33) की गोली मारकर हत्या कर दी थी। सौरभ अपने दोस्त मुनमुन के साथ रात 12 बजे के करीब रिसेप्शन पार्टी से लौट रहे थे। इसी दौरान बाइक सवार 4 बदमाशों ने करीब 5 राउंड फायरिंग की। सौरभ कुमार के सिर में 2 गोली लगी। इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। कुमार (33) की गोली मारकर हत्या कर दी है। सौरभ अपने दोस्त मुनमुन के साथ रात 12 बजे कार से एक शादी के

पूर्णिया में तनिष्क शोरूम से 2 करोड़ की लूट

बिहार। के पूर्णिया में शुक्रवार (26 जुलाई) सुबह तनिष्क शोरूम में लूट हुई है। DIG विकास कुमार ने बताया कि अब तक के आकलन के अनुसार दो से तीन करोड़ की यह लूट है। लूट के आंकड़े घट या बढ़ सकते हैं। इस घटना में सात बदमाश शामिल थे। सीसीटीवी कमरे में कैद तस्वीरों के आधार पर उनकी तलाश के लिए छापेमारी की जा रही है। पुलिस सभी बिंदुओं पर जांच कर रही है। जल्दी ही अपराधियों को धर दबोचा जाएगा। DIG विकास कुमार ने कहा है कि लूट से जुड़ी घटना में शामिल बदमाशों के बारे में सूचना देने वालों को तीन लाख रुपए की इनामी राशि दी जाएगी। साथ ही पहचान गुप्त रखा जाएगा। वहीं, शोरूम के स्टाफ ने बताया कि बाइक से आए अपराधियों ने वारदात को अंजाम दिया है। कि पहले 3 बदमाश कस्टमर बनकर शोरूम में दाखिल हुए। गहने खरीदने के बहाने उन्होंने स्टाफ को अपनी बातों में उलझाया।

बेटे ने अपने पिता को 6 बार मारा चाकू

समस्तीपुर। में बेटे ने अपने पिता को चाकू से मार घायल कर दिया। बेटे ने गर्दन, सिर और पीठ समेत शरीर के 6 जगहों पर चाकू से हमला कर गंभीर रूप से घायल कर दिया। दरअसल घर में बेटी और पिता के बीच किसी बात को लेकर कहासुनी हो रही थी और आरोपी सो रहा था। इसी बीच जख्मी का पोता अपने आरोपी पिता को उठाने चला गया। आरोपी उठा तो पहले वो खड़े होकर सिर्फ सुन रहा था। बाद में अचानक चाकू से अपने पिता पर हमला कर दिया। घटना बंगरा थाना क्षेत्र के कुबौली गांव की है। जख्मी मनोज को ग्रामीणों के सहयोग से शुक्रवार सुबह सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया था। उसकी स्थिति काफी गंभीर थी। जिसके बाद उसे डॉक्टरों ने पीएमसीएच रेफर कर दिया। जख्मी मनोज की पत्नी सीता देवी ने बताया कि गुरुवार रात घर में मेरा बेटा रमेश कुमार सो रहा था। इसी दौरान मेरे पोते ने उसे जगा दिया। पहले तो वह चुपचाप खड़ा रहा। इसी दौरान अचानक वह अपने पिता पर ताबड़तोड़ चाकू से वार करने लगा। जब तक मैं कुछ समझ पाती, बेटे ने अपने पिता के सिर, गर्दन, पीठ, पेट पर चाकू से हमला किया। चाकू बाजी की घटना सामने आई है। पीड़ित उपचार कराने के लिए, समस्तीपुर गए थे। जहां से उन्हें रेफर कर दिया गया है।

बेगूसराय में बेटी के अफेयर में लड़के के परिवार पर हमला पिता की मौत 3 गंभीर

बेगूसराय। में बेटी के अफेयर के चक्कर में लड़की के परिवार ने 4 लोगों को पेट्रोल डालकर जला दिया। सोमवार की देर रात पूरे परिवार को पेट्रोल छिड़ककर जला दिया गया था। इसमें पिता की मौत हो गई थी। भाई-बहन और मां की स्थिति गंभीर है। उनका इलाज चल रहा है। मामले की जांच पुलिस कर रही है। गुरुवार को डॉग स्क्वायड की टीम गांव में पहुंची। खोजी कुत्ता को सबसे पहले मृतक साबिर के घर ले जाया गया। वहां से कुछ दूरी पर स्थित मध्य विद्यालय सत्ती चौड़ा पहुंचा। वहां कुत्ता कंफ्यूज हो गया। फिर से घटनास्थल लाया गया। जहां एक चप्पल को सूंघने हुए एक घर के दरवाजे पर रुका। फिर दूसरे घर में पहुंचा और कमरे में जाकर चौकी पर बैठ गया। घर में एक नाबालिग लड़की थी, जिसे पुलिस पूछताछ के लिए अपने साथ ले गई। बताया जा रहा है कि ये लड़के की गर्लफ्रेंड का घर है। मृतक साबिर (लड़के के पिता) का गांव के दो साबिर नाम के व्यक्तियों से विवाद था। एक की बेटी से मृतक के बेटे का अफेयर चल रहा था। थानाध्यक्ष राम कुमार सिंह ने कहा कि खोजी कुत्ते से केस काफी कुछ सुलझा है। सभी पहलुओं पर जांच चल रही है, कई लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ हो रही है। जल्द मामला का खुलासा हो जाएगा। एक स्थानीय व्यक्ति ने बताया कि वह रात में करीब डेढ़ बजे अपने मोबाइल पर न्यूज देख रहा था तभी एक छोटा धमाका हुआ। जब तक वह उधर देखते फिर एक छोटा सा धमाका हुआ। धमाका साबिर के घर की ओर से हुआ था। उधर देखा तो कुछ लोग साबिर के आंगन से निकलकर दूसरे साबिर के घर की ओर भागते दिखे। गांव में मृतक के

अलावा साबिर नाम के दो और व्यक्ति रहते हैं। दोनों का कहीं ना कहीं कनेक्शन मृतक साबिर से जुड़ रहा है। एक साबिर से मृतक साबिर का कुछ लड़ाई-झगड़ा हुआ था, तो दूसरे साबिर की बेटी से मृतक साबिर के बेटे अरमान का प्रेम-प्रसंग था। उसने मृतक साबिर से शिकायत भी की थी। मृतक का बेटा अरमान रमजान के समय एक महीने तक मस्जिद में रहा था। इसी दौरान लोगों को उसके प्रेम-प्रसंग की बात पता चली। अरमान ने करीब एक सप्ताह पहले अपनी मौसी को कहा भी था कि वह लोग मुझे मार डालेंगे। हालांकि उसकी मौसी कैमरे के सामने अब खुलकर यह बात करने से डर रही है। मृतक साबिर की बहन रुखसाना का कहना है कि अरमान का बगल के ही साबिर की लड़की से प्रेम संबंध था। नजर मिल रही थी। लड़की के पिता ने कहा था कि मेरी बेटी से नजर मिलाते हो कुट्टी-कुट्टी (छोटे-छोटे टुकड़ों में) काट देंगे। गांव में एक और साबिर है, जिससे मेरे भाई का झगड़ा चल रहा था। पेट्रोल का गैलन लेकर आया था जलाने वाला। उसका गैलन भी घटना के बाद वहीं छूट गया, एक चप्पल भी छूट गया था। पेट्रोल फेंककर लाइटर से आग लगा दी। दरअसल, बलिया थाना क्षेत्र के बलिया नगर परिषद वार्ड नंबर-19 सती चौड़ा में घर के दरवाजे पर सो रहे परिवार को बदमाशों ने जला दिया था। दो महिला समेत चार लोग झुलस गए थे। मंगलवार दोपहर एक की मौत हो गई। मृतक अब्दुल सत्तार के बेटे मोहम्मद साबिर (55) हैं। वहीं, घायलों में मृतक के बेटे मोहम्मद अरमान (25), बेटी करीना खातून (18), पत्नी मोमिना खातून (45) शामिल हैं। बेटा 90 फीसदी तक झुलसा है। सभी का गंभीर स्थिति में इलाज चल रहा है। 2011 में भी ऐसा ही हुआ था। मढ़पुरा थाना क्षेत्र के कौरैय पंचायत के मुखिया किरण देवी के साथ घटना हुई थी। किरण देवी के पति सज्जन चौधरी सामाजिक कार्यों में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेते थे। गांव में दुर्गा पूजा के अवसर पर नाटक होना था और इसके लिए रिहर्सल चल रही थी। रात में करीब 12 बजे सज्जन चौधरी रिहर्सल कर लौटे और सो गए। तभी अचानक एक आवाज हुई और किरण देवी और सज्जन चौधरी के शरीर में आग लग गई। लोग जब तक दौड़ते और कुछ समझ पाते तब तक किरण देवी की मौत हो चुकी थी।

गहरी जड़ वाली फसल के बाद उथली जड़ वाली फसल- इस क्रम से फसलों को बोने से भूमि के विभिन्न स्तरों से पोषक तत्वों का समुचित उपयोग हो जाता है। अधिक पानी चाहने वाली फसल के बाद कम पानी चाहने वाली फसल- खेत में लगातार अधिक पानी चाहने वाली फसलें उगाते रहने से मिट्टी जल स्तर ऊपर आ जाएगा। पौधों की जड़ों का विकास प्रभावित होता है एवं अन्य प्रतिकूल प्रभाव पड़ते हैं।

खेती की एंटीबायोटिक फसलें

File Photo AP

फसल चक्र का तरीका

प्रायः फसल चक्र एक से लेकर तीन वर्ष तक के लिए तैयार किया जाता है। अतः फसल चक्र अपनाते समय निम्न सिद्धांतों का अनुसरण करना चाहिए।

दलहनी फसलों के बाद अदलहनी फसलें- दलहनी फसलों की जड़ों में ग्रंथियां पाई जाती हैं जिनमें राइजोबियम जीवाणु पाये जाते हैं। ये जीवाणु वायुमण्डलीय नाइट्रोजन का स्थिरीकरण करते हैं जिससे भूमि की उर्वराशक्ति में वृद्धि होती है जो कि आगे बोई जाने वाली फसलों के लिए उपयोगी होती है।

गहरी जड़ वाली फसल के बाद उथली जड़ वाली फसल- इस क्रम से फसलों को बोने से भूमि के विभिन्न स्तरों से पोषक तत्वों का समुचित उपयोग हो जाता है।

अधिक पानी चाहने वाली फसल के बाद कम पानी चाहने वाली फसल- खेत में लगातार अधिक पानी चाहने वाली फसलें उगाते रहने से मिट्टी जल स्तर ऊपर आ जाएगा। पौधों की जड़ों का विकास प्रभावित होता है एवं अन्य प्रतिकूल प्रभाव पड़ते हैं।

अधिक पोषक तत्व चाहने वाली फसल के बाद कम पोषक तत्व चाहने वाली फसल- अधिक पोषक तत्व चाहने वाली फसलें लगातार एक ही भूमि में लगाते रहने से भूमि की उर्वराशक्ति का ह्रास शीघ्र हो जाता है एवं खेती की लागत बढ़ती चली जाती है। अतः अधिक पोषक तत्व चाहने वाली फसलों के बाद कम पोषक तत्व चाहने वाली फसलों को उगाना चाहिए।

अधिक कर्षण क्रियायें या भूपरिष्करण चाहने वाली फसल के बाद कम क्रियायें चाहने वाली फसल- इस प्रकार के फसल चक्र से मिट्टी की सरंचना ठीक बनी रहती है एवं लागत में भी कमी आती है। इसके अलावा निराई-गुड़ाई में उपयोग किये जाने वाले संसाधनों का दूसरा फसलों में उपयोग कर अधिक उत्पादन प्राप्त किया जा सकता है।

दो तीन वर्ष के फसल चक्र में खेत को एक बार खाली या पड़त छोड़ा जाये- फसल चक्र में भूमि को पड़त छोड़ने से भूमि की उर्वरता में हो रहे लगातार ह्रास से बचा जा सकता है। परती मिट्टी में नाइट्रोजन अधिक मात्रा में पायी जाती है। अतः अधिक पोषक तत्व चाहने वाली फसल से पूर्व खेत को एक बार खाली अवश्य छोड़ना चाहिए।

दूर-दूर पंक्तियों में बोई जाने वाली फसल के बाद घनी बोई जाने वाली फसल- वर्षा के दिनों में सघन एवं भूमि को आच्छादित करने वाली फसल लगाने से मिट्टी क्षरण कम होता है जबकि दूर-दूर पंक्तियों में बोई गई फसल से मिट्टी का कटाव अधिक होता है। अतः ऐसी फसलों का हेरफेर होना चाहिए जिससे मिट्टी कटाव एवं उर्वरता ह्रास को रोका जा सके।

दो तीन वर्ष के फसल चक्र में एक बार खरीफ में हरी खाद वाली फसल- हरी खाद के द्वारा भूमि में 40-50 किग्रा नाइट्रोजन प्रति हेक्टर स्थिर होती है। इसके लिए सनई, ढ़ेंचा आदि फसलों का उपयोग किया जा सकता है।

फसल चक्र में साग-सब्जी वाली फसल का समावेश होना चाहिए- किसान की घरेलू आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए सफल चक्र में साग-सब्जी वाली फसल का समावेश होना चाहिए।

फसल चक्र में तिलहनी फसल का समावेश होना चाहिए- घर की आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए ऐसा फसल चक्र तैयार करना चाहिए जिसमें एक फसल तेल वाली हो।

एक ही प्रकार की कीट व बीमारियों से प्रभावित होने वाली फसलों को लगातार एक ही खेत में नहीं बोना चाहिए- एक ही फसल तथा उसी समुदाय की फसलों को एक ही क्षेत्र या एक ही स्थान पर लगातार बोते रहने से कीटों व बीमारियों का प्रकोप बढ़ जाता है।

फसल चक्र ऐसा होना चाहिए कि वर्ष भर उपलब्ध संसाधनों का समुचित उपयोग होता रहे- फसल चक्र निर्धारण के समय यह ध्यान रखना चाहिए कि किसान के पास उपलब्ध संसाधनों जैसे भूमि, श्रम, पूंजी, सिंचाई इत्यादि का वर्ष भर सदुपयोग होता रहे एवं किसान की आवश्यकताओं की पूर्ति फसल चक्र में समावेशित फसलों के द्वारा होती रहे।

फसल चक्र को प्रभावित करने वाले कारक

भूमि संबंधी कारक: भूमि संबंधी कारकों में भूमि की किस्म, मिट्टी प्रतिक्रिया, जल निकास, मिट्टी की भौतिक दशा आदि आते हैं। ये सभी कारक फसल की उपज पर गहरा प्रभाव डालते हैं।

सिंचाई के साधन- सिंचाई जल की उपलब्धता के अनुसार फसल चक्र अपनाना चाहिए।

किसान की आर्थिक दशा: किसानों की आर्थिक स्थिति का भी फसल चक्र पर प्रभाव पड़ता है। किसान के पास पूंजी एवं संसाधनों की स्थिति को देखते हुए फसल चक्र में ऐसी फसलों का समावेश किया जाना चाहिए जो किसान को अधिकतम लाभ दें।

बाजार की मांग: बाजार की मांग के अनुरूप फसलें ली जानी चाहिए जैसे शहर के नजदीक वाली भूमियों में साग-सब्जी वाली फसलों को प्राथमिकता देना चाहिए।

आवागमन के साधन: आवागमन के समुचित साधन उपलब्ध होने से फसल चक्र में सुविधा के अनुसार फसलों का समावेश करना चाहिए।

श्रमिकों की उपलब्धता: कृषि में श्रमिकों का मुख्य कार्य होता है। यदि श्रमिक आसानी से व पर्याप्त संख्या में उपलब्ध हैं तो सघन फसल चक्र अपनाया जा सकता है तथा फसल चक्र में नगदी फसलों को समावेशित कर लाभ लिया जा सकता है।

खेती का प्रकार: यदि पशु पालन खेती का मुख्य अवयव है तो ऐसी जगह चारे वाली फसलें की जाये।

किसान की घरेलू आवश्यकताएं: किसान को अपनी घरेलू आवश्यकताओं को ध्यान में रखकर फसल चक्र अपनाना चाहिए।

दलहन की पुख्ता सुरक्षा

फसलों से कम पैदावार मिलने के अनेकों कारण हैं जिनमें फसल की खड़ी अवस्था पर आक्रमण करने वाले हानिकारक कीटों की भूमिका मुख्य है। अतएव यह आवश्यक हो जाता है कि इन कीड़ों से फसल की सुरक्षा का उचित प्रबंध किया जाये।

चने की फली भेधक: पहचान- यह दलहनी फसलों का अत्यंत हानिकारक कीट है जो कि देश के सभी भागों में पाया जाता है तथा वर्षभर सक्रिय रहता है। यह एक बहुभक्षी कीट है। प्रौढ़ शलभ मजबूत एवं हलके भूरे रंग का होता है अगले जोड़ी पंखों पर बिन्दु होते हैं जो कि धारीदार रेखाएं बनाते हैं तथा ऊपर की तरफ काले रंग के धब्बे पाये जाते हैं। पिछले जोड़ी पंख सफेद हल्के रंग के होते हैं। इस कीट की सुंडी के शरीर पर धारियां होती हैं। ये सुंडियां जिस फसल को खाती हैं उसी तरह का रंग ग्रहण कर लेती है।

प्रबंधन

- चने की फसल कटते ही ग्रीष्मकालीन जुताई कर दें ताकि उसमें मौजूद प्यूपा आदि तेज धूप में मर जाये। सुंडियों का पकड़ कर नष्ट करें।
- फसल के आस-पास प्रकाश प्रपंच एवं फेरोमेन प्रपंच लगाकर प्रौढ़ अवस्था को पकड़ कर नष्ट किया जा सकता है। इन प्रपंचों की संख्या एक हेक्टेयर में 20 हो।
- प्रथम, द्वितीय व तृतीय अवस्था की सुंडियों को नियंत्रित करने के लिए न्युक्लीयर पाली हायड्रोसिस वायरस (एनपीव्ही) का 350 एलई प्रति हेक्टेयर की दर से छिड़काव करें।
- कार्बोरिल 10 प्रतिशत अथवा मिथाइल पैराथियान 2 प्रतिशत धूल का 20-25 किग्रा प्रति हेक्टेयर की दर से फसल पर भुरकाव करें।
- क्विनालफस/ मिथोमिल की 500 मिली/ एकड़ 200 लीटर पानी में घोल बनाकर 15 दिनों के अंतर में दो छिड़काव करें।

कटुआ सुंडी- पहचान- यह चने की सुंडियां नई-नई पत्तियों को खाती है। यह अपना रंग पत्तियों जैसे बना लेती हैं। इस कीट का व्यस्क धूसर रंग का होता है जो कि अधिक उड़ने वाला होता है। इसको चने का कटुआ भी कहते हैं। यह कीट एक विचित्र प्रकार का कीट है। इसका पतंगा बहुत अधिक तेज उड़ने वाला कहा जाता है।

प्रबंधन

- जब खेत खाली हो उस समय खेत की गहरी जुताई करें ताकि जमीन में मौजूद प्यूपा आदि बाहर आकर नष्ट हो जाये।
- छोटे खेतों में/ प्रारंभिक अवस्था में सुंडी का प्रकोप होने पर हाथ से पकड़ कर नष्ट करें।
- खेतों में प्रकाश प्रपंच लगाकर वयस्क पतंगों को आकर्षित करके नष्ट किया जा सकता है।
- मैलाथियान 5 प्रतिशत अथवा कार्बोरिल 10 प्रतिशत धूल का 20-25 किग्रा प्रति हैक्टेयर की दर से भुरकाव करें।

अरहर का प्ररोह मोड कीट

पहचान- इस कीट का पतंगा छोटा, गहरे भूरे रंग का होता है तथा इसकी सुंडी छोटी, हल्के पीले रंग की होती है। सर्वप्रथम सुंडियां पत्तियों की बाह्य त्वचा को खुरचकर खाती है तथा बाद में पत्तियों को मोड़कर अंदर रहकर खाना प्रारंभ कर देती है। सुंडियों मध्यम आकार की चिकनी एवं सफेद पीले रंग की होती है। यह कीट मार्च तथा अप्रैल में खेत में आ जाता है तथा अगस्त माह में अत्यधिक संख्या में पाया जाता है।

प्रबंधन

- मुड़ी हुई पत्तियों को हाथ से तोड़कर नष्ट कर दें।
- फसल पर मिलाथियान 20 ईसी 1.5 मिली प्रति लीटर पानी के हिसाब से घोल बनाकर छिड़काव करना चाहिए।

अरहर की फल मक्खी

पहचान- प्रौढ़ मक्खी धात्विक हरे रंग की होती है। इसका आकार छोटी, आंखें त्रिभुजाकार, बड़ी तथा हरे रंग की होती है। मादा में जनन शंकु लम्बी होती है। इस कीट के सक्रिय रहने का समय मार्च-अप्रैल होता है।

प्रबंधन-

- प्रारंभिक अवस्था में इस कीट से ग्रसित फलियों को तोड़कर नष्ट कर दें।
- परजीवी मित्र कीट यूडेरस ऐग्रोयाइजी व इलोफिड को संरक्षित करें।
- डायमिथियेट या मिथाइल डिमेटान की 400 मिली/ एकड़ के हिसाब से 200 लीटर पानी में घोल बनाकर 15 दिनों के अंतर में दो छिड़काव करें।

खिल उठेगा गेंदा

पावडरी मिलड्यू

इस बीमारी के कारण पत्तियों, शाखाओं एवं पुष्प कलियों पर सफेद फफूंदी का जमाव होता है। जो बाद में भूरे रंग का हो जाता है। जिससे पौधों की बढ़वार रुक जाती है। और अन्ततः पौधा सूख जाता है। इस बीमारी का प्रकोप फरवरी माह से प्रारंभ होता है।

उपचार

रोग की रोकथाम हेतु घुलनशील गंधक 2 ग्राम प्रति लीटर पानी की दर से घोल बनाकर छिड़काव करना चाहिए।

विषाणु रोग (वायरस)

इस बीमारी के प्रकोप से पत्तियों पर हरे रंग का चितकबरा पड़ जाता है। जिससे पत्तियां मुड़ जाती हैं तथा पुष्प बहुत कम या छोटे आकार के लगते हैं। आमतौर पर इसका प्रसारण संपर्क, हाथो, फसल के अवशेषों, कृषि के यंत्रों तथा कीट द्वारा होता है।

उपचार

रोगोर 1 मिली प्रति लीटर पानी में घोल बनाकर छिड़काव करें। 800 से 1000 लीटर पानी का घोल बनाकर प्रति हेक्टर खड़ी फसल में छिड़काव करें।

गेंदा फसल में निम्नलिखित प्रमुख कीट लगने की संभावना होती है

माइट (मकड़ी)- गेंदा फसल पर पत्तियों की निचली सतह पर लाल रंग की मकड़ी जाला बनाकर रहते हैं। जो पत्तियों तथा पुष्प कलिकाओं/फूलों से रस चूसते रहते हैं। जिससे पत्तियां पीली पड़कर सूख जाती हैं। तथा पुष्प कलिका खिल नहीं पाती पत्तियों पर बना हुआ जाला पौधे की बढ़वार में बाधक होता है।

उपचार- इसकी रोकथाम हेतु रोगोर 0.3 प्रतिशत या मेलाथियान 0.2 प्रतिशत के घोल का छिड़काव पत्तियों के दोनों तरफ करें।

बडबोरर (कलिका वेधक)- इस कीट की इल्लियां पुष्प कलिकाओं में छिद्र करके घुस जाती हैं व अन्दर ही अंदर पुष्प की पंखुड़ियों को खा जाती है। जिससे पुष्प खिल नहीं पाते हैं। एवं पुष्पों का बाजार भाव कम हो जाता है।

उपचार- ग्रसित कलिकाओं / पुष्पों को एकत्र करके नष्ट कर दें। इल्लियों को हाथ से पकड़कर नष्ट किया जा सकता है। फसल समाप्त होने पर खेत की गहरी जुताई करके प्यूपा को नष्ट कर दें। फसल पर प्रकोप दिखाई देते ही क्विनालफास 0.7 प्रतिशत का छिड़काव आवश्यकतानुसार करें।

हापर (फुदका)- इस कीट के शिशु एवं प्रौढ़ दोनों की मुलायम का रस चूसते हैं। फलस्वरुप पत्तियां सिकुड़ जाती है। जो बाद में पीली पड़कर गिर जाती हैं।

उपचार- कीट के नियंत्रण हेतु प्रकाश प्रपंच खेतों में लगायें चाहिए। फसल में कीट का प्रकोप दिखाई देने पर रोगोर/ डेमोक्रान 0.5 प्रतिशत का घोल का छिड़काव 10-15 दिन के अंतर में 2-3 बार करें।

महिला एशिया कप - भारतीय टीम ने बांग्लादेश को 10 विकेट से हराकर फाइनल में जगह बनायी

दांबुला (एजेंसी)। रेणुका ठाकुर ओर राधा यादव की शानदार गेंदबाजी के बाद स्मृति मंधाना के लगाये अर्धशतक की बदौलत भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने महिला एशिया कप क्रिकेट के सेमीफाइनल में बांग्लादेश को 10 विकेट से हराकर फाइनल में जगह बनायी है। भारत की ओर से मंधाना ने 55 जबकि शैफाली वर्मा ने 26 रन बनाये। इस मैच में भारतीय टीम ने बांग्लादेश को 80 रनों पर रोकने के बाद एक भी विकेट गंवाये बिना जीत के लिए मिला 81 रनों का लक्ष्य हासिल कर लिया। भारतीय टीम की जीत में तेज गेंदबाज रेणुका और स्पिनर राधा की भी अहम भूमिका रही। रेणुका ने पारी की शुरुआत में लगातार चार ओवर डालते हुए 10 रन देकर तीन विकेट लेकर बांग्लादेश के बल्लेबाजी क्रम को ध्वस्त कर दिया। वहीं राधा ने 14 रन देकर तीन विकेट लिए। बांग्लादेश की ओर से कप्तान निगार सुल्ताना 32 और शोर्ना अख्तर नाबाद 19 रन ही भारतीय गेंदबाजों का कुछ हद तक सामना कर पाये। इनके अलावा अन्य बल्लेबाज विफल रहे।

इस मैच में टॉस जीतकर बांग्लादेश का पहले बल्लेबाजी का फैसला गलत रहा। रेणुका ने पहले ओवर में ही विकेट ले लिया। रेणुका ने दिलारा को आउट कर दिया। उन्होंने अपने अगले दो ओवरों में इश्मा तंजीम और मुर्शिदा खातून को भी पेवेलियन भेज दिया। पावर प्ले में बांग्लादेश की टीम तीन विकेट पर 25 रन ही बना पायी। कप्तान सुल्ताना ने पारी संभालने का प्रयास किया पर वह विफल रहीं। भारतीय गेंदबाजों के सामने बांग्लादेश के बल्लेबाज बेबस नजर आये।

भारत का क्षेत्ररक्षण भी काफी अच्छा रहा । शेफाली ने छलांग लगाकर एक शानदार कैच पकड़ा। सुल्ताना ने शोर्ना के ने 35 गेंद में 36 रन बनाकर पारी संभालने का प्रयास किया पर इनके आउट होने ही विकेटों की लाइन लग गयी। राधा ने सुल्ताना को आउट कर बांग्लादेश की रही सही उम्मीदें तोड़ दीं।

श्रीलंका के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज में एक अहम रिकार्ड बना सकते हैं विराट

मुम्बई (एजेंसी)। श्रीलंका के खिलाफ अगले माह होने वाली एकदिवसीय क्रिकेट सीरीज में भारतीय टीम के अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली एक बड़ी उपलब्धि हासिल कर सकते हैं। विराट इस सीरीज के दौरान ऐसा रिकॉर्ड बना सकते है जो किसी अन्य क्रिकेटर के लिए तोड़ना असंभव की तरह रहेगा। विराट इस सीरीज में 27,000 रन का आंकड़ा पार कर सकते हैं।

विराट के नाम अभी 53.55 की औसत से 26,884 रन हैं। ऐसे में अगर वह श्रीलंका के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज में 116 रन बनाते हैं तो उनके तीनों प्रारुपों को मिलाकर कुल 27 हजार रन हो जाएंगे। यह वो आंकड़ा है, जो अब तक केवल तीन खिलाड़ी सचिन तेंदुलकर 34357, कुमार संगकारा 28016 और रिकी पोंटिंग 27483 ही हासिल कर पाये हैं।

आज के दौर के क्रिकेटरों की बात करें तो विराट के अलावा एक भी ऐसा बल्लेबाज नहीं है जिसने 20,000 रन बनाए हों। वर्तमान समय के क्रिकेटरों में विराट कोहली के बाद जो रूट 19,355 रनों के साथ दूसरे और रोहित 19,077 रनों के साथ ही तीसरे नंबर पर हैं। रूट 33 साल के हैं जबकि रोहित

की उम्र 37 साल है। अब अगर ये दोनों खिलाड़ी 40 साल की उम्र तक खेलें तो जो रूट के लिए तो यह संभव है कि वे 27 हजार रन बना लें। रोहित के लिए भी ये काफी कठिन है। रोहित ने अब तक कुल 480 मैच खेले हैं। इसमें उन्होंने 43.25 की औसत से 19,077 रन बनाए हैं। उन्हें 27 हजार रन का आंकड़ा हासिल करने के लिए 7923 रन और बनाने होंगे। रोहित को 27 हजार रन तक पहुंचने में करीब चार साल लगेंगे। उनके 40 साल की उम्र तक खेलने की संभावनाएं नहीं हैं। ऐसे में वह इस रिकार्ड तक नहीं पहुंच सकते।

शोएब मलिक ने भारतीय टीम से चैम्पियंस ट्रॉफी के लिए पाकिस्तान आने की अपील की

लाहौर (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के चैम्पियंस ट्रॉफी के लिए पाकिस्तान जाने की संभावनएं नहीं हैं। ऐसा माना जा रहा है कि भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) भारतीय टीम के मुकाबलों को किसी अन्य जगह पर आयोजित करने की मांग करेगा। शाहिद अफरीदी के बाद अब पाकिस्तान के पूर्व कप्तान शोएब मलिक ने भारतीय टीम से पाकिस्तान दौरे पर आने की अपील की है। माना जा रहा है कि दोनो देशों के बीच तनाव को देखते हुए ही सरकार टीम को सुरक्षा कारणों से पाक जाने की अनुमति नहीं देगी। इसी को लेकर पाक खिलाड़ी निराश हैं और भारतीय टीम से दौरे पर आने को कह रहे हैं। अब पूर्व पाक कप्तान शोएब मलिक ने भारतीय टीम से पाकिस्तान आने की अपील करते हुए कहा कि खेल को राजनीति से दूर रखा जाना चाहिये। मलिक ने कहा कि पाक ने भारत में हुए एकदिवसीय विश्वकप में भाग लिया था। ऐसे में अब भारतीय टीम की बारी है। साथ ही कहा कि भारत और पाकिस्तान के बीच जो भी परेशानियां हैं, उसे निजी तौर पर हल करना चाहिए। राजनीति को खेल से नहीं जोड़ना चाहिए। साथ ही कहा कि भारतीय टीम के कई खिलाड़ी पाकिस्तान में नहीं खेले हैं तो उनके लिए यह अच्छा मौका होगा। हम बहुत अच्छे लोग हैं। मुझे विश्वास है कि भारतीय टीम यहां जरूर आएगी।

वहीं पाक क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने भारतीय टीम को मनाने का काम आईसीसी पर छोड़ दिया है। आईसीसी की वार्षिक बैठक में चैंपियंस ट्रॉफी के कार्यक्रम और प्रारूप पर कोई विचार-विमर्श नहीं हुआ था। इसमें आगे बताया गया कि पीसीबी ने आईसीसी पर भारत को राजी करने की जिम्मेदारी छोड़ दी है। पीसीबी ने भारत के सभी मैच लाहौर में रखे हैं, जहां चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के सेमीफाइनल और फाइनल भी खेले जाएंगे।

सूर्यकुमार की कप्तानी में श्रीलंका के खिलाफ जीत से शुरुआत करने उतरेगी भारतीय टीम

पालेकल (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम शनिवार को नये कोच गौतम गंभीर और कप्तान सूर्यकुमार यादव के नेतृत्व में मेजबान श्रीलंका के खिलाफ पहले टी20 में जीत के इरादे से उतरेगी। भारतीय टीम इस दौरे में श्रीलंका से तीन मैच खेलेगी और गंभीर व सूर्या की जोड़ी का लक्ष्य इसमें टीम को जीत दिलाना रहेगा।

गंभीर को राहुल द्रविड़ की जगह कोच बनाया गया है। गंभीर को अब उनके काम को आगे बढ़ाना होगा। गंभीर को इस दौरे में उनकी मांग के अनुसार टीम दी गयी है। ऐसे में उनकी पहली परीक्षा ये दौरा होगा। इस दौर में सूर्यकुमार को कप्तान बनाया गया है जबकि हार्दिक पंड्या इस पद के स्वाभाविक दावेदार माने जा रहे थे। इसके अलावा कई युवा खिलाड़ियों को भी अवसर मिला है।

भारतीय टीम में यह बदलाव पिछले महीने विश्व कप जीतने तथा रोहित, विराट कोहली और रविंद्र जडेजा के टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लेने के बाद आया है। इस सीरीज में उपकप्तानी संभाल रहे शुभमन गिल इसे अपनी जगह पक्की करने के अवसर के रूप में देखेंगे। इसके अलावा यशस्वी जायसवाल, रिंकू सिंह और यहां तक ??कि रियान पराग जैसे अन्य खिलाड़ी भी यही चाहेंगे। अक्षर पटेल टीम में जडेजा की जगह लेने के लिए पूरी तरह से तैयार हैं। उनके अलावा भारत के पास हार्दिक, शिवम दुबे और वाशिंगटन सुंदर जैसे बेहतरीन ऑलराउंडर हैं।

इस दौरे में अनुभवी तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह को आराम दिया गया है और ऐसे में गेंदबाजी की कमान अर्शदीप सिंह और मोहम्मद सिराज पर रहेगी। बल्लेबाजी की जिम्मेदारी शुभमन , सूर्यकुमार जैसे बल्लेबाजों पर रहेगी। वहीं दूसरी ओर मेजबान श्रीलंकाई टीम की राह भी आसान नहीं है। उसके दो अनुभवी गेंदबाज दुष्मंथा चमीरा चोटिल होने के कारण सीरीज से बाहर हो गये हैं। अब उनकी जगह असिथा फर्नांडो और दिलशान मदुशंका को टीम में लिया गया है।

श्रीलंकाई टीम इस सीरीज में नये कतान चरिथ असलांका और अंतरिम कोच सनत जयसूर्या के मार्गदर्शन में उतरेगी। मेजबान टीम घरेलू हालातों का लाभ उठाकर बेहतर प्रदर्शन करना चाहेगी। उसके पास दासुन शनाका, कुसल परेरा, कुसल मेंडिस और दिनेश चांदीमल जैसे अनुभवी खिलाड़ी हैं। गेंदबाजी की जिम्मेदारी वानिंदु हसरंगा, मथीशा पथिराना जैसे खिलाड़ियों के पास रहेगी।

जुबिन से मिली सीख का लाभ उठाएंगे हमारे खिलाड़ी : जयसूर्या

कोलंबो। श्रीलंकाई क्रिकेट टीम के अंतरिम कोच सनथ जयसूर्या ने कहा है कि राजस्थान रॉयल्स के हाई परफॉर्मेंस निदेशक जुबिन भरूचा से मिली सीख से उनकी टीम भारत के खिलाफ होने वाली तीन मैचों की टी20 सीरीज में बेहतर प्रदर्शन करने के इरादे से उतरेगी। साथ ही कहा कि रोहित शर्मा और विराट कोहली जैसे स्टार खिलाड़ियों के नहीं होने से भी उनकी टीम को लाभ होगा। रोहित और विराट ने टी20 विश्वकप के बाद संन्यास ले लिया था। भारत और मेजबान श्रीलंका के बीच टी20 सीरीज 27 जुलाई से शुरू होगी। जयसूर्या ने कहा कि टीम के लिए जुबिन के साथ छह दिन का कैंप रखा गया था। जयसूर्या ने कहा, 'हमने एलपीएल के तुरंत बाद ही ये कैंप शुरू कर दिया था। इस दौरान अधिकतर खिलाड़ी एलपीएल में खेल रहे थे पर इसके बाद भी उन्हें जुबिन के पास भेजा गया। साथ ही कहा कि हमने उनके साथ लगभग छह दिन काम किया। लीगमें खेलने बाद अन्य क्रिकेटर भी उनके साथ जुड़े और उनके अनुभवों से खिलाड़ियों को लाभ भी हुआ है।' जयसूर्या ने कहा कि भरूचा के साथ सत्र काफी गंभीर रहा और खिलाड़ियों को काफी कुछ सीखने को मिला।

बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी से टेस्ट में डेब्यू कर सकते हैं अर्शदीप

मुम्बई । भारतीय क्रिकेट टीम के बाएं हाथ के तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह को टेस्ट टीम में जगह मिल सकती है। अर्शदीप ने हाल ही में सीमित ओवरों के प्रारुप में शानदार प्रदर्शन किया है। टी20 विश्वकप में भी उनकी गेंदबाजी काफी अच्छी रही थी। विश्वकप में अर्शदीप ने 17 विकेट लिए थे। इसी कारण उन्हें अब श्रीलंका के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज के लिए भी शामिल किया गया है। अटकलें हैं कि अर्शदीप को इस साल के अंत में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ होने वाली बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी से टेस्ट क्रिकेट में अवसर मिल सकता है। इसी कारण उन्हें दलीप ट्रॉफी के कुछ मुकाबले खेलने को कहा गया है। अर्शदीप ने 2022 का टी20 वर्ल्ड कप भी खेला था। तब भी उनका प्रदर्शन अच्छा रहा था। उस समय इस तेज गेंदबाज ने 10 विकेट लिए थे। अर्शदीप को टी20 क्रिकेट खेलते हैं। हालाकि, अब उन्हें वनडे क्रिकेट में भी आगे बढ़ाया जा रहा है। श्रीलंका के खिलाफ होने वाली वनडे सीरीज के लिए अर्शदीप को भारतीय स्क्वॉड में शामिल किया गया है। अब उन्हें टेस्ट क्रिकेट के लिए भी देखा जा रहा है।

बालाजी के साथ बोपन्ना ओलंपिक में आखिरी बार लगाएंगे जोर, एकल में नागल के सामने कड़ी चुनौती

पेरिस (एजेंसी)। भारतीय ओलंपिक दल के सबसे उम्रदराज खिलाड़ी 44 वर्षीय रोहन बोपन्ना के पास पिछले ओलंपिक की तरह मजबूत जोड़ीदार नहीं है लेकिन पुरुष युगल में उनके साथ चुनौती पेश करने को तैयार अनुभवी एन श्रीराम बालाजी मुश्किल परिस्थितियों से लड़ना जानते हैं।

एकमात्र पदक

ओलंपिक में भारत का पहला और एकमात्र टेनिस पदक 1996 में आया, जब लिएंडर पेस ने अटलांटा खेलों में एकल कांस्य पदक के साथ इतिहास रचा था। जब महान पेस और महेश भूपति ने एथेंस (2004) और बीजिंग (2008) में एक साथ प्रतिस्पर्धा की थी तब भी भारत ने ओलंपिक पदक नहीं जीता था।

भारत को लंदन 2012 में भी पदक के सूखे का सामना करना पड़ा जब बोपन्ना ने दिग्गज भूपति के साथ जोड़ी बनाई थी। बोपन्ना 2016 रियो ओलंपिक में पुरुष युगल में पेस और मिश्रित युगल में सानिया मिर्जा के साथ खेले लेकिन उनका पदक का सपना तब भी पूरा नहीं हुआ। ये सभी भारतीय टेनिस के सबसे सफल नाम है और इन सबने देश के लिए कई ग्रैंड स्लैम खिताब जीते हैं।

बालाजी-बोपन्ना के लिए खेलना मुश्किल

बालाजी ने हाल ही में युगल में खेलना शुरू किया है। इस भारतीय जोड़ी के लिए पदक जीतना काफी मुश्किल होगा लेकिन उन्होंने रोला गैरां में अभ्यास करने के लिए क्रोएशिया में उमाग टूर्नामेंट को छोड़कर यहां एक साथ अभ्यास करना बेहतर समझा। बोपन्ना ने पेरिस में कुछ यादगार जीत दर्ज की है। उन्होंने इसी स्थान पर अपना पहला ग्रैंड स्लैम जीता था। उन्होंने 2017 में गैब्रिएला डाब्रोवस्की के साथ मिश्रित युगल में जीत हासिल की थी।

बोपन्ना ने कहा, 'यह क्ले कोर्ट टूर्नामेंट के लिए सबसे बड़ा मैदान है। रोलां गैरा में भारत का प्रतिनिधित्व करना बहुत ही खास है। जब भी मैं यहां आता हूं तो वे यादें मेरी मदद करती हैं। यह एक ऐसा टूर्नामेंट है जहां मैंने उन यादों के कारण हमेशा अच्छा प्रदर्शन किया है।' बोपन्ना उम्र के इस पड़ाव पर शानदार लय में है और पिछले कुछ समय से अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन कर रहे हैं। वह बेखौफ हो कर खेल रहे हैं और उनके पास दबाव झेलने की शानदार क्षमता है।

दूसरी ओर बालाजी ने सीमित मौकों पर युगल मैचों में खुद को साबित किया है। उन्होंने डेविस कप में इस्लामाबाद में एकल मैच में दमखम दिखाने के बाद फ्रेंच ओपन में बोपन्ना और मैथ्यू एबडेन की दिग्गज जोड़ी को मैक्सिको के अपने जोड़ीदार मिगुएल रेयेस-वेरेलास के साथ जैसी टक्कर दी वह शानदार था। इन दो प्रदर्शनों ने बोपन्ना को उन्हें जोड़ीदार के तौर पर चुनने के लिए प्रेरित किया।

डेविस कप से संन्यास ले चुके है बोपन्ना

बोपन्ना डेविस कप से संन्यास ले चुके है और एटीपी टूर पर अपने करियर के आखिरी पड़ाव पर है। ऐसे में उन्हें बालाजी की तरह किसी जोड़ीदार से अच्छा साथ मिलेगा। बालाजी को उनकी सर्विस और तेज-तर्रार खेल के लिए जाना जाता है। वह बोपन्ना के अनुभव के साथ अच्छे से तालमेल बिठायेंगे। बोपन्ना 43 साल की उम्र में एबडेन के साथ 2023 में ऑस्ट्रेलियाई ओपन जीतने वाले सबसे उम्रदराज खिलाड़ी बने थे। वह इसके बाद युगल रैंकिंग में शीर्ष पर भी पहुंचे थे। भारतीय जोड़ी पेरिस में पदक के सपने को पूरा करने के अभियान का आगाज स्थानीय खिलाड़ी एडवर्ड रोजर-वैसलीन और फैबियन रेबौल के खिलाफ करेंगे।

पुरुष एकल में सुमित नागल पर दारोमदार

पुरुष एकल में देश का दारोमदार सुमित नागल पर होगा। नागल ने पिछले एक साल में शानदार प्रदर्शन किया। वह साल 2023 की शुरूआत में रैंकिंग में शीर्ष 500 में भी नहीं थे। उन्होंने इसके बाद शानदर प्रदर्शन करते हुए कई उलटफेर किये जिसमें एडवर्ड रोजर-वैसलीन और फैबियन रेबौल जैसे नाम शामिल है।

ओलंपिक के एकल वर्ग में मुकाबले में ग्रैंड स्लैम विजेता खिलाड़ी है ऐसे में नागल के लिए अपने अभियान को ज्यादा आगे ले जाना काफी चुनौतीपूर्ण होगा। वह अपने अभियान की शुरुआत स्थानीय खिलाड़ी कोरेंटिन मौटेट के खिलाफ करेंगे और अगर शुरुआती बाधा पार करने में सफल रहे तो उनके सामने ऑस्ट्रेलिया के दुनिया के छठे नंबर के खिलाड़ी और विंबलडन क्वार्टर फाइनलिस्ट एलेक्स डि मिनौर की चुनौती होगी।

ओलंपिक के लिए गूगल ने बनाया अपना डूडल, नदी में तैरते पक्षी दिख रहे

पेरिस । सर्च इंजन गूगल ने पेरिस ओलंपिक खेलों के लिए एक डूडल बनाया है। गूगल ने पेरिस में 100 साल बाद ओलंपिक खेलों की वापसी हो देखते हुए ही अपने डूडल को इन खेलों को समर्पित किया है। इसलिए गूगल पर सर्च के दौरान उसके लोगो की जगह पर ये खेलों का डूडल नजर आयेगा। इसलिए आज जब आप गूगल पर जाएंगे तो सामने सबसे पहले एक एनिमिटेड ग्राफिक्स दिखाई देगा। जिसमें नदी में कुछ पक्षी तैर रहे हैं। वहीं जब आप माउस के कर्सर को इस डूडल पर ले जाएंगे तो उस पर लिखा आएगा पेरिस गेम्स बिगिन्स । गूगल पूरी दुनिया में होने वाले घटनाक्रम पर नजर रखता है और उसी के अनुसार अपना डडूल भी बनाता है। ओलंपिक खेल चार साल में होते हैं। इसलिए इन पर पूरी दुनिया की नजरें रहती हैं। ऐसे में गूगल भी इसका जश्न मनाने में पीछे नहीं है। ये ओलंपिक खेल 11 अगस्त तक चलेंगे। इस दौरान दुनिया भर के हजारों खिलाड़ी इन खेलों में अपने कौशल के बल पर पदक जीतने का प्रयास करेंगे।

टेस्ट सीरीज से पहले दक्षिण अफीका को झटका, तेज गेंदबाज हुआ बाहर, प्रीटोरियस शामिल

पोर्ट ऑफ स्पेन । दक्षिण अफीका को वेस्टइंडीज के खिलाफ होने वाली टेस्ट सीरीज से पहले ही करारा झटका लगा है। उसके तेज गेंदबाज गेराल्ड कोएत्जी मांसपेशियों में खिचाव के कारण इस सीरीज से बाहर हो गये हैं। क्रिकेट दक्षिण अफीका ने कहा है कि कोएत्जी अगले माह सात अगस्त से शुरू होने वाली टेस्ट सीरीज खेलने तक फिट नहीं हो सकते हैं। इसीलिए उनको टीम में नहीं रखा गया है। कोएत्जी को यह चोट अमेरिका की टी-20 फ्रेंचाइजी लीग मेजर लीग क्रिकेट (एमएलसी) के दौरान ही लगी थी। इस लीग में टेक्सास सुपर किंग्स की ओर से खेल रहे थे। अब कोएत्जी की जगह मिगेल प्रीटोरियस को टीम में जगह मिली है। प्रीटोरियस ने अभी तक टेस्ट स्तर का कोई मैच नहीं खेला है हालाकि उन्होंने 64 प्रथम श्रेणी मैच खेले हैं। प्रीटोरियस को इससे पहले दिसंबर 2020 में श्रीलंका में टेस्ट सीरीज के लिए राष्ट्रीय टीम में भी शामिल किया गया था पर वह कंधे में चोट के कारण तब नहीं खेल पाये थे।

पेरिस ओलंपिक में महिला मुक्केबाजों से बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद : विजेंदर

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के एकमात्र ओलंपिक पदक विजेता पुरुष मुक्केबाज विजेंदर सिंह को लगता है कि पेरिस ओलंपिक में देश की पदक की संभावनायें महिला मुक्केबाजों के प्रदर्शन पर निर्भर होंगी और उन्हें उम्मीद है कि निकहत जरीन की अगुआई वाली टीम कम से कम दो पोडियम स्थान हासिल करेगी। जरीन (50 किग्रा), प्रीति पवार (54 किग्रा), जैस्मिन लम्बोरिया (57 किग्रा) और तोक्यो ओलंपिक की कांस्य पदक विजेता लवलीना बोरगोहेन (75 किग्रा) भारतीय महिला टीम में शामिल हैं जबकि अमित पंघाल (51 किग्रा) और पदार्पण कर रहे निशांत देव (71 किग्रा) पेरिस के लिए क्वालीफाई करने वाले दो पुरुष मुक्केबाज हैं।

38 वर्षीय विजेंदर ने कहा कि उन्हें महिला मुक्केबाजों के अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद है। बीजिंग ओलंपिक 2008 के कांस्य पदक विजेता और भाजपा नेता विजेंदर ने कहा, 'पुरुष मुक्केबाजों के बारे में मैं इतना ज्यादा नहीं जानता लेकिन मैंने महिला मुक्केबाजों के बारे में जो पढ़ा है, उससे उम्मीद जगती है कि लड़कियां अच्छा प्रदर्शन करेंगी, मुझे उम्मीद है कि हमें एक या दो पदक मिलेंगे। यह रजत हो सकता है और शायद स्वर्ण पदक भी हो सकता है।' उन्होंने कहा, 'ऐसा भी हो सकता है कि महिला मुक्केबाज अभी तक देश को मिले पदकों का रंग बदल दें।'

विजेंदर के अलावा केवल दो अन्य भारतीय महिला मुक्केबाज एमसी मैरीकॉम (लंदन 2012) और बोरगोहेन (तोक्यो 2021) ही अभी तक ओलंपिक में कांस्य पदक जीत सकी हैं। लेकिन देश का कोई भी मुक्केबाज फाइनल में पहुंचकर स्वर्ण पदक का मुकाबला नहीं खेल पाया है। महिला मुक्केबाजों ने पेरिस ओलंपिक से पहले अच्छा प्रदर्शन किया है जिसमें जरीन और बोरगोहेन 2023 में विश्व चैम्पियन बनीं।

पवार और लम्बोरिया ने एशियाई खेलों के अलावा राष्ट्रमंडल खेलों में कांस्य पदक जीतें। वहीं अगर पुरुष मुक्केबाजों को देखा जाये तो देव को छोड़कर उनका प्रदर्शन निराशाजनक रहा है। देव ने पिछले साल विश्व चैम्पियनशिप में कांस्य पदक जीतकर पेरिस ओलंपिक के लिए क्वालीफाई किया था। भारत के पहले पुरुष विश्व चैम्पियनशिप पदक विजेता विजेंदर ने कहा, 'इस दफा काफी कम पुरुष मुक्केबाज हैं। पहले हम पांच से छह तक हुआ करते थे लेकिन इस बार बस दो ही पुरुष मुक्केबाज पेरिस गए हैं।'

भारत से सर्वाधिक सात पुरुष मुक्केबाज ही ओलंपिक के लिए क्वालीफाई कर सकते थे और ऐसा 2012 चरण में हुआ था। 2008 में तब रिकॉर्ड पांच मुक्केबाज क्वालीफाइंग अभियान में शानदार प्रदर्शन के बाद ओलंपिक पहुंचे थे। विजेंदर ने कहा, 'मैं नहीं जानता कि इसमें इतनी गिरावट क्यों हुई, शायद खुद मुक्केबाज ही इसके बारे में बेहतर तरीके से बता सकते हैं।' तीन बार के ओलंपियन विजेंदर ने अमेच्योर मुक्केबाजी छोड़कर 2015 में पेशेवर मुक्केबाजी में आने का फैसला किया था। उन्होंने इसके बाद अभिनय, रिएलिटी टीवी और राजनीति में भी हाथ आजमाये। उन्हें खेल प्रशासक के तौर पर भी काम करने से गुरेज नहीं है और अगर उन्हें मौका मिलता है तो वह भारतीय मुक्केबाजी महासंघ (बीएफआई) का चुनाव लड़ने को भी तैयार है।

विजेंदर ने कहा, 'अगर मुझे मौका मिलता है तो मैं भारतीय मुक्केबाजी महासंघ का अध्यक्ष बनने को तैयार हूं। मैं चुनाव लड़ना चाहूंगा क्योंकि मैं भारतीय मुक्केबाजों को बेहतर करते हुए देखना चाहता हूं।' साथ ही उन्होंने कहा कि वे युवाओं को खेल के बारे में अच्छी जानकारी दे सकते हैं। विजेंदर ने कहा, 'जो युवा अपने पहले ओलंपिक में हिस्सा ले रहे हैं तो मैं उनके साथ अपने पहले ओलंपिक का अनुभव साझा कर सकता हूं। मैं उन्हें बता सकता हूं कि मैंने भी इन्हीं दिक्कतों का सामना किया था और उन्हें बता सकता हूं कि क्या करना चाहिए और क्या नहीं।'

उन्होंने कहा, 'अगर मुझे बीएफआई अध्यक्ष पद के लिए चुनाव लड़ने का मौका मिलता है तो मैं पीछे नहीं हटूंगा। अगर किसी को मेरी मदद चाहिए तो मैं उपलब्ध हूं।' इस समय बीएफआई के अध्यक्ष अजय सिंह हैं जो स्पाइसजेट एयरलाइंस के मालिक भी हैं। विजेंदर ने कहा कि मुक्केबाजी एक 'अकेलेपन' का खेल है जिसमें आपको बाहर रिंग में लड़ना पड़ता है जबकि एक द्वंद्व आपके अंदर भी चलता रहता है।

लतीफ ने पंड्या की उपेक्षा पर नाराजगी जतायी

लाहौर । पाकिस्तान के पूर्व क्रिकेटर राशिद लतीफ ने श्रीलंकाई दौरे के लिए हार्दिक पंड्या को भारतीय टी20 टीम का कप्तान नहीं बनाये जाने के फैसले को गलत बताया है। लतीफ ने कहा कि जिस प्रकार का तर्क चयन समिति के प्रमुख अजीत अगरकर ने दिया है। वह केवल बहाने बाजी भर है। अगरकर ने कहा था कि पंड्या को खराब फिटनेस के कारण कप्तानी की जिम्मेदारी नहीं दी है। अगरकर के इस फैसले से लतीफ को निराशा हुई है। उन्होंने कहा है कि फिटनेस का बहाना देकर हार्दिक को कप्तानी नहीं दी गई। इस पूर्व क्रिकेटर ने कहा, 'उन्होंने पंड्या को सर्टिफिकेट दे दिया है कि वह पूरी तरह फिट नहीं हैं। उनकी फिटनेस को लेकर अब भी कई सवाल हैं पर अगर देखा जाये तो ऐसे कई खिलाड़ी रहे हैं जो फिट नहीं हैं लेकिन इसके बाद भी भी वे बहुत अच्छे कप्तान बने हैं। मुझे लगता है कि यह एक बहाना है क्योंकि नये कप्तान सूर्यकुमार यादव का नाम पहले दावेदारी में नहीं था।

हिंदु जनसंख्या नियंत्रित कर रहे... मुसलमान 10 बच्चे पैदा कर रहे

-प्रेमानंद महाराज के बयान परमहंस आचार्य ने दी प्रतिक्रिया

अयोध्या। पश्चिम बंगाल में बिगड़ते हालात को देखकर पंचायती अखाड़ा निरंजन के महामंडलेश्वर प्रेमानंद महाराज ने बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि हिंदू बहनें चार बच्चे पैदा करें, जिसमें से 2 हमें सौंप दें। वहीं प्रेमानंद महाराज के बयान पर अयोध्या के संतों ने प्रतिक्रिया दी है। राम मंदिर के मुख्य पुजारी आचार्य सत्येंद्र दास ने कहा, 'प्रेमानंद महाराज कथा वाचक हैं, कुछ भी कहते रहते हैं, जिसका कोई मतलब नहीं है। सरकार परिवार नियोजन की बात कर रही है। शास्त्रों में संतान उत्पत्ति व्यवस्था की बात कही गई है। प्रेमानंद महाराज को ऐसी भाषा नहीं बोलनी चाहिए। तपस्वी छावनी के पीठाधीश्वर जगतगुरु परमहंस आचार्य ने कहा, 'हिंदुस्तान में कई राज्यों में हिंदुओं की संख्या कम हुई है और कई जगह अल्पसंख्यक हो चुके हैं, जहां हिंदू कम हो रहे हैं, वहां सरेआम गाय की हत्या हो रही है। निर्भया जैसे कांड हो रहे हैं। हिंदुओं को अल्पसंख्यक होने से बचने के लिए प्रेमानंद महाराज ने ये बात कही है। हिंदू अपने आप जनसंख्या नियंत्रण कर रहे हैं। मुस्लिम समाज के लोग हिंदुओं से 10 गुना ज्यादा बच्चे पैदा कर रहे हैं। जहां मुस्लिम आबादी बढ़ रही है, वहां हिंदू को प्रताड़ित किया जा रहा है।

सीमा हैदर की सगी बहन का आरोप... अय्याशी और पैसा चाहिए

नई दिल्ली। खुद को सीमा हैदर की बहन बताते हुए एक बुर्कानशी महिला ने पाकिस्तानी भाभी को खूब खरी-खोटी सुनाई है। सीमा हैदर के पाकिस्तानी पति गुलाम हैदर के चैनल पर महिला ने खुद को सीमा हैदर की सगी बहन बताकर भारत सरकार से अपील की कि बच्चों को वापस पाकिस्तान भेज दिया जाए। 10 मिनट के वीडियो में महिला फूट-फूटकर रोई और सीमा को अय्याश और डायन कहकर कोसती रही। सीमा हैदर की कथित बहन ने कहा, मैं भारत सरकार से कहूंगी कि आप उसको (सीमा) को रखो। लेकिन बच्चों को वापस भेज दो। खुदा के लिए हमारी मदद करो। वह डायन बच्चों को मार देगी अपनी अय्याशी के लिए। उस कुछ नहीं चाहिए, उसको अय्याशी चाहिए, पैसा चाहिए, मेकअप चाहिए उसको वीडियो बनानी है, सारी दुनिया को दिखानी है। उसे बच्चों से कोई तालुक नहीं। किस तरह की कपड़े पहनाती है, लोग उन मासूम बच्चों को भी नहीं छोड़ते। उनका वीडियो बनाकर डालते हैं। सीमा की बहन ने रोते हुए कहा, हम पर रहम करो। हमारे बच्चे को पाकिस्तान डिपोर्ट करो। हमें नहीं चाहिए। उसे रखो अपने पास, उसे नचवाओ, उससे पैसे कमबाओ, उसका जो करवाना है करवाओ, लेकिन चार बच्चों की जिंदगी तबाह मत करो। तुम्हें शर्म नहीं आती, तुम किस तरह की मां हो। किस तरह बच्चों के कपड़े पहनाती हो, तुम्हारे बच्चों के लोगों ने प्राइवेट पार्ट के वीडियो बनाकर पैसे कमाए हैं। खुदा के लिए उन बच्चों को छोड़ दो। उनका क्या कसूर है, यही ना कि तुम उनकी मां हो।

गुप्त दान देने वालों पर शिकंजा नहीं कस सकता है, आयकर विभाग- हाईकोर्ट

मुंबई। मुंबई हाईकोर्ट ने शिर्डी के सांई बाबा ट्रस्ट को मिलने वाले गुप्त दान पर दायर आयकर विभाग की याचिका पर एक महत्वपूर्ण टिप्पणी की है। बॉम्बे हाई कोर्ट ने सुनवाई के दौरान कहा है, आयकर विभाग मंदिरों को गुप्त दान देने पर भक्तों की भावना को नियंत्रित नहीं कर सकता है। मुंबई हाईकोर्ट के न्यायमूर्ति गिरीश कुलकर्णी और न्यायमूर्ति सोमशेखर की खंडपीठ ने कहा सांई बाबा भगवान दत्तात्रेय के अवतार माने जाते हैं। भक्त उनकी पूजा करते हैं। जो भी दान भक्त करते हैं। वह उनकी आस्था का प्रतीक है। साईं बाबा ट्रस्ट एक धार्मिक संस्थान है। इसे आयकर से छूट प्राप्त है। आयकर ट्रिब्यूनल का मानना है, सांई बाबा ट्रस्ट धर्मार्थ है, धार्मिक ट्रस्ट नहीं है। आयकर विभाग का कहना था। ट्रस्ट की आय 400 करोड रुपए से ज्यादा की है। धार्मिक कार्यों पर ट्रस्ट ने मात्र 2.30 करोड रुपए ही खर्च किए हैं। आयकर विभाग का कहना था, धार्मिक कार्यों के लिए यह राशि खर्च नहीं की जा रही है। मुंबई हाईकोर्ट की खंड पीठ ने इस मामले की सुनवाई करने के बाद फैसला सुरक्षित कर लिया है।

कंगना रनौत ने लोकसभा में कांग्रेस को खूब सुनाया, बोलीं- पिछले 10 साल में जितना विकास हुआ है, 60 साल में नहीं हुआ

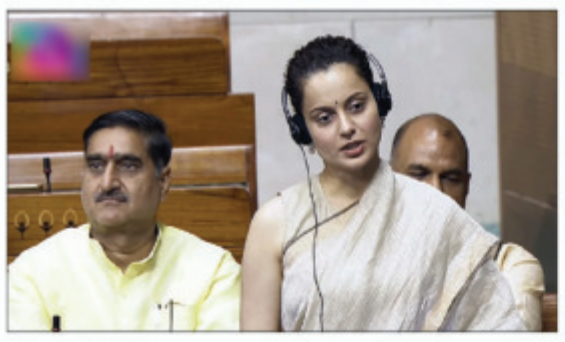

नई दिल्ली। बीजेपी सांसद कंगना रनौत ने 26 जुलाई को लोकसभा में केंद्रीय बजट 2024 पर चर्चा के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की तारीफ की। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी के नेतृत्व में पिछले 10 वर्षों में हिमाचल प्रदेश इतना फला-फूला, जो पिछले 60 वर्षों में नहीं हुआ था। उन्होंने भ्रष्ट नीतियों को लागू करने के लिए वर्तमान कांग्रेस सरकार की भी आलोचना की। कंगना ने लोकसभा में केंद्रीय बजट पर चर्चा में भाग लेते हुए कहा कि दस साल पहले देश में अर्थव्यवस्था चरमराती और लडखड़ाती हालत में थी, लेकिन पिछले दस साल में यह विश्व में 11वें स्थान से पांचवें नंबर पर आई है और तीसरे स्थान की ओर बढ़ रही है। हिमाचल प्रदेश के मंडी से निर्वाचित भाजपा सांसद ने कहा कि उनके राज्य में पिछले साल आई बाढ़ में व्यापक जनधन की हानि हुई और राज्य सरकार की ''लापरवाही की वजह से अब भी हिमाचल त्रासदी की हानि से बाहर नहीं आ पा रहा।'' उन्होंने बजट में हिमाचल प्रदेश में बाढ़ राहत के लिए विशेष पैकेज की घोषणा पर वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण और सरकार का आभार जताते हुए कहा कि ''पिछले दस साल में भाजपा ने हिमाचल प्रदेश में जितना विकास का काम किया है, उतना 60 साल में भी नहीं हुआ।'' कंगना ने कहा कि राज्य को अटल सुरंग जैसी वैश्विक अवसंरचना वाली परियोजनाएं मिली हैं, 11 हजार करोड़ रुपये की जलविद्युत परियोजनाएं स्वीकृत की गईहैं। उन्होंने मंडी में एक अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे की स्थापना की मांग सरकार से की। उन्होंने कहा, ''इस बजट में 2047 तक विकसित भारत बनाने का संकल्प है और तब भारत दुनिया की पहली अर्थव्यवस्था होगा।'' उन्होंने कहा कि यह बजट सभी वर्गों को सशक्त बनाने वाला है। कंगना ने हाल में संपन्न लोकसभा चुनाव के बाद तीसरी बार सरकार बनाने के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को बधाई दी।

अग्निपथ योजना पर खुलेआम झूठ बोल रहे पीएम मोदी : खड़गे

-पूर्व सेना प्रमुख जनरल नरवणे के बयान का जिक

नई दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर कारगिल विजय दिवस पर ओछी राजनीति करने का आरोप लगाया। कांग्रेस अध्यक्ष खड़गे की आलोचना पीएम मोदी द्वारा द्रास में एक संबोधन के दौरान अग्निपथ योजना की आलोचना के लिए विपक्ष पर निशाना साधकर सेना को कमजोर करने का प्रयास करने का आरोप लगाने के कुछ घंटों बाद आई है। यह बहुत दुर्भाग्यपूर्ण और निंदनीय है कि प्रधानमंत्री मोदी जी कारगिल विजय दिवस पर शहीदों को श्रद्धांजलि देने जैसे अवसरों पर भी तुच्छ राजनीति कर रहे हैं।

खरगे ने कहा कि पीएम मोदी का दावा कि उनकी सरकार ने सेना के आदेश पर अग्निपथ योजना लागू सरासर झूठ और हमारे बहादुर सशस्त्र बलों का अक्षम्य अपमान है। खरगे ने कहा कि मोदी जी, आप ही हैं जो झूठ फैला रहे हैं! पूर्व सेना प्रमुख (सेवानिवृत्त) जनरल एमएम नरवणे ने ऑन रिकॉर्ड कहा है कि अग्निपथ योजना में 75 प्रमतिशत भर्तियों को स्थायित्व के लिए लिया जाना था और 25 प्रतिशत लोगों को 4 साल बाद जाने दिया जाना था। लेकिन मोदी सरकार ने इसका उलटा कर योजना को तीनों सशस्त्र बलों के लिए जबरन लागू कर दिया।

उन्होंने कहा कि पूर्व सेना प्रमुख (सेवानिवृत्त) जनरल नरवणे ने अपनी पुस्तक में, इस मोदी सरकार ने प्रकाशित होने से रोक दिया है, कहा है कि अग्निपथ योजना सेना और नौसेना और वायु सेना के लिए चौंकाने वाली थी।

मुंबई में भारी बारिश... पुलिस की लोगों को सलाह घर पर ही रहे

मौसम विज्ञान विभाग ने शनिवार तक के लिए रेड अलर्ट जारी किया

मुंबई (एजेंसी)। देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में भारी बारिश के पूर्वानुमान के बाद पुलिस ने मुंबई निवासियों को शनिवार सुबह 8:30 बजे तक घर के अंदर ही रहने की सलाह दी है। यह सलाह भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) द्वारा जारी रेड अलर्ट के बाद है। पिछले 24 घंटों में शुक्रवार सुबह 8:30 बजे तक मुंबई शहर में 44 मिमी, पूर्वी उपनगरों में 90 मिमी और पश्चिमी उपनगरों में 89 मिमी बारिश दर्ज की गई। मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने स्थिति का आकलन कर रायगढ़ कलेक्टर को बाढ़ प्रभावित निवासियों की सहायता करने का निर्देश दिया। भूस्खलन के कारण रायगढ़-पुणे मार्ग पर तम्हिनी घाट पर यातायात रोक दिया गया।

पुणे में सड़कों पर और लोगों के घरों में पानी घुस गया है। खडकवासला बांध और जलग्रहण क्षेत्र में काफी बारिश हो रही है। जिला कलेक्टर, नगर आयुक्त और पुलिस आयुक्त अलर्ट पर हैं, सीएम शिंदे ने बताया कि राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल (एनडीआरएफ) और राज्य समकक्ष की टीमों को तैनात किया गया है, और सेना की एयरलिफ्टिंग टीमें स्टैंडबाय पर हैं।

सार्वजनिक सुरक्षा संदेश

मुंबई पुलिस ने पोस्ट किया, आईएमडी ने कल सुबह 8:30 बजे तक मुंबई के लिए रेड अलर्ट घोषित किया है। सभी मुंबईवासियों से अनुरोध है कि जब तक जरूरी न हो, घर के अंदर ही रहें। कृपया सुरक्षित रहें। आपात स्थिति के लिए 100, 112 डायल करें।

रनवे परिचालन को पहले सुबह 8:32 बजे से सुबह 8:43 बजे तक 11 मिनट के लिए रोका गया, और फिर सुबह 10:36 बजे से 10:55 बजे तक 19 मिनट के लिए रोका गया क्योंकि दृश्यता 300 मीटर तक गिर गई और रनवे विजुअल रेंज (आरवीआर) गिर गई।

यात्री मार्गदर्शन

यात्रियों को सलाह दी जाती है कि वे एयरलाइन वेबसाइटों और सोशल मीडिया चैनलों के माध्यम से उड़ान की स्थिति के बारे में अपडेट रहें और मुंबई में चल रही भारी बारिश और यातायात की भीड़ के बीच हवाई अड्डे के लिए अतिरिक्त यात्रा समय की योजना बनाएं।

बंधन बैंक का कुल कारोबार 22% बढ़कर हुआ 2.59 लाख करोड़ रुपए

एजेंसी

नई दिल्ली : बंधन बैंक ने वित्त वर्ष 2024-25 की पहली तिमाही के लिए अपने वित्तीय परिणामों की घोषणा की। बैंक का कुल कारोबार 22% बढ़कर 2.59 लाख करोड़ रुपए पर पहुँच गया। कुल जमा में अब बैंक की खुदरा हिस्सेदारी लगभग 69% है। पिछली तिमाही में देखी गई उत्साहजनक बढ़त वितरण, व्यावसायिक दक्षता और अनुकूल परिचालन वातावरण में इसके विस्तार से प्रेरित है। बैंक अब भारत में 6,300 बैंकिंग आउटलेट के माध्यम से 3.44 करोड़ से अधिक ग्राहकों को सेवाएँ प्रदान करता है। बंधन बैंक में कार्यरत कर्मचारियों की कुल संख्या अब लगभग 77,500 है। वित्त वर्ष 2025 की पहली तिमाही के दौरान बैंक की जमाराशि में पिछले वर्ष की इसी अवधि की तुलना में 23% की बढ़त हुई। कुल जमाराशि अब 1.33 लाख करोड़ रुपए हो गई है, जबकि कुल एडवांस 1.26 लाख करोड़ रुपए हैं। चालू खाता और बचत खाता (सीएएसए) अनुपात समग्र जमाराशि के 33.4% है। बैंक की स्थिरता का सूचक पूँजी पर्याप्तता अनुपात (सीएआर) 15.7% है, जो विनियामक आवश्यकता से अधिक है। बैंक के एमडी और सीईओ रतन कुमार केश ने कहा, साल की पहली तिमाही हमारे कारोबारी प्रदर्शन का प्रमाण है, जिसे हम पूरे साल बनाए रखना चाहते हैं। हमने प्रमुख मापदंडों में स्थिरता और वृद्धि का प्रदर्शन किया है।

फिक्की ने विभिन्न श्रेणियों में प्रकाशकों और लेखकों को 'फिक्की पब्लिशिंग अवॉर्ड्स' से किया सम्मानित

एजेंसी

नई दिल्ली : फेडरेशन ऑफ इंडियन चैंबर्स ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (फिक्की) ने गुरुवार को पब्लिकॉन 2024 का आयोजन किया, जो प्रकाशन उद्योग को समर्पित एक कार्यक्रम है। यह कार्यक्रम फेडरेशन हाउस, तानसेन मार्ग, नई दिल्ली में आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम का विषय 'प्रकाशन के भविष्य को आकार दे रही तकनीक(प्रौद्योगिकी)' था। फिक्की पब्लिशिंग अवार्ड्स' भी प्रस्तुत किए गए, जो विभिन्न श्रेणियों में प्रकाशकों के उत्कृष्ट योगदान को पहचानने और सम्मानित करने के लिए आयोजित किए गए थे। पूर्व सचिव - एएफ्ह एवं वरिष्ठ सलाहकार, डीएसटी, भारत सरकार, डॉ. अखिलेश गुप्ता ने कहा, भारत ओपन साइंस पॉलिसी को पूरी तरह से अपनाने की दिशा में बढ़ रहा है, जिसमें सीखने, अनुसंधान संसाधनों और डेटा का साझा करना शामिल है। सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय, भारत सरकार की अतिरिक्त महानिदेशक, शुभा गुप्ता ने कहा, इस साल का पब्लिकॉन थीम, 'प्रकाशन के भविष्य को आकार देने वाली तकनीक', अत्यधिक प्रासंगिक है और प्रकाशन उद्योग के इतिहास में एक महत्वपूर्ण मोड़ है। आज की चचाएँ सभी प्रतिभागियों के लिए ज्ञानवर्धक अनुभव होंगी। पुराने लोगों के लिए छपी हुई किताबें अब भी सर्वोत्तम अनुभव हैं, लेकिन नई पीढ़ी प्रौद्योगिकी से जुड़ी है, इसलिए पढ़ने की सामग्री उनकी अपेक्षाओं के अनुरूप होनी चाहिए। यह सम्मेलन हमारे लिए अवसर है कि हम अपनी सीमाएं बढ़ाएं और नई पीढ़ी के पाठकों की अपेक्षाओं पर खरे उतरें। एफआईसीसीआई पब्लिशिंग कमेटी की सह-अध्यक्ष एवं एमबीडी ग्रुप की प्रबंध निदेशक, मोनिका मल्होत्रा कंधारी ने कहा, ₹मुझे इस कार्यक्रम का आयोजन करने और इसकी थीम निर्धारित करने का सम्मान मिला है। हर साल फिक्की ने ऐसे प्रासंगिक विषय चुने हैं जो उद्योगों की समस्याओं का समाधान कर सकते हैं। यह आश्चर्यजनक है कि कैसे तकनीक ने हमारी पहुंच को वैश्विक बना दिया है। हमें अपने अनुभवों और कौशल को साझा करने का एक अनूठा अवसर मिला है। मुझे आशा है कि हम आज के सत्रों से बहुत कुछ सीखेंगे। एफआईसीसीआई पब्लिशिंग कमेटी के सह-अध्यक्ष एवं हार्पर कॉलिंस पब्लिशर्स इंडिया लिमिटेड के सीईओ, अनंथ पद्मनाभन ने कहा, सबसे पहले, मैं सभी भाग लेने वाले प्रकाशकों का आभार व्यक्त करना चाहता हूं। अधिकांश लेखक और प्रकाशक अपने कार्यालयों की चार दीवारी में काम करते हैं, इसलिए सार्वजनिक मंचों पर पहचान मिलना बहुत महत्वपूर्ण है। इससे लेखक व्यापक दर्शकों तक पहुंच पाते हैं और प्रकाशकों को भी लाभ होता है। मैं सभी प्रकाशकों से नियमित रूप से सहभागिता की अपील करता हूं। किताबें और शिक्षा जीवन बदलने का एक मूल स्रोत हैं। हमारे पास 200 मिलियन वरिष्ठ नागरिक और लगभग 250 मिलियन स्कूली बच्चे हैं।

मुझे मत सिखाओ, बल्कि मेरे से सीख लो, बांग्लादेशियों को शरण देने वाले मुद्दे पर विदेश मंत्रालय को ममता की नसीहत

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने हिंसा प्रभावित बांग्लादेश के शरणार्थियों को आश्रय देने की उनकी टिप्पणी पर आपत्ति जताने के लिए विदेश मंत्रालय (एमईए) पर पलटवार किया। बनर्जी ने कहा कि मैं संघीय ढांचे को अच्छी तरह से जानती हूं। मैं सात बार सांसद रही, मैं दो बार केंद्रीय मंत्री रही। मैं विदेश मंत्रालय की नीति को किसी और से बेहतर जानती हूं। उन्हें मुझे सबक नहीं सिखाना चाहिए। उन्हें इससे सीखना चाहिए। नौकरी में आरक्षण के विरोध को लेकर बांग्लादेश में हुई हिंसक झड़पों के बाद ममता बनर्जी ने संयुक्त राष्ट्र प्रस्ताव के तहत बांग्लादेशी शरणार्थियों को आश्रय प्रदान करने की अपनी प्रतिबद्धता के बारे में बात की थी। उनकी टिप्पणी कोलकाता में एक सार्वजनिक कार्यक्रम के दौरान आई, जहां उन्होंने हिंसा से प्रभावित लोगों की मदद करने की इच्छा व्यक्त की।

उन्होंने तृणमूल कांग्रेस की 'शहीद दिवस' रैली में कहा कि अगर असहाय लोग बंगाल के दरवाजे पर दस्तक देंगे तो हम निश्चित रूप से उन्हें आश्रय देंगे। बांग्लादेश के विदेश मंत्रालय ने बनर्जी की टिप्पणियों पर नाराजगी व्यक्त करते हुए राजनयिक चैनलों के माध्यम से कहा कि उनकी टिप्पणियां भ्रम पैदा कर सकती हैं और जनता को गुमराह कर सकती हैं। विदेश मंत्रालय ने पुष्टि की कि उसे ममता बनर्जी की टिप्पणी पर ढाका से एक लिखित आपत्ति मिली है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जयसवाल ने कहा कि विदेशी संबंधों से जुड़े मामले केंद्र सरकार का विशेषाधिकार है।

जयसवाल ने कहा कि हमारे संविधान की सातवीं अनुसूची - सूची एक - संघ सूची - आइटम 10 के तहत, विदेशी मामलों का संचालन और सभी मामले जो संघ को किसी विदेशी देश के साथ संबंध में लाते हैं, केंद्र सरकार का एकमात्र विशेषाधिकार है।

बजट में नहीं मिली राहत, आगामी महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में प्याज बनेगी मुद्दा

मुंबई, (एजेंसी)। एनडीए सरकार को हाल के लोकसभा चुनावों में महाराष्ट्र के प्याज बेल्ट में झटका लगा है। पार्टी को छह सीटों में से केवल एक पर जीत हासिल हुई है। मुख्य रूप से फसल निर्यात पर प्रतिबंध के चलते व्यापारियों के रूप में आगामी विधानसभा चुनावों में भी इसका असर दिखाई दे सकता है। किसानों में बजट द्वारा इस पर प्रतिबंध न हटाए जाने पर निराशा है। प्याज के मुफ्त निर्यात पर लंबे समय तक प्रतिबंध एनडीए की संभावनाओं को नुकसान पहुंचा रहा है, नासिक में एक बीजेपी नेता ने निराशा जताते हुए कहा कि हमारे नेता इसके राजनीतिक प्रभाव के बारे में केंद्रीय नेतृत्व को समझाने में सक्षम नहीं थे।

डिंडोरी, नासिक, बीड, औरंगाबाद, अहमदनगर और धुले लोकसभा सीटें राज्य की प्याज बेल्ट वाली हैं, जो देश के प्याज उत्पादन का करीब 34फीसदी हिस्सा है। राज्य की 40फीसदी से ज्यादा प्याज की खेती नासिक में ही होती है। औरंगाबाद को छोड़कर, जहां एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना के संदीपन भुमरे ने जीत हासिल की, बाकी सभी सीटें एनडीए हार गई है। अहमदनगर और बीड में, एनसीपी (सपा) के नीलेश लंके और बजरंग सोनावणे जैसे अपेक्षाकृत नए लोगों ने सुजय विखे-पाटिल और पंकजा मुंडे जैसे बीजेपी के दिग्गजों को हार का मजा चखाया है।

नासिक जिले के बलगन तालुका से शिवसेना नेता (शिंदे गुट) ने कहा कि विपक्ष लगातार प्याज की कीमतों का मुद्दा उठा रहा है। उन्होंने कहा कि हमने अपने नेताओं से निर्यात का मुद्दा केंद्र के समक्ष उठाने को कहा था। विधानसभा चुनाव नजदीक हैं और बजट में इस मुद्दे का समाधान नहीं किया गया है, इसका उल्टा असर पड़ सकता है। निर्यात प्रतिबंध के कारण पिछले साल ज्यादातर समय प्याज की कीमतें कम रहीं। डिंडोरी लोकसभा सीट के एक किसान ने कहा कि सरकार बजट में प्रतिबंध हटा देगी, लेकिन लगता है कि केंद्र ने इससे सबक नहीं सीखा है। विधानसभा चुनाव में यह मुद्दा बना रहेगा। हम लोगों में से ज्यादातर सरकार के इस कदम से आहत हैं।

केजरीवाल की सेहत को लेकर इंडिया गठबंधन का 30 को दिल्ली में प्रदर्शन

नई दिल्ली (एजेंसी)। आम आदमी पार्टी (आप) ने कहा कि इंडिया ब्लॉक 30 जुलाई को दिल्ली के जंतर-मंतर पर एक रैली आयोजित कर रहा है, जिसमें तिहाड़ जेल में बंद दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल की गिरती सेहत का मुद्दा उठाया जाएगा। आप नेता बीजेपी पर जेल में केजरीवाल की हत्या की साजिश रचने का आरोप लगा रहे हैं, जिसमें उनकी मेडिकल रिपोर्ट का हवाला दिया गया है, जिसमें दिखाया है कि तीन जून से सात जुलाई के बीच उनका शुगर लेवल 26 बार नीचे आया।

आप नेताओं ने कहा कि केजरीवाल की गिरती सेहत का मुद्दा उठाने के लिए इंडिया ब्लॉक 30 जुलाई को जंतर-मंतर पर एक बड़ी रैली करेगा। दिल्ली में सत्तारूढ़ पार्टी ने बीजेपी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार और उपराज्यपाल वीके सक्सेना पर सीएम केजरीवाल की जान से खेलने का आरोप लगाया है। दिल्ली की मंत्री आतिशी से रैली के बारे में कहा कि बीजेपी दिल्ली के लोगों के खिलाफ साजिश कर रही है। वह दिल्ली के लोगों के काम रोक रही है। वह दिल्ली के लोगों के पैसा रोक रही है। बीजेपी ने दिल्ली के लोगों के लिए काम करने वाले अरविंद केजरीवाल, मनीष सिसोदिया और सत्येंद्र जैन को गिरफ्तार कर जेल में डाल दिया है।

आतिशी ने यह भी दावा किया कि जब बीजेपी को पता चला कि केजरीवाल को सुप्रीम कोर्ट से जमानत मिल सकती है तो उन्होंने उन्हें सीबीआई से गिरफ्तार करवाया। आतिशी ने दावा किया कि उन्हें पता है कि केजरीवाल को पिछले 30 सालों से डायबिटीज है। हिरासत में उनका वजन 8.5 किलो कम हो गया है। ग्लूकोमीटर पूरे दिन उनके शुगर लेवल पर नजर रखता है। इस डिवाइस का डेटा एलजी और केंद्र के साथ साझा किया जाता है। उन्हें पता है कि केजरीवाल का शुगर लेवल कुल 34 बार गिरा है। बीजेपी चाहती है कि उनका स्वास्थ्य खराब हो जाए।

सभी ब्लॉक पार्टियां केजरीवाल की हिरासत और उनके स्वास्थ्य पर मौजूदा खतरे के खिलाफ विरोध प्रदर्शन करेंगी। पिछले हफ्ते, वीके सक्सेना ने दिल्ली के मुख्य सचिव को केजरीवाल

की स्वास्थ्य स्थिति को रेखांकित करते हुए लिखा था, जिसमें कहा गया था कि तिहाड़ जेल अधीक्षक द्वारा दी गई रिपोर्ट से पता चला है कि सीएम जानबूझकर अनुशंसित कैलोरी से कम कैलोरी ले रहे हैं। एलजी ने तत्काल कार्रवाई और केजरीवाल के रक्त शर्करा के स्तर की निगरानी के लिए सख्त प्रोटोकॉल लागू करने की मांग की।

अग्निपथ योजना पर खुलेआम झूठ बोल रहे पीएम मोदी : खड़गे

नई दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर कारगिल विजय दिवस पर ओछी राजनीति करने का आरोप लगाया। कांग्रेस अध्यक्ष खड़गे की आलोचना पीएम मोदी द्वारा द्रास में एक संबोधन के दौरान अग्निपथ योजना की आलोचना के लिए विपक्ष पर निशाना साधकर सेना को कमजोर करने का प्रयास करने का आरोप लगाने के कुछ घंटों बाद आई है। यह बहुत दुर्भाग्यपूर्ण और निंदनीय है कि प्रधानमंत्री मोदी जी कारगिल विजय दिवस पर शहीदों को श्रद्धांजलि देने जैसे अवसरों पर भी तुच्छ राजनीति कर रहे हैं। खरगे ने कहा कि पीएम मोदी का दावा कि उनकी सरकार ने सेना के आदेश पर अग्निपथ योजना लागू सरासर झूठ और हमारे बहादुर सशस्त्र बलों का अक्षम्य अपमान है। खरगे ने कहा कि मोदी जी, आप ही हैं जो झूठ फैला रहे हैं! पूर्व सेना प्रमुख (सेवानिवृत्त) जनरल एमएम नरवणे ने ऑन रिकॉर्ड कहा है कि अग्निपथ योजना में 75 प्रमतिशत भर्तियों को स्थायित्व के लिए लिया जाना था और 25 प्रतिशत लोगों को 4 साल बाद जाने दिया जाना था। लेकिन मोदी सरकार ने इसका उलटा कर योजना को तीनों सशस्त्र बलों के लिए जबरन लागू कर दिया।

नीट पेपर लीक मामला: अधजले पेपरों ने सीबीआई को आरोपियों तक पहुंचाया

नई दिल्ली (एजेंसी)। नीट-यूजी 2024 परीक्षा के आधे जले हुए पेपर ने सीबीआई को एक अहम सुराग मिला और उसने पेपर लीक मामले को सुलझाने में मदद की। नीट पेपर लीक मामले में अपने आधिकारिक बयान में सीबीआई ने अपराध के बारे में खुलासा किया। सीबीआई के मुताबिक नीट यूजी 2024 पेपर पांच मई, 2024 को झारखंड के हजारीबाग में ओएसिस स्कूल से अवैध रूप से प्राप्त किया गया था।

सीबीआई ने कहा कि पंकज कुमार जिसे आदित्य और साहिल के नाम से भी जाना जाता है, पेपर लीक के पीछे के मास्टरमाइंड में से है, साथ ही स्कूल के प्रिंसिपल, वाइस प्रिंसिपल और एक सहयोगी परीक्षा के पेपर तक अनाधिकृत पहुंच में शामिल थे।

आधे जले हुए पेपरों के बरामद टुकड़ों ने सीबीआई को नीट परीक्षा केंद्र तक पहुंचने में मदद की, जहां से इसे लीक किया गया था। पांच मई की सुबह नीट पेपर से भरे ट्रंक स्कूल लाए गए और उन्हें नियंत्रण कक्ष में रख दिया गया। सीबीआई ने कहा कि ट्रंक पहुंचने के कुछ ही मिनट बाद स्कूल के प्रिंसिपल और वाइस प्रिंसिपल ने पेपर लीक के मास्टरमाइंड को कमरे में जाने दिया।

गिरोह ने पेपर से भरे ट्रंक को खोलने के लिए अत्याधुनिक उपकरणों का इस्तेमाल किया और बिना इजाजत उसमें से सामग्री निकाल ली। पेपर तक पहुंचने के बाद, इसे हजारीबाग में एमबीबीएस छात्रों द्वारा हल कराया गया। हल किए गए पेपर को फिर चुनिंदा छात्रों को पहुंचा दिया गया, जिन्होंने उत्तरों के लिए रकम भी दी। सीबीआई ने ऑपरेशन में शामिल अधिकांश सॉल्वरों की पहचान कर उन्हें गिरफ्तार कर लिया है। जांच में यह भी पता चला है कि आरोपियों को ऐसे व्यक्तियों के एक नेटवर्क का समर्थन प्राप्त था, जिन्होंने उम्मीदवारों के आवास और उनके परिवहन का प्रबंध किया था।

वर्तमान में उन सभी छात्रों का पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है, जिन्हें लीक हुए पेपर मिले थे और उनके खिलाफ उचित कार्रवाई की जा रही है। इस साल 23 जून से चल रही सीबीआई जांच में अब तक 36 गिरफ्तारियां हो चुकी हैं, जिनमें बिहार पुलिस द्वारा पकड़े गए 15 लोग शामिल हैं।

नवबिहार मीडिया प्रा. लि. के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक डॉ. रामाज्ञा तिवारी द्वारा विश्वेश्वरा पब्लिकेशनंस एलएलपी की ओर से शिवासाईं पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड, नियर टेंडर बागीचा पेट्रोल पंप, रातू, रांची (झारखंड)- 835222 से मुद्रित एवं उद्योग भवन मार्ग, 19 A कोकर औद्योगिक क्षेत्र रांची- 834001 (झारखंड) से प्रकाशित। **संपादक- डॉ. रामाज्ञा तिवारी, प्रधान संपादक-देवेंद्र सिंह*** (*पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार), **प्रबंधक- नरेंद्र कुमार सिंह**. 9334331934, 9386895799, 9507466535, **RNI Regn.: JHAHIN/2011/40902**